




2018

 **Department of Chemistry**  
**C.M.P. Degree College, Allahabad**  
A Constituent P.G. College of University of Allahabad 

**One day National Workshop**  
on  
**"The Present Scenario and Challenges of the Environment"**

 **Organized by**  
**Department of Chemistry**  
**C.M.P. Degree College** 

**Ch. Jitendra Nath Singh**  
President, Kayastha Pathshala

**Date : 16<sup>th</sup> November 2018**  
**Venue : Dr. Pyarelal Auditorium**  
**Time : 10:00 am to 4 pm**

**Dr. Brijesh Kumar**  
Principal  
C.M.P. Degree College



## रसायन विज्ञान विभाग द्वारा 16 दिसम्बर 2018 को आयोजित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला की रिपोर्ट

डा० प्रमोद कुमार

रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा "पर्यावरण की वर्तमान स्थिति एवं चुनौतियाँ" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया।

उक्त कार्यशाला चार सत्रों में सम्पन्न हुई।

उद्घाटन सत्र- संतोषी का उद्घाटन मुख्य अतिथि सी०एम०पी० कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ० आनंद कुमार श्रीवास्तव, विशिष्ट अतिथि डॉ० अशोक रंजन लक्षणा (छात्रक केमिकल सोसाइटी), डॉ० सुनीलकान्त मिश्रा (शिक्षा अधिकारी इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद), डॉ० अनिल कुमार शुक्ला (वेबन परसन), डॉ० मूलेन्द्र कुमार (वरदार) एवं प्राचार्य डॉ० वृजेस कुमार के द्वारा किया गया।

दीप प्रज्वलन के साथ कार्यक्रम औपचारिक रूप से आरम्भ हुआ।

अतिथियों का परिचय कालेज के कुलानुशासक डॉ० रंजित कुमार श्रीवास्तव ने कराया एवं अतिथियों का स्वागत विभाग के डॉ० प्रमोद कुमार साहू, डॉ० अरुण अली डॉ० दीपांजली पाम्प्रेय, डॉ० मीनिका सिंह, डॉ० अर्पिता श्रीवास्तव, हिमांशु चौरसिया एवं डॉ० रंजिता कुमार ने किया।

कार्यक्रम का विषय परिवर्तन विभाग की संयोजिका डॉ० अर्चना पाम्प्रेय ने किया।

केमिकल सोसाइटी की स्थापना एवं इसके उद्देश्यों के बारे में सोसाइटी के सचिव डॉ० सुगन्धा दास ने विस्तार से बताया।

मुख्य अतिथि के रूप में बोले हुए कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ० आनन्द कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि आज मनुष्य प्रकृति के साथ तालमेल बिठाने में विफल गया है इसलिए प्रकृति के वैषम्यमय (ज्वर, जल, आकाश, अग्नि एवं वायु) आज प्रदूषित हो गये हैं। भारतीय जीवन शैली प्रकृति के साथ जीने की सीख देती है।

विशिष्ट वक्ता के रूप में बोले हुए डॉ० सुनीलकान्त मिश्रा ने भी जीवन के जीवन को याद करते हुए अपने अनेकों संस्मरण साझा किये। लगातार कम हो रहे पानी, पेड़, पौधों पर विचार व्यक्त करते हुए कहा कि यदि पर्यावरण को बचाना है तो हर किसी को कम से कम एक पृष्ठ लगाना होगा।

विशिष्ट अतिथि डॉ० अशोक रंजन लक्षणा ने कहा कि पर्यावरण के संकट को देखते हुए जल्य किसान संस्थानों में बैठे प्रोफेसरों, वैज्ञानिकों एवं शोध छात्रों को जिम्मेदारी बनती है कि ऐसे शोध करें कि पर्यावरण के संकटों से निपटने में मदद मिल सके।

विशिष्ट अतिथि डा० मूलेन्द्र कुमार ने कहा कि मनुष्य अपने तात्कालिक लाभ को चूककर अपनी आने वाली पीढ़ियों को ध्यान में रखकर यदि कोई काम करेगा तो पर्यावरण जरूर सुरक्षित रहेगा।

इस कार्यशाला के वेबन परसन डॉ० अनिल कुमार शुक्ला ने कहा कि जीवन वाहिनी नदियों के लिए पीजीसीएन एक बड़ी समस्या बनी हुई है। संगोष्ठी में उपस्थिति प्रतिभागियों को पीजीसीएन का उपयोग न करने एवं दूसरों को भी जागरूक करने को कहा।

कार्यक्रम अन्त्य कालेज के प्राचार्य डॉ० वृजेस कुमार ने कहा कि आज स्कूल स्तर से ही पर्यावरण को एक विषय के रूप में बच्चों को पढ़ाया जा रहा है बावजूद उसके दिनोंदिन पर्यावरण संकट बढ़ता ही जा रहा है। जल, जंगल, जमीन, जल,



जानवर का परस्पर पोषण होगा तभी पर्यावरण भी सुरक्षित रहेगा।

रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसाइटी द्वारा कालेज के पूर्व प्राचार्य डॉ० आनन्द कुमार श्रीवास्तव, डॉ० अशोक रंजन सम्भोना, डॉ० सुनेन्द्र कुमार एवं डॉ० सुनीलकान्त मिश्रा को एवार्ड आफ एक्सीलेंस से सम्मानित किया गया।

सम्मानित होने वाले महानुभावों के जीवन वृत्त का ज्ञान, केमिकल सोसाइटी की जनरल कोलेटवी डॉ० सुनीदा दारा, एवं सम्मान विभाग संयोजिका डॉ० अर्चना पाण्डेय, डॉ० रोली श्रीवास्तव, डॉ० मृदुला जिमाटी, डॉ० शीमा श्रीवास्तव, डॉ० अनिलेक श्रीवास्तव, डॉ० अनिल कुमार शुक्ला एवं डॉ० आरती गुप्ता ने किया।

**प्रथम टेक्निकल सत्र—**

कार्यशाला के द्वितीय सत्र में कक्षा के रूप में प्रयोगशाला के मुख्य वन संरक्षक डॉ० राजीव मिश्रा, पूर्व वन संरक्षक अधिकारी श्री देवानन्द चौधरी, इलाहाबाद विश्वविद्यालय के पीडिया स्टडीज के डॉ० चर्नजय चौधड़ा एवं इंडिया थिंक कान्सेप्ट (दिल्ली) के अध्यक्ष सौरभ पाण्डेय ने व्याख्यान दिये। सत्र की अध्यक्षता रसायन विभाग से अवसरदा प्राध डॉ० शोभ प्रकाश ने की।

मुख्य वन संरक्षक डॉ० राजीव मिश्रा ने कहा कि वन विभाग अगिला बरसातक वृक्षारोपण करा रहा है, लेकिन पर्यावरण को बेहतर बनाने के लिए सभी को पैड़ लगाना चाहिए।

श्री देवानन्द चौधरी ने कहा कि पर्यावरण सँकट का मुख्य कारण अनियंत्रित जनसँख्या वृद्धि एवं विकास की नीतियाँ बनाते समय पर्यावरण को गण्यअंशदा करना है।

डॉ० चर्नजय चौधड़ा ने भी पर्यावरण को बनाने के लिए लोकेशन के बीचें समय पीडिया की सकारात्मक भूमिका के प्रभाव पर बर्चा की।

सत्र के अंत में सौरभ पाण्डेय ने भी कार्बन के उत्सर्जन पर बर्चा की। सभी विशिष्ट ब्यक्तियों को स्मृति चिन्ह व प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

**द्वितीय टेक्निकल सत्र —**

सी०एम०पी० कालेज सहित ए०ए०एस० खन्ना, पी०ए०आई इलाहाबाद विश्वविद्यालय एवं दिल्ली विश्वविद्यालय के २० से अधिक प्रोफेसर एवं शोध छात्रों ने अपना शोध पत्र प्रस्तुत किया।

द्वितीय टेक्निकल सत्र के बाद अगले सप्ते का नौजन अवकाश किया गया।

**समापन सत्र—**

समापन सत्र में नैच डर विभाग की संयोजिका डॉ० अर्चना पाण्डेय, डॉ० सुनीदा दारा, डॉ० संतोष श्रीवास्तव, डॉ० रोली श्रीवास्तव, डॉ० श्वेता अग्रवाल, डॉ० मृदुला जिमाटी ने अपने विचार व्यक्त किये। सभी का ध्यान था कि पर्यावरण बनाने के लिए सरकार को ही नहीं, वरन् आम आदमी को अपने स्तर से प्रयास करना होगा।

उक्त कार्यशाला में सी०एम०पी० सहित प्रयाग के अन्यान्य शैक्षिक संस्थाओं के ३५० प्रोफेसर एवं शोध छात्रों ने भाग लिया।

कार्यक्रम का सफल संचालन कार्यशाला के संयोजक डॉ० प्रमोद कुमार ने किया।

अध्यक्षता प्रदान कार्यक्रम के सचिव डॉ० अकरम अली ने किया।

**विशेष आकर्षण—**

विभाग की संयोजिका डॉ० अर्चना पाण्डेय की तरफ से प्रतिभागियों को लगभग ३५० पीछे बँट किये गये।

**REGISTRATION FORM****NATIONAL SEMINAR  
On  
Innovative Frontiers in Applied Sciences  
September 26-28, 2019**

Organized by  
Chemical Society, Department of Chemistry  
C.M.P. College  
(A constituent P.G. College of Allahabad University)  
Prayagraj - 211 002 (INDIA)  
In collaboration with  
Vijnana Parishad Prayag  
(Local Chapter) Prayagraj - 211 002 (INDIA)

Name : .....

Designation : .....

Affiliation : .....

Address : .....

E-mail : .....

Telephone : .....

Presentation : Oral ..... Poster .....

Please complete this registration form and mail a scanned copy to ifschm2019@gmail.com or send a hard copy before August 30, 2019 to

Chemical Society  
Department of Chemistry  
C.M.P. College, Prayagraj-211002 (INDIA)  
Date: ..... Signature

(Photocopy of the Form may also be used)

**HOW TO REACH PRAYAGRAJ**

Prayagraj is accessible by air and train from all parts of the country. There is a network of bus services from all the Northern States. The Venue is about 6 Km from Prayagraj Junction and 10 Km from Prayagraj Airport.

**DEPARTMENT OF CHEMISTRY**

Department of Chemistry is biggest department among all departments of CMP College. This department has 22 teaching and 9 non-teaching staff. The research areas in which work is being pursued are in the field of Synthetic Organic Chemistry, Polymeric Materials, Solar Cell, Coordination Chemistry, Materials Chemistry, Supramolecular Chemistry and Medicinal Chemistry. Faculty members of the Department have undertaken projects worth Rs. 1.1 Crore from various funding agencies like UGC, DST, CSIR, etc.

**ABOUT VIJNANA PARISHAD PRAYAG**

Vijnana Parishad was established in 1913. It is working in the field of science popularization and dissemination in Hindi and other Indian Languages.

**NATIONAL ADVISORY COMMITTEE**

- Prof. Jagdamba Singh (AU, Prayagraj, UP)
- Prof. Satish Awasthi (DU, Delhi)
- Prof. K.K. Upadhyay (BHU, Varanasi, UP)
- Prof. Surya Prakash Singh (HCT, Hyderabad, Telangana)
- Prof. Anand Prakash Mishra (H.S. Gaur University, Sagor, MP)
- Dr. Sheila Srivastava (Firoz Gandhi PG College, Raibareilly, UP)
- Prof. Janhavi Singh (UP College, Varanasi, UP)
- Dr. Hemlata Pant (CMP College, Prayagraj, UP)
- Mr. Devvrat Dwivedi (Executive Secretary, Vijnana Parishad Prayag, UP)

**NATIONAL SEMINAR****On  
Innovative Frontiers in  
Applied Sciences**

September 26-28, 2019



CIRCULAR INVITATION



Organized by  
Chemical Society  
Department of Chemistry  
C.M.P. College  
(A constituent P.G. College of Allahabad University)  
Prayagraj - 211 002 (INDIA)

In collaboration with  
Vijnana Parishad Prayag  
(Local Chapter)  
Maharshi Dayanand Marg  
Prayagraj - 211 002 (INDIA)

**THE THEME OF SEMINAR**

Applied science is a point of intersection between research & development and its actual application in the real world. All the frontiers in innovations play an instrumental role in advancement of applied research areas. The seminar seeks to explore the essential gist of such innovations, their possible applications in various fields, foster the creative and applicative thinking of researchers and stimulate more of such initiatives. It is desired that the academic discourse in the present seminar will bring positive results and insight for the near future.

**Thrust Area of the Seminar:**

- Polymers in Applied Sciences
- Save the Planet Earth
- Renewable Energy
- Natural Product and Drug Discovery
- Material Science for Mankind
- Fuel for Future
- Molecular Biology
- Waste Management
- Tissue Culture and Genetically Modified Crops
- Water Conservation

**Call for Abstract:**

Submission of abstract (not exceeding 500 words) for invited talk and (250 words) for Oral/Poster presentation should be submitted to the address for correspondence latest by August 30, 2019.

Font Style: Times New Roman, MS Word format.  
Font Size: 12 (For Text, Author's name, Affiliation & E-mail ID).  
Font Size: 14 (For Title)  
Line Spacing: 1.5, leaving 1-inch margin on all sides on A-4 page.

**ORGANIZING COMMITTEE**

<b>Chief Patron</b>	: Ch. Jitendra Nath Singh (President, K.P. Trust, Prayagraj)
<b>Patron</b>	: Dr. Brijesh Kumar (Principal, CMP College, Prayagraj)
<b>Chairperson</b>	: Prof. Shiv Gopal Mishra (Pradhan Mantri, Vijnana Parishad Prayag Prayagraj)
<b>Co-chairperson</b>	: Dr. Archana Pandey Dr. Sunanda Das
<b>Convener</b>	: Dr. Deepa Srivastava
<b>Co-Convener</b>	: Dr. Anil Kr. Shukla Dr. Roli Srivastava Dr. Babita Agrawal Dr. Santosh Kr. Srivastava Dr. Arti Gupta Dr. Meridula Tripathi
<b>Organizing Secretary</b>	: Dr. Abhishek Srivastava
<b>Co-Organizing Secretary</b>	: Dr. Praveen Tripathi Dr. Pravin Kr. Singh Dr. Vishal Srivastava Dr. Ashok Kr. Ranjan Dr. Ranjeet Kumar
<b>General Secretary</b>	: Dr. Akram Ali
<b>Joint Secretary</b>	: Dr. Dharmendra Kr. Sahu Dr. Monika Singh Dr. Pramod Kumar Dr. Deepanjali Pandey Ms. Himani Chaurasia
<b>Treasurer</b>	: Dr. Arjita Srivastava

**IMPORTANT DATES**

<b>Deadline</b>	
For Abstract Submission	August 30, 2019
For Registration	August 30, 2019
Date of Seminar	September 26-28th, 2019
<b>Registration Fee</b>	
Academicians	Rs. 1200/-
Research Scholars	Rs. 1000/-
Others	Rs. 800/-
<b>Note:</b>	
On the spot registration fee will be extra Rs. 200/- with above mentioned registration fee.	

**ADDRESS FOR CORRESPONDENCE**

**Convener:**  
Mobile: 09452797906, 9415367142, 8004411230  
Abstract can be submitted to Email ID : ifschm2019@gmail.com

**Registration fees can be submitted online**

**SYNDICATE BANK PRAYAGRAJ**  
(Branch: Prayag)  
A/C No. 86162010035853  
IFSC: SYNB0008616

**VENUE**

**Auditorium**  
Vijnana Parishad Prayag  
(Vijyan Parishad Prayag)  
Prayagraj-211 002 (INDIA)

**रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी**

आज रसायन विज्ञान विभाग की केमिकल सोसायटी एवं विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वाधान में "इनोवेटिव फ्रंटियर्स इन एप्लाइड साइंसेज" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में बोलते हुए प्रो.के.बी. पांडेय ने कहा कि मेडिशिनल प्लांट के बारे में जब दुनिया जानती नहीं थी। उस समय हमारे यहां के ऋषियों मनीषियों ने आयुर्वेद में बहुत से पेड़ पौधों के औषधीय गुणों की खोज कर इलाज में प्रयोग कर रहे थे। उन्होंने कहा कि एक पौधे के कितने औषधीय उपयोग हो सकते हैं इस पर गहन शोध की आवश्यकता है। आज के वैज्ञानिक जिस पौधे की मेडिशिनल प्रापर्टी के बारे में बताते हैं कोई जड़ों पर कार्य करता है, कोई तने पर पर, कोई पत्तियों पर फिर भी पौधे के समस्त औषधीय गुणों के बारे में जानकारी नहीं

मिल पाती है। नैनो पार्टिकल का उपयोग करते हुए कुछ लाभकारी कंपाउंड लोगों ने बनाया है। बेहतर होगा जो भी रिसर्च हम लेबोरेटरी में कर रहे हैं। उसको लेकर गांवों में जाएं किसानों को उससे कुछ लाभ हो जिससे उनका स्वाभिमान जगे, आत्मविश्वास जगे, नवयुवकों को रोजगार दे सकें तभी हमारे कार्य की उपयोगिता है। उन्होंने कहा हमारे रिसर्च का तभी कोई मतलब है जब देश व समाज के हित में उसका कोई योगदान हो। उन्होंने बताया कि अकेले नीम के अंदर लगभग 150 फाइटोकेमिकल्स निकाले जा चुके हैं जिसके अंदर एंटीबायोटिक, एंटीऑक्सीडेंट, एंटीवायरल, ऐनालजेशिक, एंटीफंगल आदि औषधीय गुण विद्यमान हैं।

समापन सत्र की अध्यक्षता करते हुए के पी.ट्रस्ट के अध्यक्ष चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह ने कहा कि आज पूरी दुनिया ग्लोबल वार्मिंग की समस्या से परेशान है। हर वर्ष आइसबर्ग के पिघलने से समुद्र का जलस्तर बढ़ रहा है एक दिन दुनिया का ज्यादातर हिस्सा जलमग्न हो सकता है। आज जल संरक्षण की नितांत आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि एक भी बूंद जल कम नहीं हुआ है बल्कि जल चक्र गड़बड़ हुआ है। उसी को ठीक करने की जरूरत है, वृक्ष एवं जल एक दूसरे के पूरक हैं। जीवाश्म ईंधन भी हमारे पास सीमित मात्रा में हैं, उसके वैकल्पिक स्रोत पर हमें कार्य करना होगा। कालेज के प्राचार्य डा. ब्रजेश कुमार ने कहा कि भारतीय परंपरा पूरी तरह से वैज्ञानिक है हमारे ऋषि मनीषी वैज्ञानिक थे जिन्होंने धर्म एवं प्रवचनों के माध्यम से हमको बहुत सी ऐसी शिक्षा बहुत पहले दी है जिन्होंने आज का विज्ञान अभी तक खोज नहीं सका है।

प्रो. कृष्णा श्रीवास्तव ने कार्यक्रम के आयोजन के लिए बधाइयां दी। केमिकल सोसाइटी के संस्थापक डॉ. अशोक रंजन सकसेना ने सोसाइटी के उद्देश्य के बारे में बताते हुए कहा कि जो कुछ हम लेबोरेटरी में करते हैं उसे समाज के बीच ले जाएं लोगों के साथ संवाद स्थापित करें। इस अवसर पर कालेज के रसायन विज्ञान विभाग की संयोजिका डॉ. अर्चना पांडेय की पुस्तक 'तन और मन का रसायन' का विमोचन मंचासीन अतिथियों ने किया। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम की संयोजिका डॉ. दीपा श्रीवास्तव ने किया। तीन दिन के कार्यक्रम की रिपोर्ट सचिव डॉ. अभिषेक श्रीवास्तव ने प्रस्तुत की तथा संचालन डॉ. आरती गुप्ता ने किया।

कार्यक्रम में वालेंटियर के रूप में सक्रिय रहे एम.एस.सी.के छात्रों को सम्मानित भी किया गया साथ ही विभाग के शिक्षणेत्तर कर्मचारियों को भी सहयोग के लिए सम्मानित किया गया। इस

अवसर पर डॉ. अर्चना पांडेय, डॉ. रोली श्रीवास्तव, डॉ. सुनंदा दास, डॉ. संतोष श्रीवास्तव, डॉ. आरती गुप्ता, डॉ. मृदुला त्रिपाठी, डॉ. प्रवीण सिंह, डॉ. प्रवीण त्रिपाठी, डॉ. विशाल, डॉ. मोनिका सिंह, डॉ. दीपांजलि पांडेय, डॉ. अकरम अली, डॉ. अर्जिता श्रीवास्तव, डॉ. अशोक रंजन, डॉ. रंजीत कुमार, मिस हिमानी चौरसिया आदि उपस्थित रहे।



केमिकल सोसायटी एवं विज्ञान परिषद के संयुक्त तत्वावधान में "इनोवेटिव फ्रंटियर्स इन एप्लाइड साइंसेज" विषय पर तीन दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी



रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित राष्ट्रीय संगोष्ठी

## Summary report of the seminar

Topic- Human Rights Law: Prospects and Challenges

Date- 22 Feb, 2019

### ONE DAY NATIONAL SEMINAR ON HUMAN RIGHTS LAW: PROSPECTS AND CHALLENGES

ON  
22 FEBRUARY 2019

ORGANISED BY  
FACULTY OF LAW

CMP DEGREE COLLEGE, UNIVERSITY OF ALLAHABAD,  
PRAYAGRAJ

#### THEME OF THE SEMINAR:

Human Rights are those minimal rights which every individual must have against the State or other public authority by virtue of his being a 'member of the human family' irrespective of any other consideration. Our country was one of the original signatories to the International Covenant on Civil and Political Rights and therefore the framers of Indian Constitution were influenced by the concept of human right and recognized as well as guaranteed most of the human rights which were subsequently embodied in the International Covenant 1966. The Constitution of Independent India came into force on 26th January 1950. The impact of the Universal Declaration of Human Rights on drafting part III of the Constitution is apparent. India has acceded to the Universal Declaration of Human Rights as well as to the subsequent International Covenants of Economic, Social and Cultural rights and Civil & Political Rights adopted by the General Assembly of the United Nations.

National Seminar on Human Rights Law will act as a platform for students and other intellectuals from all over the country to come together and discuss various measures to be taken to eliminate discrimination of various forms that is prevailing in present scenario. It is rightly said that no one can change the world in one day but everyone can do their part. This is a small initiative from our side to make world a better place to live in.

#### SUB THEMES:

#### SESSION 1: HUMAN RIGHTS OF SOCIAL GROUPS

- LGBT Rights
- Women's Right
- Child Rights

The Seminar was held on 22 February 2019, the Special invitees were Prof. S.C. Roy CNLU, Patna, he was the key note speaker of the seminar, Prof. Siddh Nath, Head and Dean, Faculty of Law, University of Allahabad, Prayagraj and Dr. Murari Verma, Meerut College, Meerut was the special speaker of the inaugural session. The seminar was distributed in three sessions. First technical session was titled “human rights of social groups.” Chairpersons of the session were Dr Rahul Bisariya, Associate Professor, Allahabad Degree College, Prayagraj and Mr. Abhishek Kumar, Assistant Professor, University of Allahabad, Prayagraj. Second technical session was titled “human rights and persons with disabilities.” Chairpersons of the session were Dr Hanuman Prasad, Retired Associate Professor of CMP Degree College, Prayagraj and Dr Ajay Kumar Singh, Assistant Professor, University of Allahabad, Prayagraj. Third technical session was titled “redressal of human rights violation” Chairpersons of the session were Dr. Murari Verma, Associate Professor, Meerut College, Meerut. And Mr. Haribansh Singh, Assistant Professor, University of Allahabad.

It is rightly said that no one can change the world in one day but everyone can do their part. This is a small initiative from our side to make world a better place to live in. The laws and policies of a country can appear to protect human rights but be used in a way that create inequality and actually violate the human rights. This means that the laws of a country must be reviewed and compared to international standards to make clear what impact the laws are having on the rights of their citizens. Legal cases and decisions are just as important as the written laws of a country - regardless of what a law says, what matters is how it is interpreted. The Seminar proposed that an international web site be created that would contain important legal cases from international courts and the courts of individual countries. All cases would be compared to international human rights standards and norms. The web site would also have a user friendly guide to international human rights laws and standards. Individual countries would be responsible for their own web sites which would report cases from their country. This would likely be done by each country's ministry of justice or by other organizations like law schools or human rights bodies. The international web site, which would be a collection of all national sites, would be run by the UN's Office of the High Commissioner for Human Rights.

Seminar participants recognized that there are already many groups that are involved in this sort of review (for example, university departments, social policy agencies and human rights organizations). It was suggested that the expertise and resources of these groups be more focused on human rights issues. Information collected relating to human rights issues could be separately documented and made available in a form that others can understand and share.





Image:- At the seminar on Human Rights Law: Prospects and Challenges, Date- 22 feb 2019



Image:- At the seminar on Human Rights Law: Prospects and Challenges, Date- 22 feb 2019

**2020**

**Summary report of the seminar**

**Topic- Child Rights- Issues and Challenges**

**Date- 29 Feb, 2020**

**Organizer**  
**DEPARTMENT OF LAW**  
Chaudhary Mahadev Prasad Degree  
College, Prayagraj  
(A Constituent College of  
University of Allahabad)  
12/4-Kamla Nehru Road,  
Prayagraj-211002

**Important Dates**  
Last date for submission of Abstract:  
18/02/2020 and last date for submission of  
full papers: 28/02/2020 (Times New Roman  
Font size 12, 1.5 line spacing/Kruti dev 010,  
15, 1.5 line spacing in justified format) Please  
send the abstract and the papers through e-  
mail to [crseminarfeb20@gmail.com](mailto:crseminarfeb20@gmail.com)

**ONE DAY NATIONAL SEMINAR**  
**ON**  
**CHILD RIGHTS-ISSUES**  
**AND CHALLENGES**  
**FEBRUARY 29, 2020**

**Hon'ble Ch. Jeetendra Nath Singh**  
Patron/(President, Kayastha Pathshala)

**Dr. Brijesu Kumar**  
Principal, C.M.P. Degree College,  
Prayagraj

**Prof. R.K. Chaubey**  
Dean, Faculty of Law, University of  
Allahabad

**Dr. Shiv Shankar Singh**  
Head/Convenor, Faculty of Law,  
C.M.P. College, Prayagraj.

**Organizing Secretary**  
**Dr A. P. Singh**  
Faculty of Law C.M.P Degree College,  
Prayagraj



**Registration Fee**  
Student/Research Scholars : Rs. 250/-  
Faculty Members/Academicians : Rs. 500/-

**Payment Mode**  
The registration fee can be paid through cash  
mode only.

**For further correspondence**  
Mr. Ashok Kumar 8881697535  
Mr. Gaurv Patel 9648882727  
Mr. R.D. Kishor 9506247047

**Venue**  
Moot Court Hall, CMP Degree, College

**Organized by**  
**Department of Law**  
**CMP D.C. Prayagraj**



The Seminar was held on 29 February 2020, the Special invitees were Ms. Smriti Shukla Executive Director Swadharm Human Care Foundation and Veer Mayank, Assistant Professor Central University Tripura. The Chief Guest was Professor D.N.N.S. Yadav. The seminar was distributed in two sessions. First technical session was titled "Constitutional perspective on protection of rights of child". Chairpersons of the session were Dr Q.M. Usmaan, Associate Professor Jamia Milia Islamia University, New Delhi and Dr. Krishna Murari, Asstt. Professor, Campus Law Centre 1, University Of Delhi Dr R.K. Singh, Associate Professor, Shimla University Shimla Dr. R.P. Gangwar, Associate Professor, C.M.P. Degree College.

Second Session titled "Emerging Issues and Statutory Protection Regarding Rights Of Child". Chairpersons of The Session Were Dr. Yogesh Kumar Mishra Professor, B.B.M. P.G. College, Bharwari, Kaushambi Prof. Sanghsen Singh, Professor Shyama Prasad Mukherji Degree College And Prof. Sapna Chodhary, Professor, Prayag Mahila Vidhyapeeth. Prayagraj Dr. S.K. Singh T.D. College, Jaunpur Lastly the Vote Of Thanks was delivered by Dr. Ajay Pratap Singh.

The Seminar was focused on the right of Child and concluded on importance that Children are part of an unparalleled effort to establish and maintain a global community based upon universal but evolving standards of human decency, morality and dignity and welfare for children. There are a wide range of laws that guarantee children their rights and entitlement as provided in the Constitution and in the UN Convention of the Rights of their Child. As part of the various plans numerous programmes have been launched by the government for development of Child rights such as Integrated Child Development Scheme (ICDS), Nutrition Component of Prime Minister Gramodya Yojana, Nutrition Programme for children viz. for Adolescent Girls, Reproductive and Child Health Programme, Pulse Polio Immunization Programme, Sarva Shiksha Abhiyan, National Programme for education of girls at elementary level, Mid-day meal scheme Juvenile justice programme, Scheme for working children, An Integrated Programme for Street Children – Child line Services, The National Rural Health Mission (2005- 12), National Child Labour Projects (NCLP). Prime Minister Narendra Modi launched a small deposit scheme for girl child, as part of the 'Beti Bachao Beti Padhao' campaign etc.

In this seminar we have proposed to study as to what extent the International treaties adopted by States and whether various schemes taken by governments, international organizations/institutions, agencies non-governmental organizations are serving to the real beneficiaries or not? We have also planned to examine whether the welfare scheme made for them have benefited the children or not? If benefited what changes in their status have been brought about into and the requirements of the children which they need for their altogether development.



Image:- At National Seminar on the topic Child Rights- Issues and Challenges  
Date- 29 Feb, 2020



Image:- At National Seminar on the topic Child Rights- Issues and Challenges  
Date- 29 Feb, 2020

**NATIONAL WEBINAR  
ON  
INSIGHTS INTO FUNDAMENTALS OF CHEMISTRY**  
18<sup>th</sup>-20<sup>th</sup> June 2020

Organized by  
**DEPARTMENT OF CHEMISTRY  
C.M.P. DEGREE COLLEGE**  
(A Constituent PG College of University of Allahabad)  
PRAYAGRAJ  
Platform: **ZOOM**

(The webinar will also be broadcast live on YouTube and Facebook.  
Meeting links will be sent to registered participants on 17<sup>th</sup> June 2020.  
E-certificates of participation will be issued after the completion of the webinar).

**No registration fee.**  
**REGISTRATION LINK:**  
<https://forms.gle/u39ZXWnDSmrt38fD6>  
**Last Date for Registration: 16<sup>th</sup> June 2020**

**ORGANIZING COMMITTEE:**

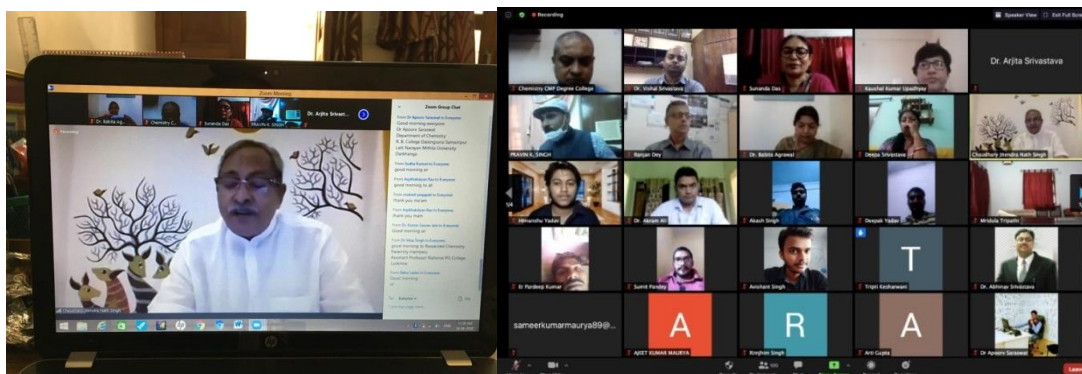
Chief Patron: Ch. Jitendra Nath Singh, President, K.P. Trust, Prayagraj  
Patron: Dr. Brijesh Kumar, Principal, CMP Degree College, Prayagraj  
Chairperson: Dr. Sunanda Das, Convener, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj  
Advisory Committee: Dr. Anil K. Shukla; Dr. Archana Pandey; Dr. Babita Agrawal; Dr. Roli Srivastava; Dr. Arvi Gupta; Dr. Santosh K. Srivastava; Dr. Mridula Tripathi  
Event Convener: Dr. Pravin K. Singh  
Event Coordinator: Dr. Vishal Srivastava  
Organizing Secretaries: Dr. Akram Ali & Dr. Arjita Srivastava  
Co-Organizing Secretaries: Dr. Dharmendra K. Sahu; Dr. Monika Singh; Dr. Pramod Kumar; Dr. Deepanjali Pandey; Ms. Himani Chaurasia  
Joint Secretaries: Dr. Deepa Srivastava; Dr. Praveen Tripathi; Dr. Abhishek Srivastava; Dr. Ashok K. Ranjan; Dr. Ranjeet Kumar  
Program Officers: Dr. Punit K. Singh, College Librarian, CMP Degree College, Prayagraj & Dr. Neeta Sinha, Associate Professor, Department of Education & Convener, Library Committee, CMP Degree College, Prayagraj  
Special thanks to: Dr. Neerja Kapoor, Convener, Department of Zoology, CMP Degree College, Prayagraj

**About the webinar:**  
The whole world today is struggling with a deadly pandemic and all aspects of human life have been affected. Universities, colleges and schools across the globe have been shut down for the past few months and the academic discourses have come to a standstill. In the absence of any physical interactions, it is imperative that the scientific community continues to interact through available alternatives and involve in fruitful conversations and collaborations. This webinar is an effort to bring such academic discussions back to life. The webinar would host eminent speakers from around the country, sharing their insights into the fundamental areas of chemistry. This event would be an opportunity for students and faculty members to revisit and gain fresh insights into some very interesting topics of chemistry. Let us churn the wheels of science back into motion.

**INVITED SPEAKERS:**  
**18<sup>th</sup> JUNE 2020 (11AM-01PM)**  
**PROF. SHEKHAR SRIVASTAVA**, DEAN, SCIENCE FACULTY, UNIVERSITY OF ALLAHABAD, PRAYAGRAJ  
**PROF. I. R. SIDDIQUI**, DEPARTMENT OF CHEMISTRY, UNIVERSITY OF ALLAHABAD, PRAYAGRAJ  
**19<sup>th</sup> JUNE 2020 (11AM-01PM)**  
**PROF. JAGDAMBA SINGH**, FORMER DEAN, SCIENCE FACULTY, FORMER HEAD, DEPARTMENT OF CHEMISTRY, UNIVERSITY OF ALLAHABAD, PRAYAGRAJ  
**PROF. A.K. JAIN**, DEPARTMENT OF CHEMISTRY, D.D.U. GORAKHPUR UNIVERSITY, GORAKHPUR  
**20<sup>th</sup> JUNE 2020 (11AM-01PM)**  
**PROF. K.K. UPADHYAY**, DEPARTMENT OF CHEMISTRY, BANARAS HINDU UNIVERSITY, VARANASI  
**PROF. RANJAN DEY** (FRSC, U.K.), DEPARTMENT OF CHEMISTRY, BITS PILANI, K.K. BIRLA GOA CAMPUS

**For queries:**  
Contact- 9415283887/ 7007632189/ 9621200450/  
7007797419/9335155007  
or send your queries to  
[n.webinar20@gmail.com](mailto:n.webinar20@gmail.com)

## National Webinar On Insights Into Fundamentals Of Chemistry: 18<sup>th</sup>-20<sup>th</sup> June 2020



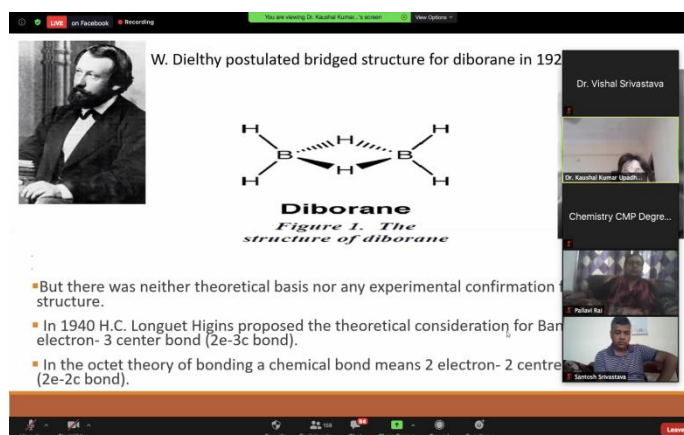
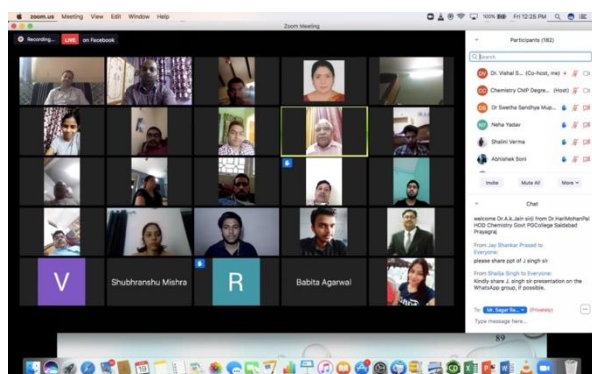
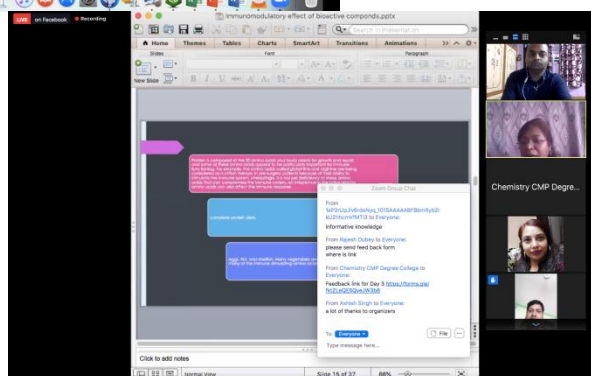
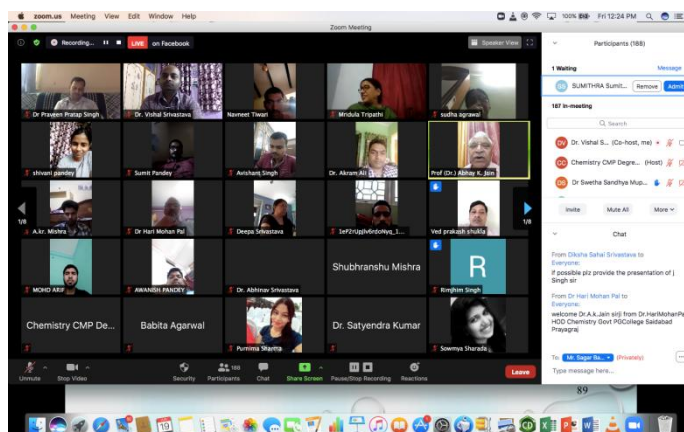
**Organized by Department Of Chemistry, C.M.P. Degree College; Platform: ZOOM**

**Fritz Haber (1868-1934)**

Nobel Prize in Chemistry  
1918 "for the synthesis of ammonia from its elements"

**NOBEL PRIZE 1918**

NH<sub>3</sub>



**Organized by Department Of Chemistry, C.M.P. Degree College; Platform: ZOOM**

### ORGANIZING COMMITTEE:

**Chief Patron: Ch. Jitendra Nath Singh**, President, K.P. Trust, Prayagraj

**Patron: Dr. Brijesh Kumar**, Principal, CMP Degree College, Prayagraj

**Chairperson: Dr. Sunanda Das**, Convener, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**Advisory Committee:**

**Dr. Anil K. Shukla**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; **Dr. Archana Pandey**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; **Dr. Babita Agrawal**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; **Dr. Roli Srivastava**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; **Dr. Arti Gupta**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; **Dr. Santosh K. Srivastava**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; **Dr. Mridula Tripathi**, Associate Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**Event Convener:** Dr. Pravin K. Singh, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**Event Coordinator:** Dr. Vishal Srivastava, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**Organizing Secretaries:**

Dr. Akram Ali, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj  
& Dr. Arjita Srivastava, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**Co-Organizing Secretaries:**

Dr. Dharmendra K. Sahu, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj;  
Dr. Monika Singh, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Dr. Pramod Kumar, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Dr. Deepanjali Pandey, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Ms. Himani Chaurasia, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**Joint Secretaries:** Dr. Deepa Srivastava, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Dr. Praveen Tripathi, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Dr. Abhishek Srivastava, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Dr. Ashok K. Ranjan, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj; Dr. Ranjeet Kumar, Assistant Professor, Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj.

**Program Officers:** Dr. Punit K. Singh, College Librarian, CMP Degree College, Prayagraj & Dr. Neeta Sinha, Associate Professor, Department of Education & Convener, Library Committee, CMP Degree College, Prayagraj

**Technical Assistance:** Dr. Neerja Kapoor, Convener, Department of Zoology, CMP Degree College, Prayagraj.

2021

**Department of Chemistry**  
**C.M.P. College, Prayagraj**  
(A Constituent P. G. College of University of Allahabad)

Under the aegis of DBT STAR College Scheme  
is going to organize a  
National Webinar on  
**CHEMISTRY:  
PROSPECTS  
AND OPPORTUNITIES  
IN EVERYDAY LIFE**

05 Dec. 2021- 06 Dec. 2021; Time: 11 AM to 1.00 PM

**Convener:**  
Dr. Sumanda Das  
Dr. Pravin Kumar Singh

**Organizing Secretaries:**  
Dr. Vishal Srivastava  
Dr. Ranjeet Kumar

**Coordinator:**  
Dr. Archans Pandey

**Coordinator, DBT Star college:**  
Dr. Sarita Srivastava

**Chief Patron:**  
Ch. Jitendra Nath Singh  
President, KP Trust Prayagraj

**Patron:**  
Dr. Brijesh Kumar  
Principal CMP College

**Advisory Board**

Dr. Anil K. Shukla	Dr. Dharmendra K. Sahu
Dr. Bibita Agrawal	Dr. Monika Singh
Dr. Santosh K. Srivastava	Dr. Pramod Kumar
Dr. Arni Gupta	Dr. Ashok K. Ranjan
Dr. Mridula Tripathi	Dr. Deepanjali Pandey
Dr. Deepa Srivastava	Dr. Akram Ali
Dr. Praveen Tripathi	Dr. Himani Chaurasia

**Speakers**

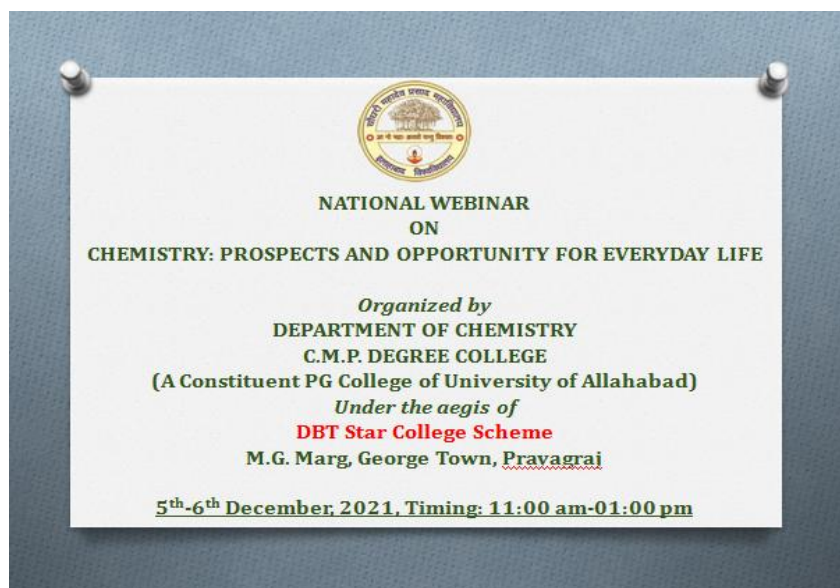
Dr. Kirpa Ram  
Institute of Environment & Sustainable Development  
Banaras Hindu University  
Varanasi

Dr. Jay Singh  
Department of Chemistry  
Institute of Science  
Banaras Hindu University  
Varanasi

Dr. Divya Bhatia  
Department of Chemistry  
UC R Nairi, Prayagraj

Dr. Piyush K. Soukar  
Department of Chemistry  
MIV, Banaras Hindu  
University, Varanasi


Link for Registration



05<sup>th</sup> December, 2021  
TECHNICAL SESSION-I

Session Host: Dr. Vishal Srivastava, (Organizing Secretary), Assistant Professor  
Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**INVITED SPEAKER**




**11:00 am -11:50 am**  
Dr. Kirpa Ram  
Assistant Professor  
Institute of Environment and Sustainable Development  
Banaras Hindu University, Varanasi  
Topic- Application of Chemistry for solving environmental and climate change issues

05<sup>th</sup> December, 2021  
TECHNICAL SESSION-II

Session Host: Dr. Mridula Tripathi, Associate Professor,  
Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**INVITED SPEAKER**



**11:55 am -12:45 pm**  
Dr. Jay Singh  
Department of Chemistry, Institute of Science,  
B.H.U., Varanasi  
Topic- Nanomaterials for Bio-sensing Applications

06<sup>th</sup> December, 2021  
TECHNICAL SESSION-I

Session Host: Dr. Pravin Kumar Singh, (Convener), Assistant Professor  
Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**INVITED SPEAKER**



**11:00 am -11:50 am**  
Dr. Divya Bararia  
Department of Chemistry, UCER, Prayagraj  
Topic-Chemistry, Career and Life: Prospects and Opportunities

06<sup>th</sup> December, 2021  
TECHNICAL SESSION-II

Session Host: Dr. Arti Gupta, Associate Professor,  
Department of Chemistry, CMP Degree College, Prayagraj

**INVITED SPEAKER**

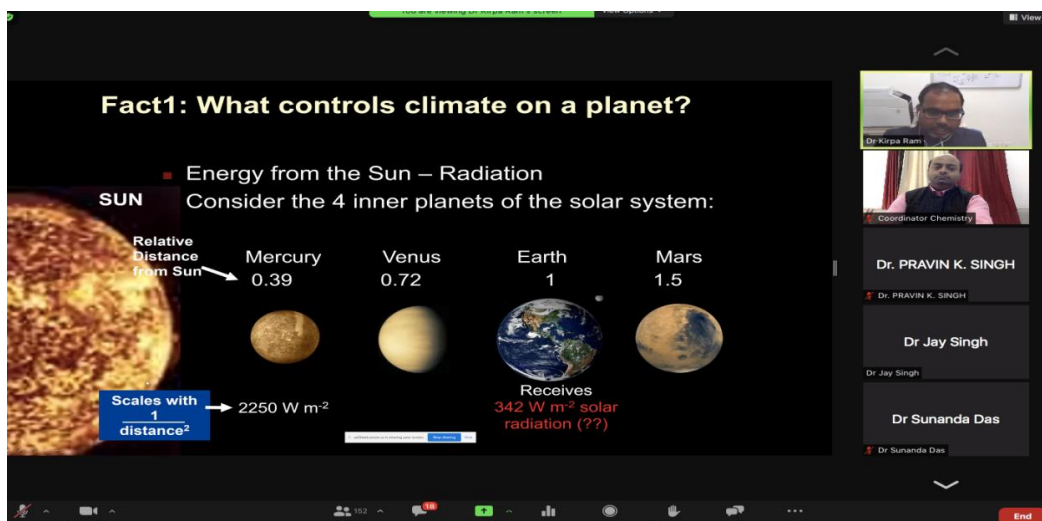
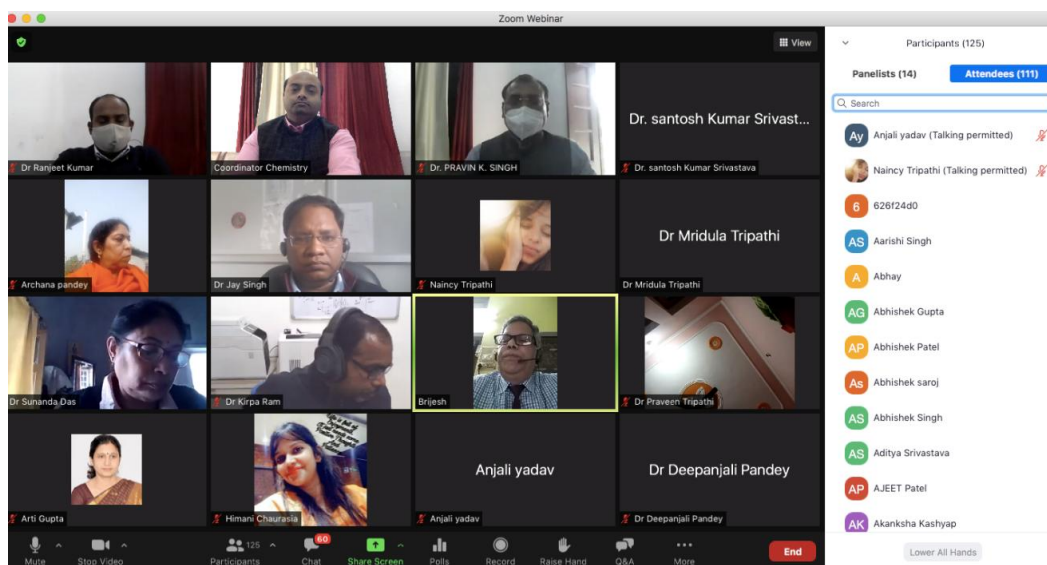


**11:55 am -12:45 pm**  
Dr. Pivush K. Sonkar  
Department of Chemistry, MMV, Banaras Hindu  
University  
Topic-Research Career opportunities and Internship  
for Science Graduates

A two days National Webinar was organized by Chemistry Department, CMP on “CHEMISTRY: PROSPECTS AND OPPORTUNITY FOR EVERYDAY LIFE” on 5<sup>th</sup>-6<sup>th</sup> Dec. 2021 in CMP Degree College under the aegis of DBT Star College Scheme using Zoom platform. Dr. Brijesh Kumar principal of CMP Degree College presided over the seminar as and delivered the inaugural lecture. On first day of webinar there was two technical sessions. In first technical session the invited speaker was Dr. Kirpa Ram, Assistant Professor, Institute of Environment and Sustainable Development, Banaras Hindu University, Varanasi. He has delivered his lecture on “*Application of Chemistry for solving environmental and climate change issues*” and this technical session was hosted by Dr. Vishal Srivastava, Organizing Secretary of



webinar. In the second technical session the invited speaker was Dr. Jay Singh, Department of Chemistry, Institute of Science, B.H.U., Varanasi. He has delivered his lecture on “*Nanomaterials for Bio-sensing Applications*” and this technical session was hosted by Dr. Mridula Tripathi, Associate Professor, Department of Chemistry, C.M.P. Degree College, Prayagraj.



### On Day One Online Lecture Delivers by Our Technical Experts

On second day of webinar, there was also two technical sessions. In first technical session the invited speaker was Dr. Divya Bartaria, Department of Chemistry, United College of Engineering and Research (UCER), Prayagraj. She has delivered her lecture on “Chemistry, Career and Life: Prospects and Opportunities” and this session was hosted by Dr. Pravin Kumar Singh, Convener of this webinar. In the second technical session the invited speaker was Dr. Piyush Kumar Sonkar, MMV, Banaras Hindu University. He has delivered lecture on “Research Career opportunities and Internship for Science Graduates” and this technical session was hosted by Dr. Arti Gupta, Associate Professor, Department of Chemistry, C.M.P. Degree College, Prayagraj.

**Key Takeaways:**  
**Chemical Reactions in Everyday Life**

- Chemical reactions are common in daily life, but we may not recognize them.
- Look for signs of a reaction. Chemical reactions often involve color changes, temperature changes, gas production, or precipitant formation.
- Simple examples of everyday reactions include digestion, combustion, and cooking.

**Fellowships & Scholarships in Abroad for UG, PG, Research and Post Doctoral Scholars**

- Commonwealth Scholarship and Fellowship
- Chevening Scholarships
- Vice Chancellors International Scholarships
- Rhodes Scholarships
- Inlaks Shivdasani Foundation Scholarships
- Erasmus Mundus Scholarships
- Felix Scholarships
- Fulbright-Nehru Fellowships
- Chinese Government Scholarships
- UBC International Leader of Tomorrow Award
- Australian Awards Scholarship
- Australian Embassy Fully Funded Scholarships
- University of Melbourne Scholarships
- Adelaide Scholarships International (ASI)
- JSPS PDF Fellowship, Japan
- AvH Fellowship, Germany
- DAAD Bridge Fellowship, Germany
- IEF Marie Curie Fellowship

## On Day Two Online Lecture Delivers by Our Technical Experts

This webinar was attended by 275 participants and distinguished faculty members of CMP Degree College including Dr. Babita Agarwal, Dr. Archana Pandey and Dr A.K. Shukla, Associate Professor, Department of Chemistry, C.M.P. Degree College, Prayagraj.

Dr. Sunanda Das and Dr. Pravin Kumar Singh served as the convener whereas Dr. Vishal Srivastava and Dr. Ranjeet Kumar served as the organizing secretary of the programme. Formal Vote of thanks was given by Dr. Santosh Kumar Srivastava, Associate Professor, Department of Chemistry, C.M.P. Degree College, Prayagraj.

The poster features the logo of Chaudhary Mahadeo Prasad Degree College at the top left. The main text is centered and reads: "One day online seminar under DBT STAR college scheme on Hands On Experiments For Undergraduate Physics on 16 November 2021 at Department of Physics, CMP Degree College University of Allahabad Prayagraj". Below this, under the heading "Our Speakers", are four portraits of the speakers with their names and affiliations: Prof. Bal Krishna Agrawal (Department of Physics, University of Allahabad, Prayagraj), Prof. H. C. Verma (Department of Physics, IIT Kanpur, Kanpur), Prof. Neeraj Mehta (Department of Physics, Banaras Hindu University, Varanasi), and Dr. Jitendra Kumar Mishra (Department of Physics, University of Rajasthan, Jaipur). The background of the poster shows a large, classical building with domes, likely the main building of the University of Allahabad.

### **Report One-day Online Seminar on 16/11/ 2021:**

The Department of Physics, C.M.P. Degree College organised a One Day Online Seminar on "Hands on experiments for undergraduate physics" on 16/11/ 2021. The keynote address was given by Prof BK Agrawal, FNA, Department of Physics, University of Allahabad . He emphasized the importance of labs in physics teaching. The seminar was also addressed by Padamshree Prof. HC Verma, IIT Kanpur, who explained the interesting facts of Rutherford scattering experiments. Prof Neeraj Mehta, BHU, explained the magic of science, and Dr Jitendra

Kumar Mishra, University of Rajasthan, explained the applications of GaN Semiconductors. Ch. Jitendra Nath, President, KP trust, the chief patron of the seminar, and Dr. Brijesh Kumar, principal, patron of the seminar also gave the blessings for the seminar.

In the morning, Dr Rekha Srivastava, Convener, Physics Department welcomed the guests and students, and Dr Gyan Prakash, the convener of the seminar, explained the theme of the seminar. Dr Sarita Srivastava, Coordinator DBT star College scheme, explained about DBT star College scheme under the aegis of which this seminar was organised. Dr Sangeeta Singh, co-convenor, compared the whole program. Dr. Rakesh Kumar, Dr HC Yadav and Dr RK Yadav gave the vote of thanks. Dr HP Bhaskar, secretary, Dr.AK Yadav, Dr Rohit Kumar, co-convenor and Dr Atul Singh by Bharadwaj, secretary, gave the technical support.

The seminar was well attended and appreciated by the students and the faculty members of the college.

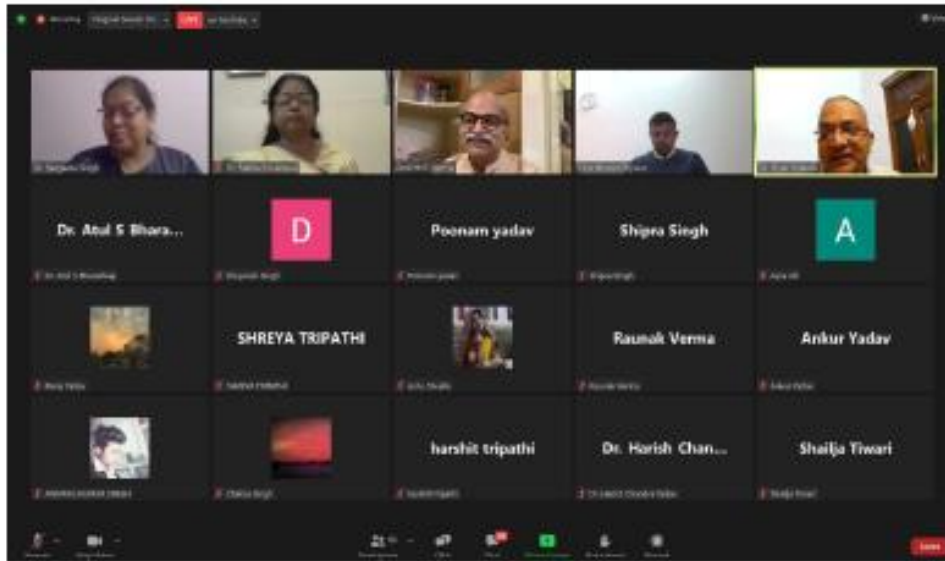


Figure:1 Glimpses of online seminar



गया। इसके पश्चात कायस्थ पाठशाला और महाविद्यालय के शासी निकाय के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह जी ने अतिथियों का स्वागत करते हुए विश्वविद्यालय से महाविद्यालय को और भी अधिक सहयोग की अपेक्षा की। कॉलेज के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे जी ने बताया कि पांडुलिपियों की अपनी दुनिया होती है मनुष्य ने सबसे पहले लेखन की शुरुआत भोजपत्रों, ताम्रपत्रों, आदि पर लेखन द्वारा की। इसके साथ ही उन्होंने महाविद्यालय में कुछ नए कार्यक्रमों और योजनाओं की भी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि तृतीय और चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के बच्चों की सेल्फ फाइनेंस फीस में 50% की छूट प्रदान करना और आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों के लिए अर्न हवाइल यू लर्न योजना इस वर्ष महाविद्यालय के द्वारा शुरू की गई है। विशिष्ट अतिथि अधिष्ठाता, महाविद्यालय विकास, प्रो पंकज कुमार जी ने कहा कि कुलपति के रहते हुए यह विश्वविद्यालय नया कीर्तिमान स्थापित कर रहा है और कॉलेज के विकास में पूर्ण सहयोग प्रदान करने में अपनी सहमति व्यक्त की। एडीजीपी, प्रयागराज श्री प्रेम प्रकाश जी ने कहा की इलाहाबाद विश्वविद्यालय का योगदान समाज के सभी क्षेत्रों में देखा जा सकता है और कहा कि दुर्लभ पांडुलिपियों का अपना एक महत्वपूर्ण स्थान होता है पर यह पांडुलिपियां बहुत दिनों तक सुरक्षित नहीं रह पाएंगी इसलिए हम सबको मिलकर इस विरासत और संस्कृति को सुरक्षित करना पड़ेगा।

मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विकास और वैश्विक शैक्षिक मंच पर उसकी पुनर्प्रतिष्ठा के प्रयासों से अवगत कराया और कहा कि सभी संघटक महाविद्यालय इस प्रयास के सहगामी बनें तो निश्चित रूप से हम शिखर पर होंगे। उन्होंने पाण्डुलिपियों की विकास यात्रा और उसके संरक्षण के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि भारतीय संस्कृति की विविधता और उदात्त परम्परा का सार इन्हीं में संग्रहीत है। साथ ही उन्होंने यह भी बताया कि जो योजनाएं महाविद्यालय विकास से संबंधित हैं वे उस पर पूरी सहृदयता से कार्य कर रही है और शीघ्र ही हैं प्रोफेसरशिप में प्रमोशन, आदि कार्यों को भी पूरा कर लिया जाएगा।

कार्यक्रम की अगली शृंखला में महाविद्यालय की प्राचीन इतिहास विभाग की संयोजक डॉ अर्चना श्रीवास्तव ने कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव के अभिनंदन पत्र को पढ़ा जो कि पूर्व प्राचार्य डॉ

आनंद कुमार श्रीवास्तव जी के द्वारा लिखा गया था। कार्यक्रम के अंत में डॉ. भूपेंद्र कुमार तथा वंदना माथुर द्वारा माननीय कुलपति को प्रशस्ति पत्र भेंट किया गया। उप-प्राचार्य डॉ नीता सिन्हा तथा डॉ सरोज सिंह द्वारा कुलपति को शाल एवं डॉ सत्यमवदा सिंह और डॉ एस पी सिंह द्वारा स्मृति चिह्न भेंट किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ गोविन्द गौरव और डॉ रितु रघुवंशी ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन डॉ भावना चौहान ने किया। इस कार्यक्रम में शासी निकाय के पूर्व अध्यक्ष चौधरी राघवेंद्र नाथ सिंह, पूर्व प्राचार्य डॉ आनंद कुमार श्रीवास्तव, डॉ बृजेश कुमार सहित विभिन्न महाविद्यालयों के प्राचार्य प्रो आनंद शंकर सिंह, प्रो अतुल सिंह, प्रो अनजान जी, प्रो रंजन जी तथा प्रो लालिमा सिंह समेत विधविद्यालये के वरिष्ठ प्रोफेसर और कायस्थ पाठशाला के सदस्य भी उपस्थित रहे। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों, कर्मचारियों सहित एन एस एस और एन सी सी के विद्यार्थियों और शोध छात्र-छात्राओं की भी सक्रिय उपस्थिति एवं सहयोग रहा।



सी एम पी डिग्री कॉलेज में दिनांक 21 नवंबर 2022 को दुर्लभ पांडुलिपि प्रदर्शनी का उद्घाटन इलाहाबाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रोफेसर संगीता श्रीवास्तव जी द्वारा किया गया





कॉलेज के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे जी ने महाविद्यालय में कुछ नए कार्यक्रमों और योजनाओं की भी जानकारी दी



मुख्य अतिथि इलाहाबाद विश्वविद्यालय की माननीय कुलपति प्रो संगीता श्रीवास्तव ने अपने सम्बोधन में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के विकास और वैश्विक शैक्षिक मंच पर उसकी पुनर्प्रतिष्ठा के प्रयासों से अवगत कराया





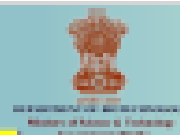


# DBT FEST C.M.P. COLLEGE

(A Constituent P. O. College of University of Allahabad)

Funded By

DBT STAR COLLEGE SCHEME, DBT, MHRD, New Delhi



## विज्ञान संगम

### INVITATION

You are cordially invited to attend the Inaugural day program on  
17<sup>th</sup> January 2022; at 11:00 AM on **Zoom platform**

<https://us02web.zoom.us/j/89538502842?pwd=SEk3Mk9hUkRlYUJlUk52M0Y5UkZlYm9kdz09>  
Webinar id:89538502842; pass:code:17012022

Invited Talk on

**"Inorganic Chemistry of Biological Processes"**

Guest Speaker

**Prof. R. N. Mukherjee**

Former Head, Department of Chemistry, IIT Kanpur  
Former Director, IISER Kolkata

Chief Guest

**Dr. Garima Gupta**

Scientist F, Program Officer  
DBT Star College Scheme, Department of Biotechnology  
Ministry of Human Resource and Development, New Delhi

Chief Patron

Ch. Jitendra Nath Singh  
Chairman, Governing Body

Patron

Dr. Brijesh Kumar, Principal  
Chairman, DBT Star College Project

DBT Co-Coordinator

Dr. Rakesh Kumar  
Department of Physics

DBT Coordinator

Dr. Sarita Srivastava  
Department of Botany

Jointly Organised by

Departments of Botany, Zoology, Physics and Chemistry  
Chaudhary Mahadeo Prasad College, Prayagraj

<b>Executive Committee</b>			
<b>Dr. Sarita Srivastava</b> Coordinator, DBT Star College, Scheme		<b>Dr. Rakesh Kumar</b> Co-Coordinator, DBT Star College, Scheme	
<b>Dr. Sanjay Singh</b> Convener Department of Botany		<b>Dr. Vineeta Jaiswal</b> Convener Department of Zoology	
<b>Dr. Sunanda Das</b> Convener Department of Chemistry		<b>Dr. Nilesh Kumar Rai</b> Convener Department of Physics	
<b>Organizing Secretaries</b>			
<b>Dr. Avinash Pratap Singh</b>	<b>Dr. Sangeeta Singh</b>	<b>Dr. Charu Tripathi</b>	
<b>Dr. Pallavi Rai</b>	<b>Dr. Atul Singh Bharadwaj</b>	<b>Dr. Vishal Srivastava</b>	
<b>Dr. Neha Pandey</b>	<b>Dr. Manoj Kumar Jaiswal</b>	<b>Dr. Akram Ali</b>	
<b>Dr. Rohit Kumar</b>	<b>Dr. Ashish Kumar Mishra</b>	<b>Dr. Ranjeet Kumar</b>	
		<b>Dr. Himani Chaurasia</b>	
<b>Advisory Board</b>			
<b>Dr. Anil Kr. Shukla</b>	<b>Dr. Monika Singh</b>	<b>Dr. Manju Srivastava</b>	<b>Dr. Vandana Mathur</b>
<b>Dr. Archana Pandey</b>	<b>Dr. Pramod Kumar</b>	<b>Dr. Meena Rai</b>	<b>Dr. Neerja Kapoor</b>
<b>Dr. Babita Agrawal</b>	<b>Dr. Ashok Kr. Ranjan</b>	<b>Dr. Amita Pandey</b>	<b>Dr. Uma Rani Agrawal</b>
<b>Dr. Santosh Kr. Srivastava</b>	<b>Dr. Deepanjali Pandey</b>	<b>Dr. Kirti Raje Singh</b>	<b>Dr. Sudhi Srivastava</b>
<b>Dr. Arti Gupta</b>	<b>Dr. Gyan Prakash</b>	<b>Dr. Alok Kumar Singh</b>	<b>Dr. Hemlata Pant</b>
<b>Dr. Mridula Tripathi</b>	<b>Dr. Rekha Srivastava</b>	<b>Dr. Anita Singh</b>	<b>Dr. Jyoti Verma</b>
<b>Dr. Deepa Srivastava</b>	<b>Dr. Ajay Kumar Yadav</b>	<b>Dr. Prateek Srivastava</b>	<b>Dr. Vinay Kumar Singh</b>
<b>Dr. Praveen Tripathi</b>	<b>Dr. Harish Chandra Yadav</b>	<b>Dr. Vijay Pratap Singh</b>	<b>Dr. Nidhi Tripathi</b>
<b>Dr. Pravin Kr. Singh</b>	<b>Dr. Hari Pratap Bhasker</b>	<b>Dr. Deepak K Gond</b>	<b>Dr. Ajeet Kumar Singh</b>
<b>Dr. Dharmendra Kr. Sahu</b>	<b>Dr. Rajesh Kumar Yadav</b>	<b>Dr. Yashwant Kumar</b>	<b>Dr. Anuradha</b>
<b>Jointly Organised by:</b>			
<b>Departments of Botany, Zoology, Physics and Chemistry</b>			
Chaudhary Mahadeo Prasad Degree College, Prayagraj			

An invited e-lecture was organized by Chemistry Department, CMP in a four day intercollegiate DBT Fest – "VigyanSangam" on 17<sup>th</sup> Jan. 2022 in CMP Degree College under the aegis of DBT Star College Scheme, using Zoom platform. In the inaugural day of this four day intercollegiate DBT Fest – "VigyanSangam", a lecture was delivered by Prof R. N. Mukherjee, Former Head, Department of Chemistry, IIT Kanpur, Former Director, IISER Kolkata. The topic of his lecture was "Inorganic Chemistry of Biological Processes." He discussed photosynthesis and respiration in his lecture. During his lecture he explained the role of haemoglobin and chlorophyll in respiration and photosynthesis respectively. He also discussed the role of cytochrome and carbonic Anhydrase enzyme. The inaugural session was started with good wishes and welcome speech by Dr. Brijesh Kumar, Principal, C.M.P. degree College. On this occasion Dr Sunanda Das, Convener, Department of Chemistry, C.M.P. Degree College has introduced the speaker. Dr Santosh Kumar Srivastava was present as rapporteur and also given vote of thanks. In this event C.M.P. College DBT coordinator Dr.Sarita Srivastava, Dr. Babita Agarwal, Dr Archana Pandey, Dr. Mridula Tripathi, Department of Chemistry, DBT Departmental Coordinator Dr. Vishal Srivastava, Dr. Pravin Kumar Singh, Dr. Akram Ali, Dr. Ranjeet Kumar, Dr. Himani Chaurasia, Dr Deepanjali Pandey, Dr. Monika Singh, Dr. Pramod

Kumar were present at the event. Many faculties of CMP and other adjoining colleges as well as students attended the session.



**An invited e-lecture was organized by Chemistry Department, CMP in a four day intercollegiate DBT Fest – "VigyanSangam" on 17<sup>th</sup> Jan. 2022**



Government of India  
Ministry of Commerce and Industry  
Department for Promotion of Industry and Internal Trade  
Office of the Controller General of Patents, Designs and Trade Marks

## CERTIFICATE OF APPRECIATION

*Presented to*

**CMP DEGREE COLLEGE, UNIVERSITY OF  
ALLAHABAD, PRAYAGRAJ, U.P.**

*In recognition of active participation in the **National Intellectual Property Awareness Mission (NIPAM)** launched by the Government of India on the occasion of the 75th anniversary of independence under the banner "Azadi Ka Amrit Mahotsav" to create widespread awareness on Intellectual Property Rights (IPR). The exceptional contribution in successfully organizing the awareness programme on **March 12, 2022** in association with **Intellectual Property Office, Delhi** by providing your valuable time and support is highly appreciated.*

*Solicit your continued support for outreach of IPR far and wide.*

Date: March 14, 2022



  
(RAJENDRA RATNOO, IAS)  
CONTROLLER GENERAL OF  
PATENTS, DESIGNS & TRADE MARKS



## Report One Day Webinar on 'Intellectual Property Rights'

**Siddharth Agrawal**  
**Research Scholar**

---

One day webinar on '**Intellectual property rights**' was organised by Department of Chemistry, CMP Degree College on March 12, 2022 in collaboration with National Intellectual property office, under the National Intellectual property Awareness Mission (NIPAM) launched by the government of India on the occasion of the 75<sup>th</sup> anniversary of independence under the banner 'Azadi ka Amrit Mahotsav' to create widespread awareness on intellectual property rights (IPR).

The event was inaugurated by Dr. Brijesh Kumar, Principal CMP Degree College, he emphasised that such webinar is very useful for our faculty members and research scholars.

The welcome address and introduction of speaker Mr. Mohammad Atiquallah was given by Programme Co-ordinator and Convener of Chemistry Department Dr. Babita Agrawal.

Mr. Atiquallah is assistant Controller of Patents and Designs at Indian Patent Office (IPO), Delhi. He discussed about property, Intellectual property, its importance and significance and why the protection of IPR is important. Mr. Atiquallah had introduce the vision of NIPAM (National Intellectual Property Awareness Mission) to our participants of webinar. He elaborated about patent and patent filling in India and carrier opportunities in this field. He also discussed about rights of authors of copyrighted works and their Economic and Moral rights. Mr. Atiquallah explained GI tag, trademarks and design, he also examine our participants by giving some questions.

There were 300 participants attended this webinar. Participants are faculty members, PG students and research scholars of different departments. Lastly vote of thanks given by Dr. Akram Ali. All the participants got certificate of this webinar. This webinar is co-ordinated by Dr. Babita Agrawal and Dr. Akram Ali.

Zoom Meeting | You are viewing MD.ATIQULLAH's screen | View Options

MANOJ KUMAR | MD.ATIQULLAH | Dr. ASHRAF | Reddy Power | Dr. Babta Agrawal | Gagah Maurya

### Office of Controller General of Patents, Designs & Trade Marks (O/o CGPDTM)

```

graph TD
    RGNIPM[Rajiv Gandhi National Institute of Intellectual Property and Management (RGNIPM) & PIS]
    Patent[Patent Office]
    Design[Design Office]
    TM[Trade Marks Registry]
    GI[Geographical Indications Registry (GI)]
    Copyright[Copyright Registry]
    
    RGNIPM --- Patent
    RGNIPM --- Design
    RGNIPM --- TM
    RGNIPM --- GI
    RGNIPM --- Copyright
    
    Patent --- Patent_Kol[Patent Office (Head Office) Kolkata]
    Patent --- Patent_Del[Patent Office Delhi]
    Patent --- Patent_Che[Patent Office Chennai]
    Patent --- Patent_Mum[Patent Office Mumbai]
    
    Design --- Design_Kol[Design Office Kolkata]
    
    TM --- TM_Mum[Trade Marks Registry (Head Office) Mumbai]
    TM --- TM_Del[Trade Marks Registry Delhi]
    TM --- TM_Kol[Trade Marks Registry Kolkata]
    TM --- TM_Che[Trade Marks Registry Chennai]
    
    GI --- GI_Che[Geographical Indications Registry (GI) Chennai]
    
    Copyright --- Copyright_Del[Copyright Registry Delhi]
    Copyright --- SOLD[SOLD Registry]
    SOLD --- SOLD_Del[SOLD Registry Delhi]
  
```

Unmute | Stop Video | Participants | Chat | Share Screen | Record | Reactions | Leave

Type here to search | 31°C | 02:06 PM | 12-03-2022

Zoom Meeting | You are viewing MD.ATIQULLAH's screen | View Options

MANOJ KUMAR | MD.ATIQULLAH | Dr. ASHRAF | Reddy Power | Dr. Babta Agrawal | Pragati Gupta


## Career opportunities

- **Government Job**
  - Examiner of Patents and Designs
  - Examiner of Trademark and GI
  - Examiner of Copyrights
- **Others**
  - Patent Agent
  - Trademark Agent
  - JRF/SRF in Patent Facilitation Centers
  - Patent Litigation and other opportunities in private sector


Unmute | Stop Video | Participants | Chat | Share Screen | Record | Reactions | Leave

Type here to search | 29°C | 02:00 PM | 12-03-2022






**Department of Chemistry**  
**C.M.P. Degree College, Prayagraj**  
 A Constituent P.G. College of University of Allahabad



---

**National Seminar**  
 on  
**“World Water Day”**  
 Organized  
 by  
**Department of Chemistry**  
**C.M.P. Degree College**




**Date : 12<sup>th</sup> March 2022**

**Venue : Room No. 09**

**Time : 11:00 am**

### विश्व जल दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय सेमिनार ' का आयोजन

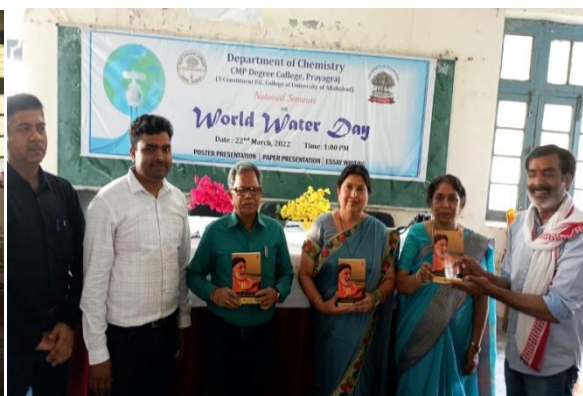
आज सी. एम. पी. डिग्री कॉलेज के रसायनशास्त्र विभाग के द्वारा विश्व जल दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय सेमिनार ' का आयोजन किया गया। सेमिनार का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ बृजेश कुमार, मुख्य वक्ता डॉ अर्चना पांडेय, डॉ बबीता अग्रवाल और डॉ संतोष श्रीवास्तव ने दीप प्रज्ज्वलित करके किया।

मुख्य वक्ता डॉ अर्चना पांडेय ने कहा कि जल पर भावनाओं का प्रभाव पड़ता है। एक प्रयोग द्वारा यह सिद्ध हुआ है की रोना, हंसना, गुस्सा होना इत्यादि का प्रभाव जल पर पड़ता है, पानी में भी जिंदगी है यह प्रयोगों द्वारा प्रमाणित है। डा बबिता अग्रवाल ने बताया कि भूगर्भ जल का जितना दोहन हो रहा है उतना हम रिचार्ज नहीं कर पा रहे हैं, आज आवश्यकता यह है कि हम वर्षाजल का संचयन करने के साथ ही जल का प्रयोग करने में संयमित रहें। पुराने बोरवेल को हम जल संचयन के रूप में प्रयोग कर सकते हैं। डॉ संतोष श्रीवास्तव ने अदृश्य जल को दृश्यमान करने की संभावनाओं पर विश्लेषण प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर गंगा सेवा मंच की तरफ से पर्यावरण और जल संरक्षण के क्षेत्र में विशेष योगदान हेतु इलाहाबाद उच्च न्यायालय के अधिवक्ता विजय द्विवेदी, प्रयागराज फाउंडेशन के अध्यक्ष शशांक शेखर पांडेय, जल योद्धा आर्य शेखर, डा अर्चना पांडेय, डां सुनंदा दास, डां अनिल कुमार

शुक्ला, डां सर्वेश सिंह, डा बबिता अग्रवाल को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर जल संरक्षण हेतु शपथ भी लिया गया। इसी कार्यक्रम की कड़ी में छात्र - छात्राओं के लिए निबंध, पोस्टर प्रेजेंटेशन एवं पेपर प्रसेंटेशन प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया और उन्हें प्रमाण पत्र व पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। डॉ ब्रजेश कुमार प्राचार्य सीएमपी डिग्री कॉलेज ने जल संरक्षण पर बल देते हुए सभी से आवाहन किया कि वह इस दिशा में सार्थक पहल व प्रयास करें। कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ बबिता अग्रवाल, धन्यवाद ज्ञापन डॉ दीपांजलि पांडेय एवं संचालन डॉ प्रमोद शर्मा ने किया।

इस अवसर पर डॉ मृदुला त्रिपाठी, डॉ दीपा श्रीवास्तव, डॉ प्रवीण सिंह, डॉ विशाल श्रीवास्तव, डॉ प्रवीण त्रिपाठी, डॉ मोनिका सिंह, डॉ अशोक रंजन, डॉ रंजीत कुमार, डॉ अकरम अली, डॉ हिमानी चौरसिया, शशांक श्रीवास्तव, रीता सहित बड़ी संख्या में छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।



सेमिनार का शुभारंभ कॉलेज के प्राचार्य डॉ ब्रजेश कुमार, मुख्य वक्ता डॉ अर्चना पांडेय, डॉ बबीता अग्रवाल और डॉ संतोष श्रीवास्तव ने दीप प्रज्वलित करके किया



विश्व जल दिवस के अवसर पर 'राष्ट्रीय सेमिनार' का आयोजन on 22 March, 2022

  
**National Seminar & Competition**  
 On  
**"Environment Conservation & Sustainable Development"**  
 April 24<sup>th</sup>, 2022



**C.M.P. Degree College**  
**University of Allahabad**  
**Prayagraj**

**About the Seminar:**

One day National Seminar and Competition on Environment Conservation and Sustainable Development will be organized by C.M.P. Degree College on 24<sup>th</sup> April, 2022.

Sustainable Development aims at promoting the kind of development that minimises environmental problems and meets the needs of the present generation without compromising the ability of the future generation to meet their own needs.

The goal of environmental sustainability is to conserve natural resources and to develop alternate sources of power while reducing pollution and harm to the environment.

Competitions are helpful for students to upgrade their skill. Students learn a lot from these events. Essay competition build up and improve the writing skill of students. Similarly, poster competition helps the students to enhance their creative and scientific skill. In the similar manner extempore speech boosts the students and give them confidence to interact with each other and develops a better understanding towards their subject knowledge.

**Only for P.G. Students and Research Scholar**

(Registration Fee: 100 Rs.)

Last date for registration : 20<sup>th</sup> April, 2022

\* Following three types of competitions will be held :

1. Essay competition – 22<sup>nd</sup> April, 2022.
2. Extempore Speech – 22<sup>nd</sup> April, 2022
3. Poster Competition – 22<sup>nd</sup> April, 2022.

All these competitions will be held on 22<sup>nd</sup> April, 2022.

\* The topics for essay competition and extempore speech will be inform on 22<sup>nd</sup> April, 2022.

*All the participants have to be present in Room No. 3 of C.M.P. Degree College, Prayagraj on 22nd April, 2022 at 9.00am*

**National Seminar will be held on 24<sup>th</sup> April, 2022 at Auditorium of C.M.P. Degree College, Prayagraj from 11.00am onwards.**

**Poster Competition:**

Sub themes :

- (i) Environmental Challenges
- (ii) Sustainable Development
- (iii) Renewable energy sources
- (iv) Pollution free environment
- (v) Biodiversity

April 24 <sup>th</sup> , 2022	
Ch. Jitendra Nath Singh	- Chairperson, Governing Body
Dr. Brijesh Kumar, Principal	- Patron
Dr. Neeta Sinha, Vice Principal	- Co-Patron
Dr. Archana Srivastava	- Coordinator
Dr. Mridula Tripathi	- Convener
Dr. Vishal Srivastava	- Organizing Secretary
Dr. Anjani Kumar	- Organizing Secretary
Executive Committee	
Dr. Bhawana Chauhan	- Ancient History
Dr. Purnima Srivastava	- Economics
Dr. Satyanvada Singh	- English
Dr. Archana Tripathi	- Geography
Dr. Abha Tripathi	- Hindi
Dr. Munindra Shukla	- Medieval History
Dr. Govind Gaurav	- Political Science
Dr. Amit Singh	- Philosophy
Dr. Ruchika Verma	- Psychology
Dr. S.P. Singh	- Sanskrit
Dr. Tanya Roy	- Sociology
Dr. Zaibunisa	- Urdu
Dr. Amrita Pandey	- Botany
Dr. Babita Agrawal	- Chemistry
Dr. Bhupesh Kumar Tripathi	- Mathematics
Dr. Nilesh Kumar Rai	- Physics
Dr. Vinita Jaiswal	- Zoology
Dr. Manish Kumar Sinha	- Commerce
Dr. Ajay Pratap Singh	- Law
Dr. Rashmi Gupta	- Music
Dr. Sarita Srivastava	- Coordinator, ICT Cell
Dr. Sumanda Das	- Ph.D. Co-ordinator

Advisory Board
Mr. Bhupendra Bejaj
Mr. Rajendra Srivastava
Dr. Saroj Singh
Dr. Manju Srivastava
Dr. R.C. Singh
Dr. Anil Kumar Shukla
Dr. Archana Pandey
Dr. Meena Rai
Dr. R.B.L. Srivastava
Dr. Namrata Prasad
Dr. Neeja Kapoor
Dr. Sanjay Singh
Dr. Santosh Kumar Srivastava
Dr. Arti Gupta
Dr. Sangeeta
Dr. Deena Nath
Dr. Zaibunisa
Dr. Rajat Srivastava
Office Support
Shri. Ajeet Srivastava
Shri. Ashish Srivastava
Shri. Devendra Srivastava
Shri. Pradeep Kumar Ojha
Shri. Devansh Srivastava
Shri. Santosh Srivastava

## पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रतियोगिता का आयोजन

पृथ्वी दिवस के उपलक्ष्य में सी०एम०पी० डिग्री कॉलेज के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की संयोजिका डॉ० मृदुला त्रिपाठी कोआर्डिनेटर पी०जी० ने कार्यक्रम की भूमिका रखी। प्राचार्य डॉ० बृजेश कुमार, सी०एम०पी० डिग्री कॉलेज ने अतिथियों का स्वागत किया। अध्यक्षता करते हुए चौधरी जितेन्द्र नाथ सिंह चेयरमैन गवर्निंग बॉडी, ने कहा कि अब समय आ गया है कि पर्यावरण संरक्षण के प्रति हम सचेत हो जाएं पिछले 50 वर्षों में जैव विविधता में पचास प्रतिशत का हमस हुआ है। जल संकट भयावह रूप लेता जा रहा है। वृक्षारोपण अभियान चलाकर हम इन समस्याओं का सामना कर सकते हैं।

मुख्य अतिथि प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी पूर्व डायरेक्टर मोतीलाल नेहरू नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, प्रयागराज ने वर्तमान परिदृश्य में पर्यावरण संरक्षण की उपयोगिता पर बल देते हुए कहा कि पर्यावरण को सुरक्षित करने के लिए जन भागीदारी अतिआवश्यक है। विशिष्ट अतिथि डॉ० कृष्ण मोहन, पर्यावरण संरक्षक, ने बताया कि वैश्विक वातावरण में भूमंडलीय ऊष्मीकरण के प्रमुख कारण वन का कटना एवं प्रदूषण पर नियंत्रण न करना है, जिससे गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। डॉ० विशाल श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों का धन्यवाद ज्ञापित करते हुए बताया कि

वर्तमान में इस प्रकार की संगोष्ठी का आयोजन जनजागरूक साबित होगा। कार्यक्रम का संचालन डॉ० हिमानी चौरसिया एवं डॉ० प्रियंका चावला ने किया, तथा समस्त प्रतिभागियों के पुरस्कार एवं प्रमाण पत्रों के वितरण का संचालन डॉ० विशाल श्रीवास्तव एवं डॉ० अंजनी कुमार ने किया। प्रतियोगिता में भाग लेने वाले पी०जी० एवं शोध छात्रों का इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण हेतु विशेष योगदान रहा जिनके प्रतिभाग के कारण यह कार्यक्रम सफलता पूर्वक सम्पन्न हुआ।



पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रतियोगिता का आयोजन



पर्यावरण संरक्षण एवं सतत विकास पर राष्ट्रीय सेमिनार एवं प्रतियोगिता का आयोजन on 24<sup>th</sup> April, 2022



AICTE Training and Learning (ATAL)

Academy Sponsored

Faculty Development Programme

on

## Data Analysis using SPSS

January 03-07, 2022



Organized by

Department of Commerce  
C.M.P. Degree College  
(University of Allahabad)  
Prayagraj

### About the College

The college was established in the year 1950 with a vision to contribute to the national development by providing quality education. The college is a co-educational institute and it has been associated to the University of Allahabad since its establishment and it became Constituent of the University of Allahabad in 2005 when the central status of the university was restored.

### About the Department

Department of Commerce was established in 1977 with the sole aim of providing commercial education to all students. Commerce department arranges various activities for improving students' practical knowledge with confidence such like Industrial visits, seminars, workshop, FDPs, wallpaper presentation, Group discussion, Guest lectures, etc.

### About the AICTE Training and Learning (ATAL) Academy

ATAL Academy, established by The Ministry of Education (MoE), formerly the Ministry of Human Resource Development, Government of India, holds the vision to empower faculty to achieve goals of higher education such as access, equity and quality.

### Course Contents

Introduction to Research and SPSS, Correlation & Regression Analysis, Testing of Hypothesis, ANOVA, MANOVA models, Factor Analysis and Discriminant Analysis using SPSS.

### Session wise time schedule

Day	9:00 – 11:00 AM	11:00 – 01:00 PM	1:00 – 2:00 PM	2:00 – 4:00 PM
Day 1	Inaugural & Introduction to Research and Research Design	Introduction to SPSS, Defining Variables, Cases, etc.	Lunch	Handling Missing, Importing Data into SPSS from Excel & Text
Day 2	Cleaning of Data, Cross Tabulation, Date and Time Transformations, Replace Missing Values	Identifying Duplicate cases, Merge variable & append cases, Data Validation, Select cases, Split file	Lunch	Basic Operation of SPSS, Preparation of Charts & Graphs
Day 3	Descriptive Analysis, Testing of Normality & Homogeneity	Correlation & Regression-I	Lunch	Correlation & Regression-II
Day 4	Parametric Tests	Non Parametric Tests	Lunch	Factor Analysis
Day 5	Discriminant Analysis	Meditation, health & happiness etc.	Lunch	Valedictory Session and Test



### Chief Patron

Ch. Jitendra Nath Singh  
Chairperson, Governing Body  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

### Patron

Dr. Brijesh Kumar  
Principal  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

### Convener

Dr. Manish Kumar Sinha

### Organizing Secretaries

Sh. Bhupendra Kumar  
Dr. RBL Srivastava

### Coordinator

Dr. Bireshwar Pandey

### Co- Coordinators

Dr. Sarika Sushil  
Dr. Anjani Kumar  
Dr. A.K. Tiwari  
Dr. Raj Kumar Singh  
Dr. Tejbahadur Kannaujia

### Mode of Conduct of FDP

FDP shall be conducted in online mode.

### Eligibility for Participation

The faculty members of AICTE approved institutions/ Research scholars/PG Scholars/ Participants from Government and Industry/ Staff of host Institution.

No. of Seats: 200

Eligible participants will be selected on first come first serve basis. Coordinator's decision will be final regarding the selection of participants.

### Certification

A test shall be conducted at the end of the program. The certificate shall be awarded to those with minimum 80% attendance and a score of minimum 60% marks in the test.

### Resource Persons

Eminent resource persons will be drawn from reputed organizations from academia and industry.

### Registration

There is no registration fee.

The participants are requested to sign up and register for the programme at ATAL website link:

<https://atalacademy.aicte-india.org/signup>

### Contact

Dr. Bireshwar Pandey

Assistant Professor  
Department of Commerce  
CMP Degree College, M.G. Marg,  
Prayagraj -211002  
Email – [atalcmpfdp@gmail.com](mailto:atalcmpfdp@gmail.com)



## Summary Report

Day- 1: 03/01/2022

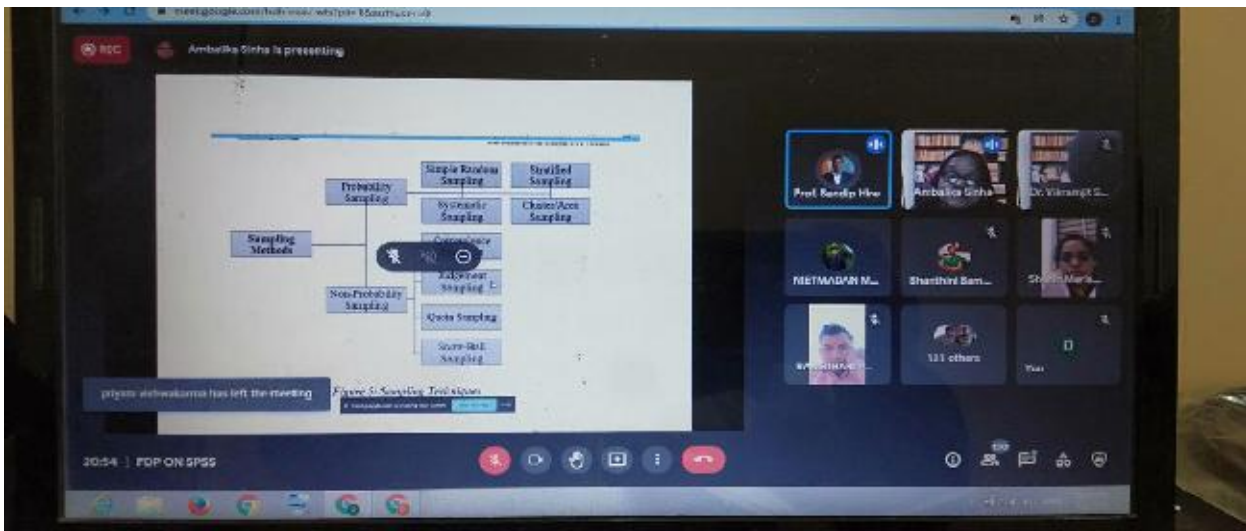
Session – I

Dr. Ambalika Sinha

Professor

Department of Humanities and Social Sciences

Motilal Nehru National Institute of Technology, Prayagraj



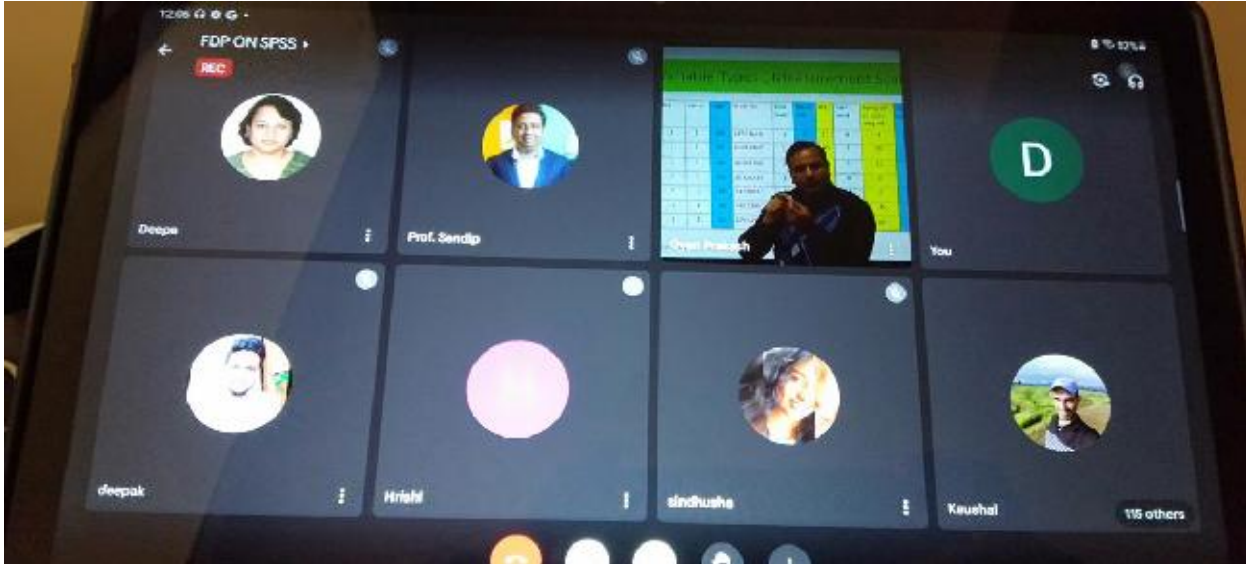
Dr. Ambalika Sinha explained that stages of research process, The Process of Determining a Research Idea/Problem, Reading Published Articles explained the world of investigators and their work should also be studied briefly to get a better understanding of them, this information gap can be generated by the people who study them. Reading Literature Reviews, these reviews can generate many research ideas that can be used in different ways. The research might be justified because “this particular research issue has not been explored previously or was faulty in application. Replicating Previous Studies, a researcher may replicate the previous studies with modifications in the variables, methodology, use of tools for analysis, statistical methods etc. and may bring out newer insights from the research. Research generally starts with problem identification followed by research questions or objectives formulation. Proceeding from this the researcher determines how best to answer these inquiries and so chooses what data to collect, how to collect, and how it will be analyzed to answer the research question. Formulating a Hypothesis, A hypothesis is a premonition, supposition, doubt, proclamation or an impression about a phenomenon,

association or situation. Research Design, a research design is a plan, structure and strategy of investigation so conceived as to obtain answers to research questions or problems.

### Session – II & III

**Dr. Gyan Prakash Singh**

Professor, BHU Varanasi



Dr. Gyan Prakash Singh discussed about Introduction of SPSS explained that SPSS stands for “Statistical Package for the Social Sciences”. It is an IBM tool. This tool first launched in 1968. This is one software package. This package is mainly used for statistical analysis of the data. SPSS is mainly used in the following areas like healthcare, marketing, and educational research, market researchers, health researchers, survey companies, education researchers, government, marketing organizations, data miners, and many others. It provides data analysis for descriptive statistics, numeral outcome predictions, and identifying groups. This software also gives data transformation, graphing and direct marketing features to manage data smoothly. Dr. Gyan Prakash Singh discussed about number of files opened in SPSS, How to import data from excel to SPSS, How to Export data from SPSS to Excel; How to save SPSS output files; How to modify output of SPSS file; How to save SPSS files in MS-Word; What is easy method to format table etc.



**Day- 2: 04/01/2022**

**Session – I & II**

**Mr. Anjesh Kumar**

G.B. Pant Social Science Institute, Prayagraj



Mr. Anjesh Kumar discussed about Cleaning of Data Cross Tabulation, Date and Time Transformations, Replace Missing Values, explained that Data cleaning involves repeated cycles of screening, diagnosing, treatment and documentation of this process. As patterns of errors are identified, data collection and entry procedures should be adapted to correct those patterns and reduce future errors. Also discussed that Identifying Duplicate cases, Merge variable & append cases, Data Validation, Select cases, Split file explained that With your dataset open in the Data Editor Window, select Data>Identify Duplicate Cases. Next, select the variable with duplicate values you wish to identify and move it to the 'Define matching cases by:' dialog box. Check all other parameters and change the defaults according to your preference.

**Session – III**

**Prof. Saurabh Agarwal**

HBTU Kanpur



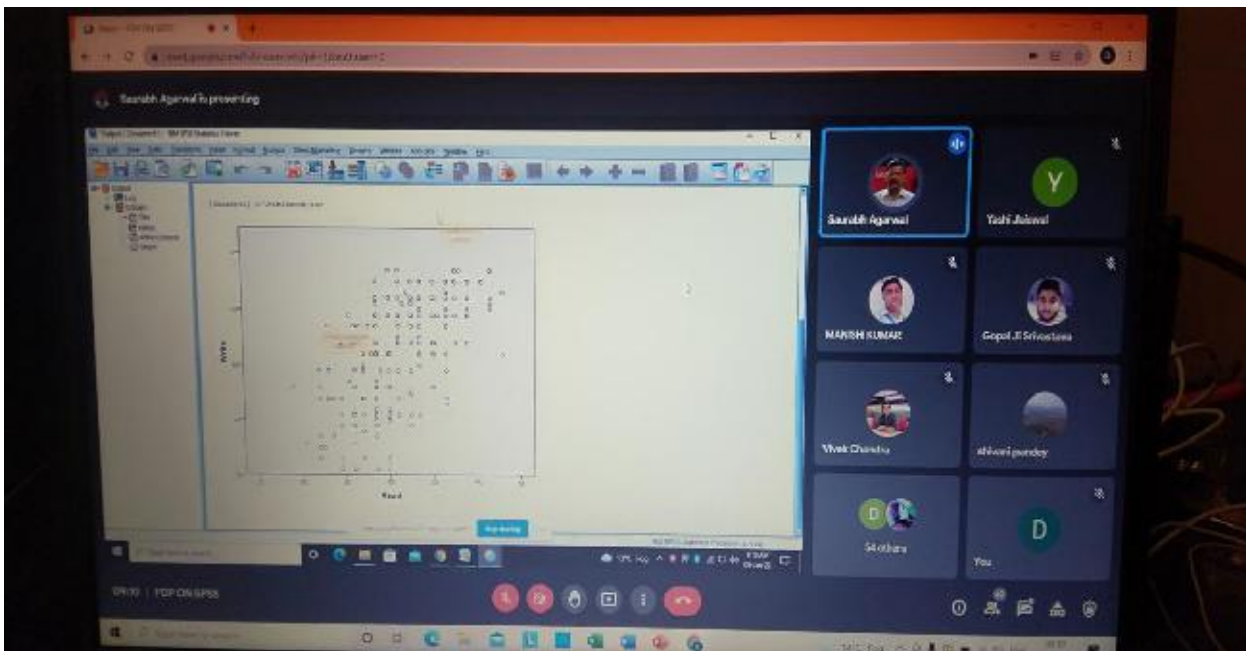
Prof. Saurabh Agarwal discussed about Basic Operation of SPSS; Preparation of Charts & Graph SPSS utilizes multiple types of windows, or screens, in its basic operations. Each window is associated with specific tasks and types of SPSS files. The windows include the Data Editor, Output Viewer, Syntax Editor, Pivot Table Editor, Chart Editor, and Text Output Editor. Also discussed that how Prepare of Charts & Graph SPSS.

**Day- 3: 05/01/2022**

**Session – I**

**Prof. Saurabh Agarwal**

HBTU Kanpur



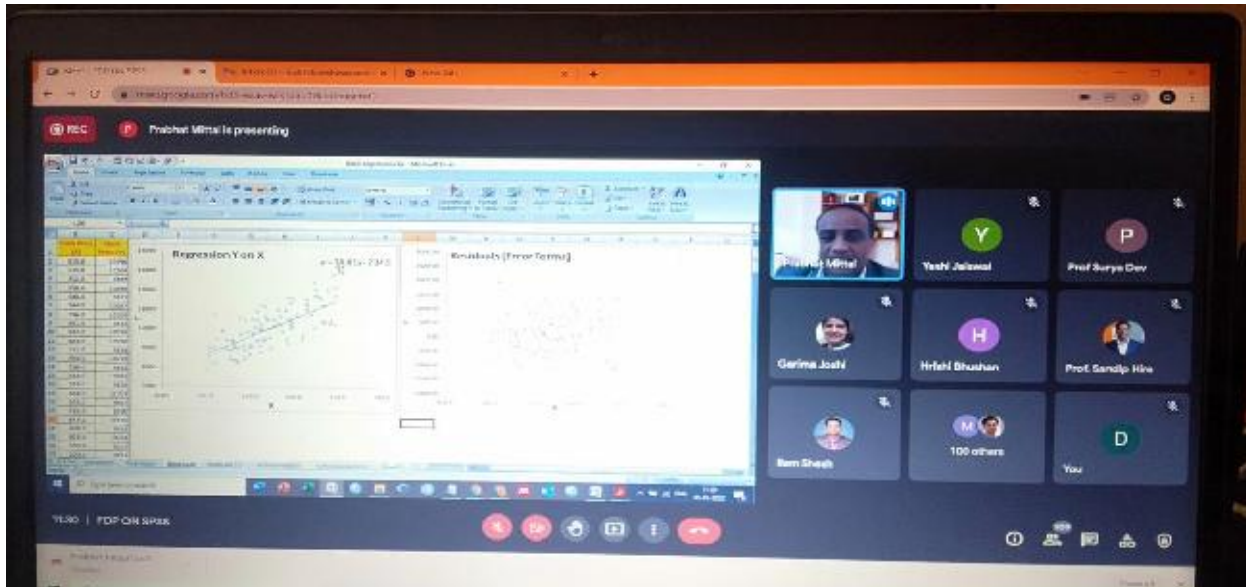
Prof. Saurabh Agarwal discussed about Descriptive Analysis, Testing of Normality & Homogeneity explained that the descriptive statistics feature of SPSS can also give summary statistics such as the mean, median and standard deviation. Also described How to do Normality Test using SPSS? Select “Analyse -> Descriptive Statistics -> Explore”. A new window pops out. Then from the list on the left, select the variable “Data” to the “Dependent List”. Click “Plots” on the right. The results now pop out in the “Output” window.

## Session – II & III

**Prof (Dr.) Prabhat Mittal**

Professor, Department of Commerce & Management

Satyawati College (Eve.), University of Delhi



Prof. Prabhat Mittal discussed about Correlation is a statistical term describing the degree to which two variables move in coordination with one another. If the two variables move in the same direction, then those variables are said to have a positive correlation. If they move in opposite directions, then they have a negative correlation. Correlation in SPSS is a statistical technique that shows how strongly two variables are related to one another or the degree of association between them.

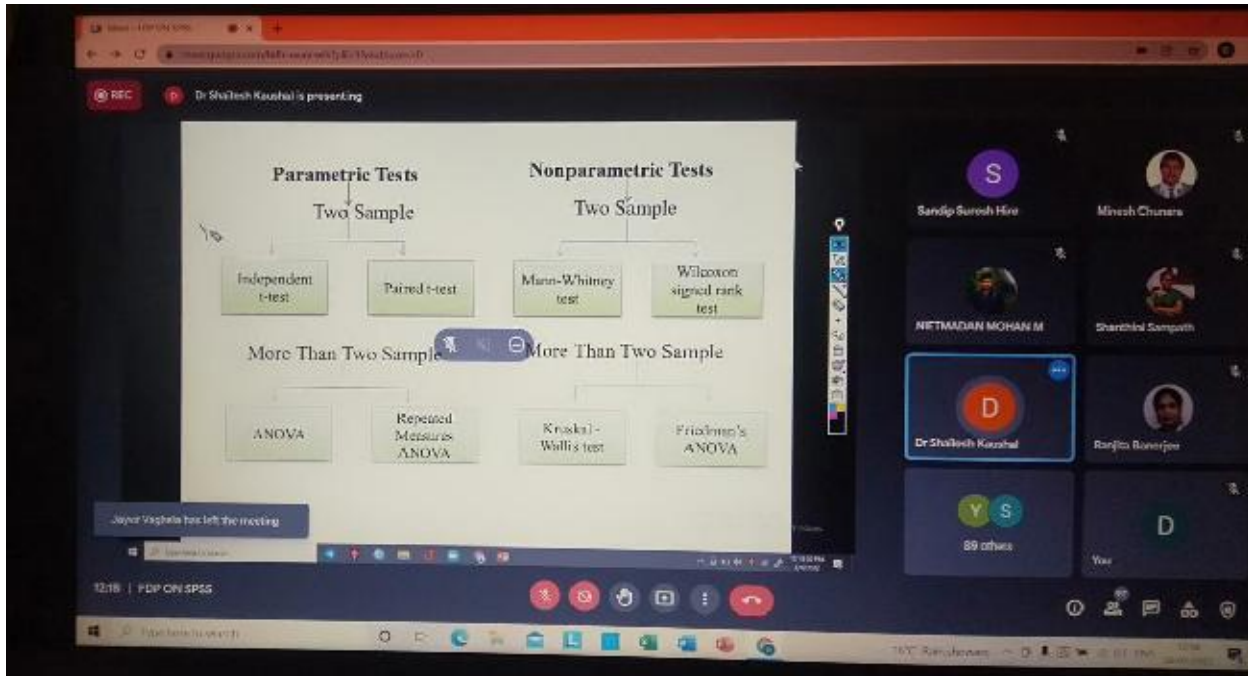
Prof. Prabhat Mittal also discussed Regression analysis is a well-known statistical learning technique useful to infer the relationship between a dependent variable  $Y$  and  $p$  independent variables  $X=[X_1|...|X_p]$ . The dependent variable  $Y$  is also known as *response variable* or *outcome*, and the variables  $X_k$  ( $k=1, \dots, p$ ) as predictors, explanatory, variables, or covariates. More precisely, regression analysis aims to estimate the mathematical relation  $f()$  for explaining  $Y$  in terms of  $X$  as,  $Y=f(X)$ , using the observations  $(x_i, Y_i), i=1, \dots, n$ , collected on  $n$  observed statistical units. If  $Y$  describes a univariate random variable the regression is said to be univariate regression, otherwise it is referred as multivariate regression. If  $Y$  depends on only one variable  $x$  (i.e.,  $p=1$ ), the regression is said simple, otherwise (i.e.,  $p>1$ ), the regression is said multiple.

**Day- 4: 06/01/2022**

**Session – I & II**

**Prof. Shailesh Kaushal**

University of Lucknow



Prof. Shailesh Kaushal discussed that Parametric tests are those that make assumptions about the parameters of the population distribution from which the sample is drawn. This is often the assumption that the population data are normally distributed. Non-parametric tests are “distribution-free” and, as such, can be used for non-Normal variables. The t test in SPSS. A parameter in statistics refers to an aspect of a population, as opposed to a statistic, which refers to an aspect about a sample. For example, the population mean is a parameter, while the sample mean is a statistic.

Non-parametric tests are “distribution-free” and, as such, can be used for non-Normal variables. The Mann Whitney/Wilcoxon Rank Sum tests is a non-parametric alternative to the independent sample -test. So the data file will be organized the same way in SPSS: one independent variable with two qualitative levels and one independent variable. Prof. Shailesh Kaushal also discussed on Kruskal-Wallis Test etc.

### Session – III

**Dr. Parikshit Joshi**

Indian Institute of Information Technology, Prayagraj



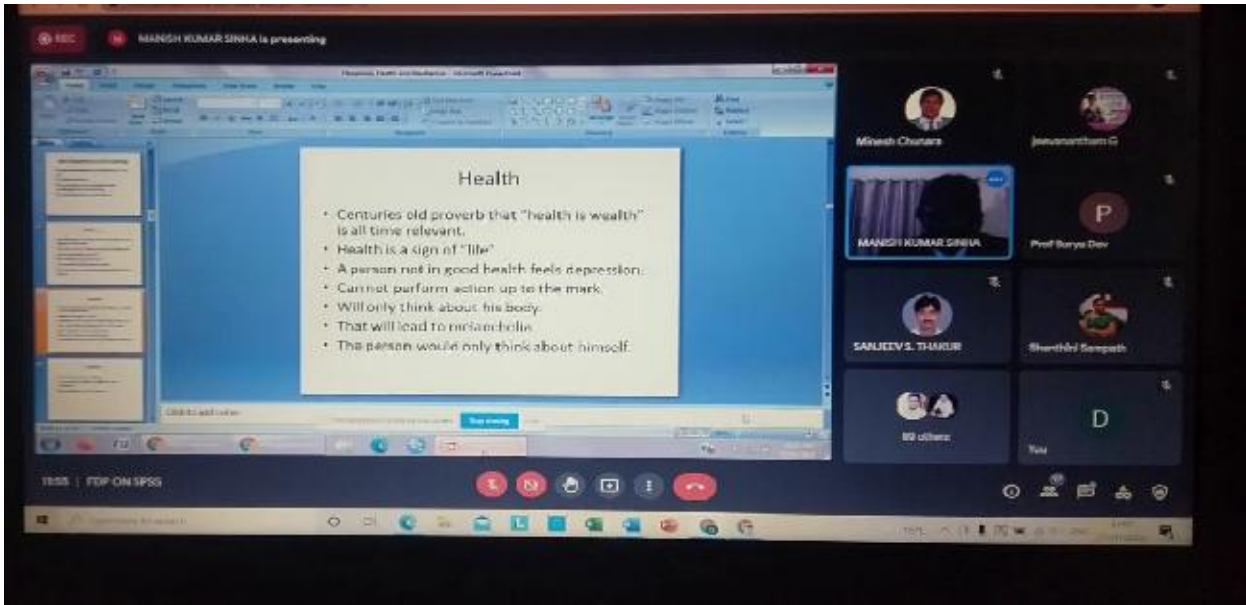
Dr. Parikshit Joshi described that factor analysis is a statistical technique for identifying which underlying factors are measured by a (much larger) number of observed variables. Such “underlying factors” are often variables that are difficult to measure such as IQ, depression or extraversion. For measuring these, we often try to write multiple questions that -at least partially- reflect such factors. Factor analysis is a statistical technique for identifying which underlying factors are measured by a (much larger) number of observed variables. Such “underlying factors” are often variables that are difficult to measure such as IQ, depression or extraversion. Factor Analysis in SPSS To conduct a Factor Analysis, start from the “Analyse” menu. This procedure is intended to reduce the complexity in a set of data, so we choose “Data Reduction” from the menu. And the choice in this category is “Factor,” for factor analysis.

**Day- 5: 07/01/2022**

### Session – I

**Dr. Parikshit Joshi**

Indian Institute of Information Technology, Prayagraj



Dr. Parikshit Joshi described that discriminant analysis is a versatile statistical method often used by market researchers to classify observations into two or more groups or categories. In other words, discriminant analysis is used to assign objects to one group among a number of

known groups. On SPSS From the menu, click on Analyse -> Classify -> Discriminant. In the appearance window, move DV (grouping variable) into Grouping Variable: -> hit Define Rang -> specify lowest and highest values of grouping -> Continue.

## Session – II

**Dr. Manish Kumar Sinha**

CMP Degree College , Prayagraj



Dr. Manish Kumar Sinha discussed on Meditation, health & happiness etc. explained that the benefits of meditation are plentiful in ordinary times. And amid the coronavirus pandemic, being present and finding moments of peace has never been more important. As we struggle with uncertainty and an inability to grasp what the future will hold, practicing meditation and mindfulness can help get us find a little bit of much-needed calm.

## Session – III

Valedictory Session and Test.



### Registration Details:

Participants are required to register for the Conference either online at <https://engcmseminar.com/registration/> or offline at the Department of English in C.M.P. Degree College. Registration for abstracts should be submitted through NEFT/UPFI Online. Registration for include Conference kit, Certificate of Participation/Presentation as well as Lunch and Tea during the Conference.

### Registration Fee

Participants	Registration Fees
Academicians/Faculty	1500/-
Research Scholars	1000/-
Students/Participants	700/-

### Account Details for NEFT/UPFI/Online

- Account Name: CMP SPECIAL GRANT ACCOUNT
- Account Number: 86161010001469
- Bank Name: CANARA BANK
- Branch: PRAYAG BRANCH, PRAYAGRAJ
- IFSC: CNRB0018616

### Contact Us

Mobile No. : 9336617874, 9451130777  
Email: [engcmseminar@gmail.com](mailto:engcmseminar@gmail.com)



### Venue:

Auditorium, C.M.P. Degree College, M.G. Marg,  
George Town, Prayagraj, U.P. 211002



**Chief Patron**  
**Prof. Saagita Srivastava**  
Hon'ble Vice-Chancellor,  
University of Allahabad, Prayagraj



**Patron**  
**Chaudhary Jitendra Nath Singh**  
President, Kayastha Pathshala &  
Chairperson, Governing Body,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj



**Guest of Honour**  
**Prof. Pankaj Kumar**  
Dean, College Development  
Head, Department of Political Science  
University of Allahabad, Prayagraj



**Chief Guest**  
**Prof. Sonjay Datta Roy**  
Head, Department of English & M.E.L.  
University of Allahabad, Prayagraj



**Chairperson**  
**Prof. Ajay Prakash Khare**  
Principal, C.M.P. Degree College, Prayagraj

### Convener

**Dr. Satyansuda Singh**  
Associate Professor & Convener,  
Department of English,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

### Organizing Secretary

**Dr. Ram Prakash Gapt**  
Assistant Professor,  
Department of English,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

### Advisory Committee

Dr. Bhagendra Kumar	Dr. Divya Singh
Dr. Neeta Sinha	Dr. Rajat Kumar Srivastava
Dr. Aradhna Srivastava	Dr. Manish Sinha
Dr. Saroj Singh	Dr. Susanna Das
Dr. Madhura Tripathi	Dr. Abha Singh
Dr. Bhawna Chaudhan	Dr. Babita Agarwal
Dr. Saugata	Dr. Aradhna Tripathi
Dr. Abha Tripathi	Dr. Zubon Nisa
Dr. Saranya Pal Singh	Dr. Nisha Srivastava
Dr. Kajendra Srivastava	Dr. Bhagish Tripathi
Dr. Sanjay Singh	Dr. Goutam Gaurav

### Organizing Committee

Dr. Khushboo Agrawal  
Dr. Nishi Agarwal Saran  
Dr. Rachana  
Dr. Mohammad Akhavan  
Dr. Siddhant Kumar Saroj



## National Conference ON ENVIRONMENT AND LITERATURE

10<sup>th</sup> & 11<sup>th</sup> Sep. 2022



Organized by  
**Department of English**  
**C.M.P. Degree College**  
A Constituent P.G. College,  
University of Allahabad  
Prayagraj, India



### About C.M.P. Degree College:

Chaudhary Mahadeo Prasad Degree College is a Constituent P.G. College of the University of Allahabad, established in 1950, governed by the "Kayastha Pathshala" one of the biggest Trusts in Asia. The college is located in the heart of the holy city Prayagraj. CMP Degree College is a DBT Star College which caters nearly 12000 students, excelling in different streams of education covering Arts, Science, Commerce and Law. The college does not lag behind in administering short term certificate courses, which leave no stones unturned in grooming the overall development and personality of its students.

### About Prayagraj:

The CMP Degree College is situated on Mahatma Gandhi Marg conveniently connected to the road and train transport. It is now connected by air to nearly all major cities of India. Prayagraj is an amalgam of culture, religion and vibrant rituals and colourful festivals. People all over the world through Prayagraj during Magh Mela which takes place in the months of January and February every year. The weather of Prayagraj is hot during summer but quite cold in winter. Prayagraj witnesses heavy rainfall between July and early September, with a lot of humidity.

### About the Seminar:

In a layman's language what is Literature? Every creative writing is literature; thus, we all do not fall short of seeing Environment in Literature too. Recently several poets, dramatists and novelists of India have become environmentally concerned like Tagore, Arundhati Roy, Amitav Ghosh, Allan Sealy, Sumitranandan Pant, though literature had been linked to descriptions of natural environment and relationships between human and the world of nature, much back during the times of Hebrew Bible, Theocritus, Virgil, Gilbert White, Wordsworth, Keats, Byron, Hardy, William Bartram, Magha, Kalidasa, Kabir, and Nazim Akbarabadi. Over the past decades, the themes of environment occupy an important space in narratives not only in English but in other languages also, may it be Hindi, Sanskrit or Urdu. They are being circulated through media as well as other platforms, like museums, films and literature.

Today the climate emergency is a shock that is being felt worldwide, which has an immense impact upon the creative writings in the form of Environmental Literature, Eco-fiction and Eco-criticism. The writers fighting to save the environment, come from a diverse background, different places and having multiple experiences. It is these creative and literary trends, we tend to discourse, discuss and debate in this upcoming conference.

### Sub-Themes:

1. Influence of Environment on Literature
2. Eco-criticism in Literature
3. Eco-fiction and Cli-fi
4. Eco Marxism
5. Eco Feminism
6. Children and Environmental Literature
7. Geo Politics and Literature
8. Green Language and Literature
9. Pastoral Writings in Literature
10. Ecopoetics
11. Postcolonial Environmental Writings
12. Anthropocentrism and Ecocentrism
13. Literary Ecology

### Call for Papers:

Paper proposals in the form of abstracts are invited on the main-theme and sub-themes of the conference. Kindly submit a soft copy of the abstract of your paper in about 300 words either in English (Times New Roman, Font size 12) or in Hindi (Kruti Dev-010, 14 Font) with Keywords on following email id: [engcmseminar@gmail.com](mailto:engcmseminar@gmail.com). The abstract should contain title of the paper, name of the author, institutional affiliation and contact details. Presentation of paper will be permitted only after the submission of full paper. Selected papers will be published in the form of a book with an ISBN.

### Important Dates

Last Date for Submission of Abstract	22 <sup>nd</sup> August 2022
Notification of Acceptance of Abstract	25 <sup>th</sup> August 2022
Submission of Full Paper	5 <sup>th</sup> September 2022

## पर्यावरण और साहित्य विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

अनंदा में संपन्न कार्यक्रम

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के अंग्रेजी विभाग ने पर्यावरण और साहित्य विषय पर दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन किया। संगोष्ठी के मुख्य अतिथि प्रयागराज विश्वविद्यालय के अतिरिक्त विभाग के दो सदस्य डॉ. दीप और डॉ. सुधा कर्मा आचार्य जिन, विश्वविद्यालय से डॉ. प्रकाश तारा प्रसन्न हैं। संगोष्ठी का आयोजन कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। कार्यक्रम के अतिथियों का स्वागत किया और अंग्रेजी मेल पर आयोजन संबंधित बातें प्रकाश गुप्त ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर प्रकाश गुप्त डॉ. माया शंकर पांडेय ने अतिथियों को 'पर्यावरण और साहित्य' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. माया शंकर पांडेय ने साहित्य में पर्यावरण चेतना और सुरक्षा के विमर्श को स्पष्ट किया। मुख्य अतिथि प्रो. सुजाय दत्ता राय ने साहित्य के पर्यावरण आंदोलन पर प्रभावों का विश्लेषण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। संयोजक सत्यमवदा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया एवं आयोजन सचिव डॉ. राम प्रकाश गुप्त ने अतिथियों का स्मृति चिह्न प्रदान किए।

प्रो. दीप ने साहित्य के पर्यावरण आंदोलन पर प्रभावों का विश्लेषण किया। इस में डॉ. प्रकाश सिंह ने किरीट साहित्य, साहित्य किरण ने संस्कृत साहित्य और डॉ. रवीन्द्र नाथ ने सामाजिक विज्ञान के परिप्रेक्ष्य में पर्यावरण विषयों को प्रस्तुत किया। संगोष्ठी पर डॉ. सत्यमवदा सिंह का संयोजक और अध्यक्षता का पद संभालते हुए डॉ. प्रकाश गुप्त ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर प्रकाश गुप्त डॉ. माया शंकर पांडेय ने अतिथियों को 'पर्यावरण और साहित्य' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. माया शंकर पांडेय ने साहित्य में पर्यावरण चेतना और सुरक्षा के विमर्श को स्पष्ट किया। मुख्य अतिथि प्रो. सुजाय दत्ता राय ने साहित्य के पर्यावरण आंदोलन पर प्रभावों का विश्लेषण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। संयोजक सत्यमवदा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया एवं आयोजन सचिव डॉ. राम प्रकाश गुप्त ने अतिथियों का स्मृति चिह्न प्रदान किए।

वैश्विक स्तर पर पर्यावरण चेतना और सुरक्षा में साहित्यिक विमर्श को प्रोत्साहित करने के लिए संगोष्ठी के अंतर्गत पर्यावरण और साहित्य के विकास में प्रभुत्व के प्रति ध्यान और जागरूकता को प्रोत्साहित किया। इस पर डॉ. सत्यमवदा प्रकाश गुप्त द्वारा किया गया और अध्यक्षता कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। संगोष्ठी के अतिथियों का स्वागत किया और अंग्रेजी मेल पर आयोजन संबंधित बातें प्रकाश गुप्त ने अतिथियों को स्मृति चिह्न प्रदान किया। इस अवसर पर प्रकाश गुप्त डॉ. माया शंकर पांडेय ने अतिथियों को 'पर्यावरण और साहित्य' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. माया शंकर पांडेय ने साहित्य में पर्यावरण चेतना और सुरक्षा के विमर्श को स्पष्ट किया। मुख्य अतिथि प्रो. सुजाय दत्ता राय ने साहित्य के पर्यावरण आंदोलन पर प्रभावों का विश्लेषण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। संयोजक सत्यमवदा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया एवं आयोजन सचिव डॉ. राम प्रकाश गुप्त ने अतिथियों का स्मृति चिह्न प्रदान किए।



अरोरा, मलकीत सिंह विरदी आदि मौजूद रहे।

### साहित्य के पर्यावरण आंदोलन पर प्रभावों का किया विश्लेषण

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के अंग्रेजी विभाग की ओर 'पर्यावरण और साहित्य' विषय पर दो दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता प्रो. माया शंकर पांडेय ने साहित्य में पर्यावरण चेतना और सुरक्षा के विमर्श को स्पष्ट किया। मुख्य अतिथि प्रो. सुजाय दत्ता राय ने साहित्य के पर्यावरण आंदोलन पर प्रभावों का विश्लेषण किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कायस्थ पाठशाला के अध्यक्ष चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने की। संयोजक सत्यमवदा सिंह ने अतिथियों का स्वागत किया एवं आयोजन सचिव डॉ. राम प्रकाश गुप्त ने अतिथियों का स्मृति चिह्न प्रदान किए।





## National Conference on Literature and Environment

**WORKSHOP**  
on  
**Research Methodology**

**Date: 17th & 18th October, 2022**  
**Time: 11 AM to 2 PM**  
**Venue: Department of English, C.M.P. Degree College**

**Chief Patron**  
Chaudhary Jitendra Nath Singh  
President, Kayastha Pathshala  
Chairperson, Governing Body  
CMP Degree College, Prayagraj

**Patron**  
Prof. Ajay Prakash Khare  
Principal, C.M.P. Degree College,  
Prayagraj

**Convener**  
Dr. Satyamvada Singh  
Associate Professor  
Department of English,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**Co-Convener**  
Dr. Rachna  
Assistant Professor  
Department of English,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**Advisory Committee**  
Dr. Divya Singh  
Dr. Rajat Kumar Srivastava  
Dr. Khushboo Agrawal  
Dr. Neeti Agarwal Saran  
Dr. Ram Prakash Gupta  
Dr. Subhash Kumar Saroj

**Organized by**  
Department of English  
C.M.P. Degree College  
A Constituent P.G. College,  
University of Allahabad  
Prayagraj, India

**Organising Secretary**  
Dr. Mohammad Ahasan  
Assistant Professor  
Department of English,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**The following topics will be discussed in this workshop:**

1. Meaning and Steps of Research, Literature Survey, Collection of Data, Analysis of Data, Research Topic/ Problem.
2. Types of Research.
3. Extrinsic or Contextualist Approaches.
4. Intrinsic or Isolationist Approaches.
5. Research Methods in Arts and Humanities.
6. Research Methods in Social Sciences.
7. Research Methods for English Studies(Archival Method, Textual-Analysis Method, Discourse-Analysis Method, Interview Method, etcetera).
8. Research Ethics and Plagiarism.
9. Quotations & Citations.
10. Project / Dissertation.

Note: Registration Fee (200 Rs) will be deposited in the Department of English, C.M.P. Degree College, Prayagraj, (U.P.) till 15th of October 2022.  
Registration details: Participants are required to register for the workshop with the help of the following link: <https://forms.gle/JAENf9VuZ5XYzcQ29>  
Contact Us: 9336617874.

**Some Pioneers of Contemporary Theory**



Derrida



Gayatri Chakravorty Spivak



Edward Said



Simone de Beauvoir



Sigmund Freud



T.S. Eliot

Workshop on Research Methodology organized by the Department of English, Prof . Vivek Kumar Diwedi talked about Qualitative and Quantitative approaches. Prof. Rajesh

Verma explained the right approach toward Research and contemporary theory and Dr. Ram Prakash Gupt emphasized the importance of citation.

Dr Satyamvada Singh chaired the session of the workshop and Dr. Rachna compered the programme. Dr. Divya Singh Convener of the Department, Dr Khushboo Agrawal, Dr Subhash Kumar Saroj, Dr. Mohammad Ahashan, and Dr. Devashish Pati were present in the prrogramme. More than 100 research scholars participated in the workshop.







CVW5+3HG, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh 211002, India

Prayagraj  
Uttar Pradesh  
India



30°C  
86°F

2022-10-18(Tue) 11:37(am)

**Workshop on Research Methodology organized by the Department of English**



**NATIONAL WORKSHOP  
&  
AWARENESS PROGRAMME  
ON  
LEGAL AID & ACCESS TO JUSTICE FOR ALL**



**DATE-09/11/2022, TIME-10:00AM,**

**Venue- Pyare Lal Auditorium, Main Campus, C.M.P. Degree College, Prayagraj.  
Organized By- Legal Aid & Services Clinic, C.M.P. Degree College, Prayagraj.**

**Chief Patron**



**Chaudhary Jitendra Nath Singh**  
President, Kayasth Pathshala  
Chairperson, Governing Body  
C.M.P. Degree College, Prayagraj.

**Patron**



**Prof. Ajay Prakash Khare**  
Principal,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**Convenor**



**Dr. Shiv Shankar Singh**  
Legal Aid Clinic & Services Clinic,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj.

**Convenor**



**Dr. Ajay Pratap Singh**  
Department of Law,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj.

**Chief Guest**

**Mr. Santosh Rai**  
District & Sessions Judge  
Chairman,  
District Legal Services Authority,  
Prayagraj.



**Guest**

**Dr. Lucky**  
Civil Judge (Senior Division)/  
ACJM  
Secretary  
District Legal Services Authority,  
Prayagraj.



**Guest**

**Mr. Janardan Singh**  
Retired Judge  
Ex Chairman of District Consumer  
Forum



**Programme Coordinator**

**Dr. Archana Srivastava**  
Dean,  
Student Welfare, C.M.P. Degree  
College, Prayagraj.



**NATIONAL WORKSHOP & AWARENESS PROGRAMME ON LEGAL AID AND ACCESS TO JUSTICE FOR ALL**

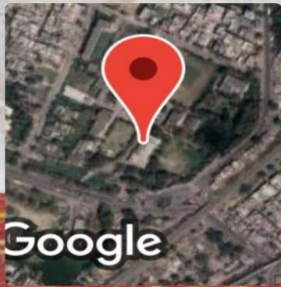
On November 9<sup>th</sup> 2022, a “National Workshop and Awareness Programme on Legal Aid and Access to Justice for All” was organized by the Legal Aid & Services Clinic, C.M.P Degree College at the Main Campus, C.M.P. Degree College, Prayagraj. The event was organized to mark the celebration of National Legal Services Day on 9<sup>th</sup> November to commemorate the

commencement of Legal Service Authorities Act, 1987 which came into force on November 9<sup>th</sup>, 1995. The Chief Guest of the event was Dr. Lucky, Civil Judge (Senior Division)/ACJM & Secretary, District Legal Services Authority, Prayagraj. To grace the event Mr. Janardan Singh (Retired Judge) & Ex Chairman of District Consumer Forum; Ms. Shalini, Civil Judge (Junior Division) and Ms. Nazia Nafeez, Advocate, District Court was also present.

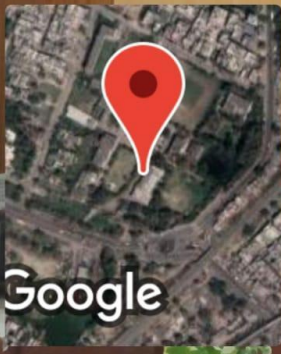


The event commenced with the lightening of the lamps by the dignitaries and with a welcome note. Dr. Padma A Parija, Member of Legal Aid Clinic welcomed the guests. Prof. Ajay Prakash Khare, Principal, C.M.P. Degree College began the event and highlighted the importance of access to justice for all. Then, Dr. Shiv Shankar Singh, Convenor, Legal Aid and Services Clinic threw some light on the journey of inclusion of Article 39A to the Constitution of India and the enactment of National Legal Services Act, 1987. Information was also given regarding the “availability of forms for seeking free legal aid by those in need’ at the Dean Office, who is willing to help anyone in need of legal aid. The Guest of Honour, Dr. Lucky addressed the gathering and highlighted on the concept on Justice and the issues faced by people to access justice in modern times. Ms. Shalini held an interactive session with the audience and provided knowledge regarding the mechanism to seek legal aid. Dr. Janardan Singh congratulated for organizing an event on this occasion and stressed upon creating awareness regarding this discourse. Dr. Ajay Pratap Singh, Head, Department of Law, C.M.P Degree College delivered a vote of thanks to all the esteemed dignitaries present. Dr Ritu Raghuvanshi conducted the stage.





**Prayagraj, Uttar Pradesh, India**  
CVW5+3HG, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh  
211002, India  
Lat 25.445257°  
Long 81.859043°  
09/11/22 10:51 AM GMT +05:30



**Prayagraj, Uttar Pradesh, India**  
CVW5+3HG, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh  
211002, India  
Lat 25.44527°  
Long 81.859007°  
09/11/22 10:49 AM GMT +05:30

	<p>Legal Aid &amp; Services Clinic Department of Law Library Committee of C.M.P. Degree College, Prayagraj.</p>		<p><b>Chief Patron</b></p>  <p>Prof. Sangita Srivastava Vice-Chancellor University of Allahabad, Prayagraj.</p>	<p><b><u>Organizing Co-coordinators</u></b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Mr. Ramesh Kumar Singh</li> <li>• Dr. Sanjeev Kumar</li> <li>• Mrs. Anjalika</li> <li>• Mr. Ramesh Kumar Bharti</li> <li>• Dr. Ritu Raghuvanshi</li> <li>• Dr. Puneet Singh</li> </ul>	
<p>is organising a one day <b>WORKSHOP</b> ON <b>"RIGHT TO LIFE: SPECIAL EMPHASIS ON RIGHT TO EDUCATION"</b></p>			<p><b>Patron</b></p>  <p>Ch. Jitendra Nath Singh President, Kayasth Pathshala Chairperson, Governing Body C.M.P Degree College, Prayagraj.</p>	<p><b>Chair Person</b></p>  <p>Prof. Ajay Prakash Khare Principal, C.M.P. Degree College, Prayagraj.</p>	<p><b><u>Organizing Members</u></b></p> <ul style="list-style-type: none"> <li>• Dr. Brahm Dev Pandey</li> <li>• Mrs. Renu Singh</li> <li>• Dr. Ajay Kumar</li> <li>• Dr. Rakesh Kumar Gautam</li> <li>• Dr. Amit Mishra</li> <li>• Mrs. Sonal Khare</li> <li>• Mr. Ashok Kumar</li> <li>• Dr. Purnendu Mishra</li> <li>• Mr. Tushar Srivastava</li> <li>• Dr. Nandini Raizada</li> <li>• Mr. Gaurav Patel</li> </ul>
<p><b>GUEST SPEAKER</b></p>  <p>DR. KISHORE SINGH FORMER UNITED NATIONS SPECIAL RAPPOURTEUR ON RIGHT TO EDUCATION</p>			<p><b>Convenor</b></p>  <p>Dr. Shiv Shankar Singh Legal Aid Clinic &amp; Services Clinic.</p>	<p><b>Convenor</b></p>  <p>Dr. Ajay Pratap Singh Department of Law,</p>	<p><b><u>Student Volunteers</u></b></p> <p>All Student volunteers of Legal Aid &amp; Services Clinic, C.M.P. Degree College, Prayagraj.</p>
<p><b>DATE-12/12/2022</b> <b>TIME- 10:00AM</b></p> <p><b>-VENUE-</b> <b>MOOT COURT HALL</b> <b>DEPARTMENT OF LAW</b> <b>C.M.P. DEGREE COLLEGE,</b> <b>PRAYAGRAJ.</b></p>			<p><b>Convenor</b></p>  <p>Dr. Santosh Srivastava Library Committee C.M.P Degree College, Prayagraj.</p>	<p><b>Co-Convenor</b></p>  <p>Mr. R. D. Kishor Legal Aid &amp; Services Clinic</p>	

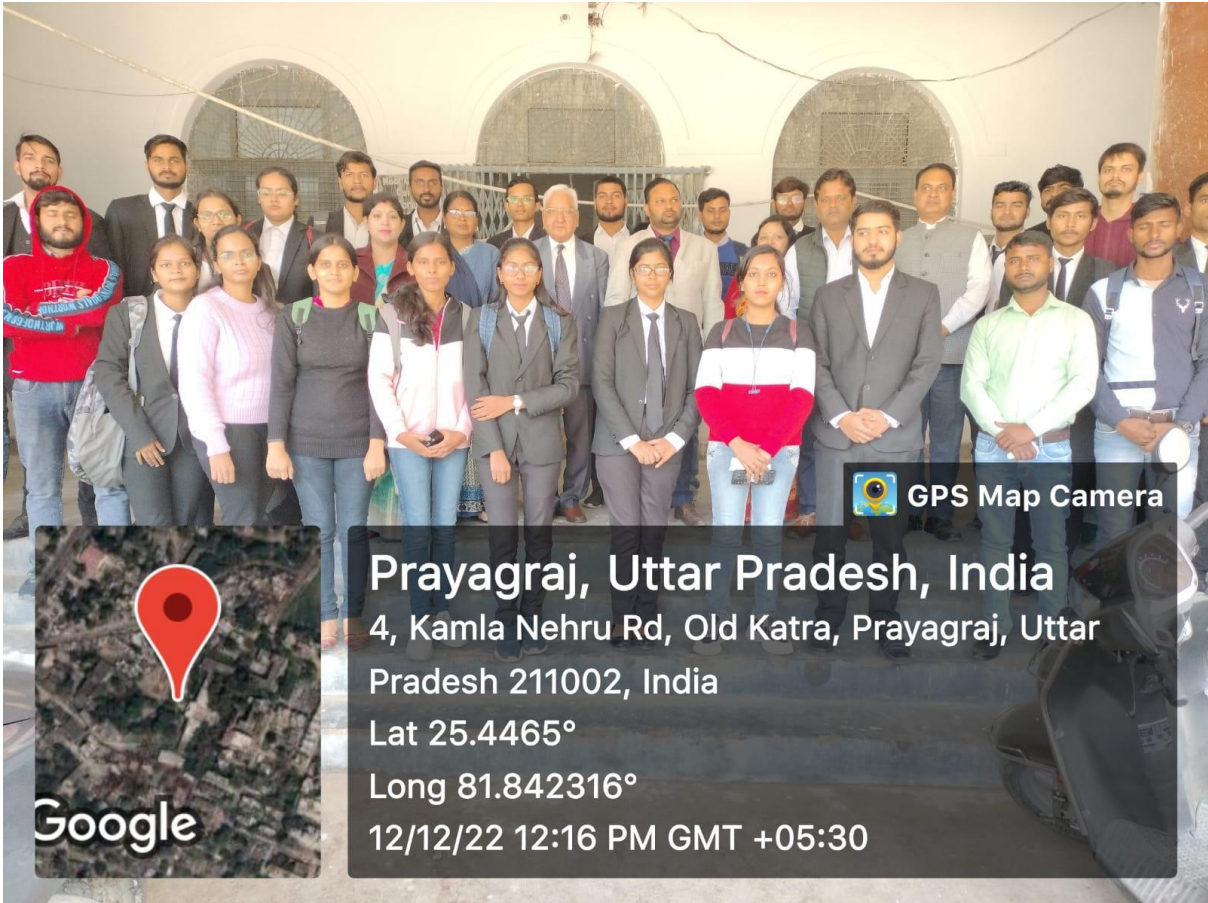
## WORKSHOP ON "RIGHT TO LIFE: SPECIAL EMPHASIS ON RIGHT TO EDUCATION"


(Date-12/12/2022)

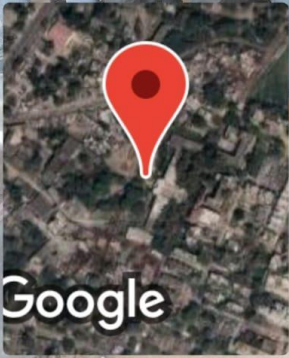
A Workshop on 'RIGHT TO LIFE : SPECIAL EMPHASIS ON RIGHT TO EDUCATION' was organized by Legal Aid and Services Clinic, Faculty of Law & Library, C.M.P Degree College, Prayagraj. Dr. Kishore Singh, Former United Nations Special Rapporteur on Right to Education was the guest Speaker of the event. In his address to the audience he emphasized on versatility of Right to Education which is a part and parcel of Human Rights. He discussed the role of India on the promotion of Education in all spheres and also gave a detailed emphasis on value based education. He said that the major hindrance to achieve this goal is the privatization of Education at each level. The workshop was attended by Vice- Principal Dr. Neeta Sinha, Senior Faculty Dr. Shiv Shankar Singh, College Librarian Dr. Puneet Kumar Singh and all faculty members along with students of B.A.LL.B.(H), LL.B.(H), LL.M. and Research Scholars. Welcome address was given by Dr. Shiv Shankar Singh, vote of thanks was presented by Dr. R.D. Kishor while Stage Conduction was done by Dr. Anjalika.



विधिक सहायता व सेवा क्लीनिक, विधि संकाय एवं लाइब्रेरी, सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा "Right to life: Special emphasis on Right to Education" विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। डॉ किशोर सिंह, शिक्षा के अधिकार पर संयुक्त राष्ट्र के पूर्व विशेष दूत इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि वक्ता थे। श्रोताओं को अपने संबोधन में उन्होंने शिक्षा के अधिकार की बहुमुखी प्रतिभा पर जोर दिया जो मानव अधिकारों का अभिन्न अंग है। उन्होंने सभी क्षेत्रों में शिक्षा को बढ़ावा देने में भारत की भूमिका पर चर्चा की और मूल्य आधारित शिक्षा पर भी विस्तृत जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस भूमिका को हासिल करने में सबसे बड़ी बाधा प्रत्येक स्तर पर शिक्षा का निजीकरण है। वाइस प्रिंसिपल डॉ नीता सिन्हा, डॉ एसएस सिंह, डॉ पुनीत सिंह(लाइब्रेरियन) और सभी संकाय सदस्यों के साथ-साथ एलएलबी, एलएलएम, बी.ए. एलएलबी व शोध छात्र कार्यशाला में उपस्थित रहे। स्वागत उद्बोधन डॉ. शिव शंकर सिंह व धन्यवाद ज्ञापन डॉ. आर.डी. किशोर ने किया जबकि मंच संचालन डॉ. अंजलिका ने किया।



 GPS Map Camera



**Prayagraj, Uttar Pradesh, India**

4, Kamla Nehru Rd, Old Katra, Prayagraj, Uttar Pradesh 211002, India

Lat 25.4465°

Long 81.842316°

12/12/22 12:16 PM GMT +05:30

Physics Society "Atomica" is organising  
One Day Workshop on  
**Handling of Measuring Instruments for Undergraduate Students**

**Highlights:**

1. Handling of instruments like Vernier scale, Travelling microscope, Screw Gauge, Spherometer, Spectrometer.
2. Graphical representation and interpretation of measured data.
3. Discussion on common errors like parallax error, zero error, backlash error.

**Speakers:**

1. Dr. Gyan Prakash
2. Dr. Nilesh Kumar Rai
3. Dr. Ajay Kumar Yadav
4. Dr. Atul Singh Bharadwaj

**Date:** 10 August 2022  
**Time:** 1:00 PM onwards  
**Venue:** Room No. 09,  
CMP Degree College, Prayagraj

**Organizing Committee:**

1. Dr. Rekha Srivastava
2. Dr. Rakesh Kumar
3. Dr. Rajesh Kumar Yadav
4. Dr. Harish Chandra Yadav
5. Dr. Hari Pratap Bhasker

Dr. Rohit Kumar  
(Treasurer, Atomica)

Dr. Sangeeta Singh  
(Vice-President, Atomica)

Dr. Nilesh Kumar Rai  
(President, Atomica)

## **Report Workshop**

**10/08/2022**

Physics Society 'Atomica' of CMP Degree College organized a workshop on "Handling of Measuring Instruments for Undergraduate Students" on 10th August 2022. The basic idea of organizing the workshop was lying in the problem faced by the students in handling the measuring instruments while performing experiments in UG Labs; as the students had not gone through the handling of measuring instruments due to covid pandemic and they were also not exposed to rigorous training in the labs. Hence to bridge the gap, our speakers Dr. Gyan Prakash, Dr. Nilesh Kumar Rai, Dr. Ajay Kumar Yadav, and Dr. Atul Singh Bharadwaj delivered lectures on relevant topics like handling of instruments, graphical representation of data, systematic and random errors, parallax error, backlash error, etc. and demonstrated them physically. Nearly 200 students attended the workshop. Dr. Rakesh Kumar, Dr. Rajesh Kumar Yadav, Dr. Rohit Kumar, Dr. Sangeeta Singh, and other faculty members were present on this occasion. Lab staff members Mr. Ashutosh Srivastava, Mr. Atul Srivastava, Mr. Vishal, Mr. Balchandra, and Mr. Shyam also contributed to the successful organization of the workshop.



CMP Degree College  
 10.08.2022 13:16  
 25.44565°N 81.85856°E (±6m)  
 Altitude: 25m  
 CWW5-7C8, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh 211002

## Workshop on “Handling of Measuring Instruments for Undergraduate Students”

**DEPARTMENT OF BIOTECHNOLOGY**  
 MINISTRY OF SCIENCE & TECHNOLOGY, GOVERNMENT OF INDIA

**Department of Zoology**  
 C.M.P. Degree College  
 under the aegis of DBT Star College Scheme  
 is organizing  
**Hands-on Training Workshop**  
 ON  
**"Enzyme Linked Immunosorbent Assay (ELISA)"**

**1.30 PM -5.00 PM**  
**30 SEP 2022**  
 Venue:  
 Zoology Lecture Theatre  
 Zoology Lab (ZLB)

Registration is Free  
 Last Date: 28.09.2022  
 The event is for B.Sc. III students.  
 Students need to register along  
 with one page write up on  
 "ELISA". Seats are limited  
 Selected participants will be  
 provided participation  
 certificates  
 Registration link:  
<https://forms.gle/3M4g9kxv210HhU28d>

**Patron:**  
 Prof. Ajay Prakash Khare  
 Principal

**Convener (Zoology):**  
 Dr. Neerja Kapoor

**Event Convener:**  
 Dr. Vandana Mathur

**Organizing Secretary:**  
 Dr. Manoj Kumar Jaiswal, Dr. Ashish Kumar Mishra & Dr. Charu Tripathi

**Advisory Committee Members:**

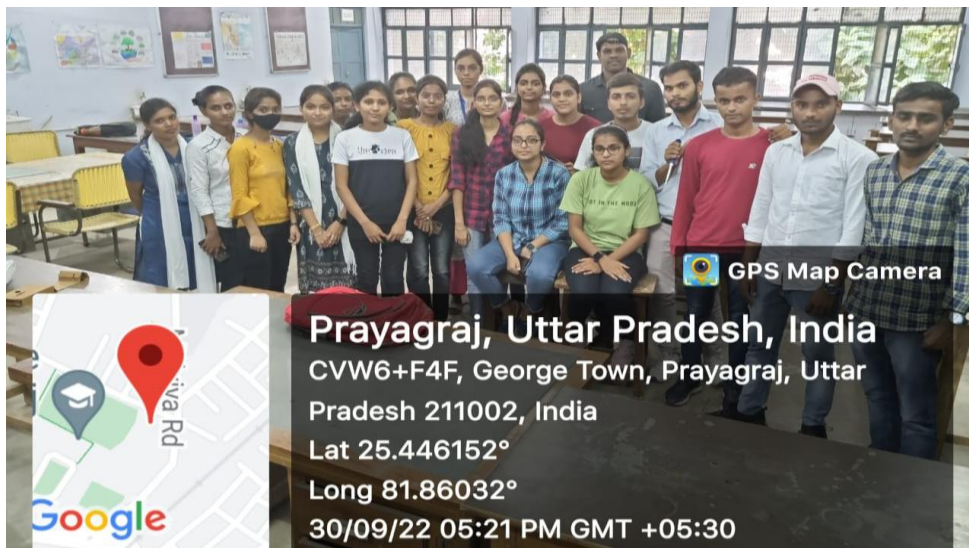
Dr. Vinita Jaiswal	Dr. Vinay Kumar Singh
Dr. Sudhi Srivastava	Dr. Nidhi Tripathi
Dr. Hemlata Pant	Dr. Ajeet Kumar Singh
Dr. Jyoti Verma	Dr. Anuradha

**Details of event:**  
 1.30 PM-2.30 PM: Introductory Lecture on "Basics of ELISA"  
 2.30 PM-5.00 PM: Description of equipment and Hands-on Training on ELISA.

### Hands-on Training workshop organized under the aegis of DBT Star College Scheme (Sep 30, 2022)

Zoology Department of CMP Degree College, Prayagraj organized a hands-on training workshop on “Enzyme Linked Immunosorbent Assay (ELISA)” for B.Sc. 3 rd year students under the aegis of DBT Star College on Sep 30, 2022. The Convener of Zoology Department, Dr Neerja Kapoor told us that CMP

Degree College has become the first college of University of Allahabad to train undergraduate students in this advanced technique of biomedical importance which is used to detect many diseases including hepatitis and AIDS and this a matter of great pride for Zoology Department that we are organizing this event using our own resources. Twenty students were selected for this workshop out of a large number of applicants. This workshop was jointly organized by Dr. Manoj Kumar Jaiswal, Dr. Ashish Kumar Mishra and Dr. Charu Tripathi. The Event Convener, Dr. Vandana Mathur asserted that the department has planned more such events for the benefit of our students and we are likely to open this learning opportunity for students of other colleges and universities. Prof. Ajay Prakash Khare, Principal, CMP Degree college also lauded the efforts put forth by the department of zoology and assured every possible help from his office for furthering the academic atmosphere of the Department.





**Hands-on Training workshop organized under the aegis of DBT Star College Scheme**

**7 DAYS WORKSHOP ON VERMICULTURE  
AND VERMICOMPOSTING OF BIOWASTE  
11 TO 17<sup>TH</sup> OCTOBER 2022**



**Department of Zoology, CMP Degree College,  
University of Allahabad, Prayagraj**

**Principal**  
Dr A.P. Khare

**Convenor**  
Dr. Neerja Kapur

**Organizing Secretary**  
Dr. Jyoti Verma  
Dr. Hemlata Pant

One Week Training Workshop on Vermiculture & Vermicomposting of Biowaste from 11 Oct 2022 to 17 Oct 2022 in the Department of Zoology

**Outcome summary (200) of Short-term Course in Vermiculture and Vermicomposting of Biowaste**

The Certificate Course in Vermiculture and Vermicomposting of Biowaste has been instrumental in providing a comprehensive understanding of sustainable waste management practices. Throughout the program, Students gained valuable insights into the art and science of vermiculture and vermicomposting, acquiring practical skills that can be directly applied to address environmental challenges. The course covered the fundamentals of vermiculture, emphasizing the cultivation of earthworms for organic waste processing. Participants delved into the intricacies of setting up and managing vermicomposting systems, learning about the selection of suitable earthworm species, optimal environmental conditions, and the science behind the decomposition of biowaste. A significant outcome of the course is the students' enhanced ability to design and implement efficient vermicomposting solutions for various types of biowaste. They acquired knowledge on the utilization of vermicompost as a nutrient-rich organic fertilizer, contributing to sustainable agriculture and soil health. Furthermore, the course highlighted the economic and environmental benefits of vermiculture, fostering a holistic understanding of waste-to-resource conversion. In conclusion, the Certificate Course in Vermiculture and



Vermicomposting of Biowaste has empowered students with practical skills and knowledge, enabling them to play a pivotal role in promoting environmentally friendly waste management practices and fostering sustainable development.



### Training Workshop on Vermiculture & Vermicomposting of Biowaste

दरभौली को संस्था में सार्वजनिक प्रोब्लम है। अनुपवीर मिशन के अन्तर्देशीय अन्वेषण प्रो. (डॉ.) जी. एम. खरे ने विभाग 'जलमत्तक विज्ञान एवं इन-सिस्टम' से प्रगत वर्कशॉप के उद्घाटन के प्रति समर्थन

## पढ़ाई के साथ पुनर सीखना आवश्यक: डॉ. खरे



**प्रयागराज:** सोसायटी कॉलेज, प्रयागराज के जंतु विज्ञान विभाग में आयोजित वर्मी कल्चरिंग एवं बायोवेस्ट का पुनर उपयोग नामक कार्यक्रमें में डॉ. एम. खरे ने उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, प्रयागराज के जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, प्रयागराज के जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, प्रयागराज के जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज ने किया।

## वर्मी कल्चरिंग ऑफ बायोवेस्ट का हुआ शुभारंभ

(समुनापार की गाथा) प्रयागराज। सीएमपी, कोलेंज, प्रोफेसर खरे ने अपने वक्तव्य में कहा कि पढ़ाई के साथ साथ



प्रयागराज के जंतु विज्ञान विभाग में मंगलवार को वर्मी कल्चरिंग ऑफ बायोवेस्ट नामक कोर्स का शुभारंभ हुआ। इस कार्यक्रम में सभी का स्वागत डॉ. वंदना माधुर, एसोसिएट प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, प्रयागराज के जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज ने किया।

वास, उनका खानपान एवं उनके आर्थिक महत्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम में डॉ. अमिता पांडे संयोजिका, शॉर्ट टर्म कोर्स ने भी अपनी शुभकामनाएं दी। इस उद्घाटन सत्र का संचालन डॉक्टर डॉ. ज्योति वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज एवं धन्यवाद ज्ञापन डॉ. हेमलता पंत असिस्टेंट प्रोफेसर, जंतु विज्ञान विभाग, सीएमपी, कोलेंज, प्रयागराज ने दिया। उद्घाटन सत्र में जंतु विज्ञान विभाग के प्राध्यापक डॉ. विनीता जयसवाल, डॉ. सुधि श्रीवास्तव, डॉ. मनोज जयसवाल, डॉ. आशीष मिश्रा, डॉ. विनय कुमार सिंह, डॉ. निधि त्रिपाठी, डॉ. अनुराधा, डॉक्टर अजीत कुमार सिंह, डॉक्टर चारु त्रिपाठी सहित सभी शॉर्ट टर्म कोर्स के प्रतिभागी उपस्थित रहे।

7th Annual international conference of Indian Network for soil contamination Research (INSCR) "Modulating The Environment with Microbes". Jointly organized by Phixgen Pvt. Ltd, Gurugram In Association with University of Delhi, CPM College University of Allahabad , Prayagraj, KIIT Bhuvneshwar.

**INSCR**  
Indian Network for Soil Contamination Research

**7th Annual International Conference**  
**Indian Network for Soil Contamination Research (INSCR)**  
7th - 11th November, 2022

75  
Azadi Ka  
Amrit Mahotsav

**INSCR 2022**  
**Modulating the Environment  
with Microbes**

Organized in association with

Acharya Narendra Dev College (DU), Bhaskaracharya College of Applied Sciences (DU), CMP (PG) College, Prayagraj (AU), Deen Dayal Upadhyaya College (DU), Gargi College (DU), Kirori Mal College (DU), Kalinga Institute of Industrial Technology (KIIT), Miranda House (DU), PG Department of Zoology (KU), P.G. Department of Zoology (MU), Ramjas College (DU), School of Allied Sciences (DRIU), Shivaji College (DU), Sri Venkateswara College (DU), SGTB Khalsa College (DU), PhiXgen Pvt. Ltd., Gurugram & International Microbiology Literacy Initiative: South Asian Centre (IMILI-SAC)

Visit us at:  
<http://conference.inscr.co.in/>

Contact us at:  
[INSCR2022@gmail.com](mailto:INSCR2022@gmail.com)

In commemoration of  
Centenary Celebrations  
of University of Delhi

Last updated on: 25th October, 2022  
**CIRCULAR 3.0**

### Summary:

The Indian Network for Soil Contamination Research (INSCR) organized its **7<sup>th</sup> Annual International Conference** titled "**MODULATING THE ENVIRONMENT WITH MICROBES**" from **7<sup>th</sup> to 11<sup>th</sup> November, 2022 in online mode**. The Conference was organized in association with University of Delhi Colleges, namely, Acharya Narendra Dev College; Bhaskaracharya College of Applied Sciences; Deen Dayal Upadhyaya College; Gargi College; Kirori Mal College; Miranda House; Ramjas College; Shivaji College; Sri Venkateswara College & SGTB Khalsa College ; CMP College, Allahabad; Kolhan University, Jharkhand; KIIT University, Orissa; PG Department of Zoology, Magadh

University; SoAS Dev Bhoomi Uttarakhand University, Uttarakhand & Phixgen Pvt. Ltd.

Microbes play diverse roles in agricultural, industrial, clinical, environmental biology and biotechnology which is very significant for the attainment of various Sustainable Development Goals (SDGs). The pandemic COVID-19 brought to forefront the importance of microbial research; be it in microbial genomics, metagenomics, diagnostics or vaccine development. **The central theme behind the INSCR 2022 conference was to facilitate understanding, discussions and inter-disciplinary collaborations for the advancement of microbial research and development.**

Various thematic sessions were carefully planned to host many renowned international and national speakers who will showcase important scientific advances in different aspects of microbiology and emphasize on the role of microbes in modulating various environments. The sessions were not only one-stop platform for knowing recent advancements but also provided the requisite 'food for thought' for future innovations and discourse. Special sessions on **'Microbiology for Science and Society,' 'Women in Science'** and first-time being conducted **'Microbiology in India in the last 75 years'** (to commemorate Azadi ka Amritmahotsav) touched upon the societal aspects including the rising need of Microbiology Literacy, understanding the role & contribution of women scientists and a trip down the memory lane highlighting the status & contribution of Microbiology in India.

**The major highlight of INSCR-2022 was the support of two well-known International Microbiological Societies, ISME, International Society of Microbial Ecology and FEMS, Federation of European Microbiological Societies.** The Editor-in-Chiefs of these two organizations presented in the **Pre-conference Workshops on 'Genomics, Metagenomics and Bioinformatics in Microbial Ecology'** and **'Art of Scientific Writing and Communication'**, scheduled for 7<sup>th</sup> and 8<sup>th</sup> November, 2022, respectively. Keeping in mind the exhaustive nature of online conferences, cultural sessions, agar art competition etc. were also planned.

Further, hosting of **3<sup>rd</sup> Symposium on Ciliate Biology (ISCB)** & **dedicated sessions for UG/PG student & faculty conducted microbial research** were the unique features of the Conference.

All in all, the conference brought together experts from various fields of microbiology on one platform to facilitate bilateral exchange of knowledge, ideas and opinions that can shape the future discourse of microbial research required for the sustainable development.



**7<sup>th</sup> Annual International Conference of  
Indian Network for Soil Contamination Research (INSCR)**

**Modulating the environment with microbes**

Jointly organised by  phiXgen  
Phixgen Pvt. Ltd, Gurugram

In Association with

Acharya Narendra Dev College, DU  
Bhaskaracharya College of Applied Sciences, DU  
CMP (PG) College Prayagraj, Allahabad  
Deen Dayal Upadhyaya College, DU  
Gangri College, DU  
Kohlan University Chaibassa, Jharkhand  
Kironi Mal College, DU  
KITT Bhubaneswar, Odisha  
Miranda House, DU  
PG, Department of Zoology Magadh University  
Ramjas College, DU  
Shivan College, DU  
SoAS, Dev Bhoomi Uttarakhand University  
Sri Venkateswara College, DU  
SGTD Khalsa College, DU

**INSCR 2022**

November 7-11, 2022 | New Delhi | Online Mode

Pre Conference Workshops Supported by     
Federation of European Microbiological Societies  
International Society of Microbial Ecology

\*3<sup>rd</sup> International Symposium on Ciliate Biology 2022 (ISCB-22)

Register here 

Scan QR code

Email us on: [INSCR2022@gmail.com](mailto:INSCR2022@gmail.com)  
Contact us at: +91-1203679147

For more details:  
Click for Circular | Website: <https://conference.inscr.co.in/>

### Registration

Participants are required to register for the seminar either online at <https://forms.gle/HcYAvNVtAwTWBvV6> or offline at the College.

Registration fee should be submitted through NEFT/UPI/Online or by Cash. Registration fee includes of seminar kit, certificate of participation/presentation as well as lunch and tea during the seminar.

### Registration Fee

Participants	Early Bird Registration	On Spot Registration
Academicians/Faculty	1000/-	1200/-
Research Scholars	700/-	800/-
Students	400/-	500/-

### Account Details for NEFT/UPI/Online

- > Account Name: **CMP SPECIAL GRANT ACCOUNT**
- > Account Number: **85161010001480**
- > Bank Name: **CANARA BANK**
- > Branch: **PRAYAG BRANCH, PRAYAGRAJ**
- > IFSC: **CNRB0018616**

### Contact Us

Mobile No. : 9565810473, 8707860463  
Email: [govindgaurav.in@gmail.com](mailto:govindgaurav.in@gmail.com), [politicalseminar.cmp@gmail.com](mailto:politicalseminar.cmp@gmail.com)



**Chaudhary Mahadeo Prasad**  
Founder of the College



**Venue:**  
Auditorium, C.M.P. Degree College

### About C.M.P. Degree College

C.M.P. Degree College is a constituent P.G. College of the University of Allahabad. It was established in the year 1950 by great social reformer and educationist Chaudhary Mahadeo Prasad ji with a vision to aid to the development of Nation by providing quality education. The College is under the governance of 'Kayastha Pathshala', one of the biggest trusts in Asia. The College has four faculty harbouring nearly 12,000 students registered in different undergraduate and postgraduate courses and doctoral programs in Arts, Science, Commerce and Law. Recently the College has been selected under the strengthening component of DBT Star College Scheme by Department of Bio-Technology, Government of India. The College is consistently moving forward with the vision to cater the needs of students from all the sections of society and contribute to the all-round development of students.

### About CSSP

Centre for the Study of Society and Politics (CSSP) was founded in 2003 as an independent think tank by Dr. A. K. Verma, former Chair and Professor at the Department of Political Science, Christ Church College, Kanpur and was associated with Lokniti, CSDS, Delhi for two decades. CSSP, is a research institute and think tank with a view to contributing towards innovative interventions in higher education in social sciences especially in South Asia.

### About Prayagraj

The city of Prayagraj is among the largest cities of Uttar Pradesh and situated at the confluence of three rivers- Ganga, Yamuna and the invisible Saraswati. The meeting point is known as Triveni and is especially sacred to Hindus. Prayagraj is one of the historic and mythological cities of India with glorious past and present.

**Chief Patron**  
**Prof. Sangita Srivastava**  
Hon'ble Vice-Chancellor,  
University of Allahabad, Prayagraj

**Patron**  
**Ch. Jitendra Nath Singh**  
President, Kayastha Pathshala &  
Chairperson, Governing Body,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**Patron**  
**Prof. Pankaj Kumar**  
Dean, College Development &  
Head, Department of Political Science,  
University of Allahabad, Prayagraj

**Chairperson**  
**Prof. Ajay Prakash Khare**  
Principal,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**Director**  
**Dr. Anil Kumar Verma**  
Director,  
Centre for the Study of Society and Politics  
(CSSP), Kanpur

**Convener**  
**Dr. Govind Gaurav**  
Assistant Professor & Convener,  
Department of Political Science,  
C.M.P. Degree College, Prayagraj

**Organizing Secretary**  
**Dr. Arun Kumar Verma**  
Assistant Professor,  
Department of Political Science,  
C.M.P. Degree College

**Advisory Committee**  
Dr. Shripendra Kumar  
Dr. Rajendra Srivastava  
Dr. Archna Srivastava  
Dr. S. P. Singh  
Dr. Sanjay Singh  
Dr. Bhawna Chauhan  
Dr. Sunanda Das  
Dr. Sarbajit Srivastava  
Dr. Naita Sinha  
Dr. Manish Sinha  
Dr. Sojeywada Singh  
Dr. Archna Tripathi  
Dr. Abha Tripathi  
Dr. Babita Agrawal  
Dr. Indira Tripathi  
Dr. Archna Pandey  
Dr. Santia Srivastava (Co-ordinator, IQAC)

**Organizing Committee**  
Dr. Anuradha Singh  
Dr. Anil Srivastava  
Dr. Sanjaya Gupta  
Dr. Vijaykanti Saxena  
Dr. Ruchika Verma  
Dr. Satendra Kumar  
Dr. Nandini Raizada  
Dr. Sanjay Kumar Pandey  
Dr. Avinash Chandra  
Dr. Chandan Kumar  
Dr. Manish Kumar Singh  
Dr. Niraj Kumar Singh  
Dr. Pranay Kant Bhaswa  
Dr. Binshewar Pandey



75  
आज़ादी का  
अमृत महोत्सव

CSSP  
Centre for the  
Study of Society  
and Politics

## National Seminar On Revisiting Democracy, Diplomacy and Development of India@75

Friday, 5<sup>th</sup> August 2022



Organized by

Department of Political Science

C.M.P. Degree College

(A Constituent P.G. College, University of Allahabad)  
Prayagraj, India

in collaboration with

Centre for the Study of Society and Politics  
(CSSP), Kanpur, India

### About Seminar

'Azadi Ka Amrit Mahotsav' is an initiative to celebrate and commemorate 75 years of progressive independent India and its evolutionary journey to strengthen the spirit of democracy, gear up pragmatism in diplomacy and accelerate the pace of development. Hence, it is indispensable to revisit the journey of India in all these three aspects. In light of this, the Department of Political Science, C.M.P. Degree College, Prayagraj in collaboration with the Centre for the Study of Society and Politics (CSSP), Kanpur is organizing a National Seminar on the theme "Revisiting Democracy, Diplomacy and Development of India@75". The objective of this seminar is to celebrate 75 years of India's Independence "Azadi ka Amrit Mahotsav" as well as to assess and evaluate India's pledge to democracy, her diplomatic posture at the world stage and her developmental drive towards self-reliance.

The seminar will be centred on the discourse of realization of the idea of democracy in India and the issues of bridging the elite and grassroots democracy, strengthening people's participation and making politics work for development. It will also focus on the democratic ideals of India, which constructed its identity and influence across the world as a responsible and peaceful power. In recent years, the diplomatic presence and posture of India have been continuously shifting towards a more proactive and pragmatic line, which showcases India's aspirations as a leading power at the global stage. The present stature of development of India from so-called bullock-cart economy to a digital economy has also contributed to this journey of making India great.

Thus, this is the appropriate time to revisit the journey of India from independence and evaluate its achievements and failures. This seminar would provide a platform for the academic and diplomatic community to exchange views on the identified themes in a free and frank manner.

### Sub-themes:

1. History of Democracy in India (from Ancient to Modern)
2. Democracy and Indian Constitution
3. Democracy and Electoral Politics in India
4. Politics of Division to Politics of Development in India
5. Women, Political Participation and Grass-root Democracy
6. Judicial Activism and Indian Democracy
7. Diplomacy as an Instrument of Foreign Policy of India
8. Changing Dynamics of Diplomacy of India at World Stage
9. India's Soft Power Diplomacy
10. COVID and Indian Diplomacy
11. Indian Diplomacy in Indo-Pacific
12. Indian Diaspora and Diplomacy
13. Development in India and Dream of five Trillion Economy
14. Made in India to Make in India
15. Sustainable development and Digital Economy
16. Self-Reliant India

### Call for Paper

Paper proposals in the form of Abstracts are invited on the above sub-themes and main theme of the seminar. An abstract (not exceeding 300 words) should be submitted either in English (Times New Roman, 12 Font) or in Hindi (Kutli Dev-010, 14 Font) in soft copy to the Convener of the Seminar at the email: [politicalseminar.cmp@gmail.com](mailto:politicalseminar.cmp@gmail.com)

### Awards

The three best papers presented in the seminar will be awarded. The decision of the committee will be final.

### Important Dates

Last Date for Submission of Abstract	30 July 2022
Notification of Acceptance of Abstract	31 July 2022

**Note:** Some selected Abstracts of the seminar would be called for submission as full papers, which may be published as an ISBN Book by a reputed National Publisher. In this regard the organizing committee would communicate after screening.

"रीविजिटिंग डेमोक्रेसी डिप्लोमेसी एंड डेवलपमेंट ऑफ इंडिया@75" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

आजादी के अमृत महोत्सव वर्ष की स्मृति में राजनीति विज्ञान विभाग, सी.एम.पी. डिग्री कॉलेज, प्रयागराज और सेंटर फॉर दी स्टडी ऑफ सोसाइटी एण्ड पॉलिटिक्स (सी.एस.एस.पी.), कानपुर के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 5 अगस्त 2022 "रीविजिटिंग डेमोक्रेसी डिप्लोमेसी एंड डेवलपमेंट ऑफ इंडिया@75" विषय पर एक राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि प्रोफेसर पंकज कुमार, डीन, कॉलेज डेवलपमेंट और अध्यक्ष, राजनीति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय, और विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर अनिल कुमार वर्मा, निदेशक सी.एस.एस.पी., कानपुर थे। संगोष्ठी के उद्घाटन सत्र में मुख्य वक्ता प्रोफेसर संजय श्रीवास्तव, राजनीति विज्ञान विभाग, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय और विशिष्ट व्यक्ति प्रोफेसर रिपु सूदन सिंह, अध्यक्ष, लोक प्रशासन विभाग, बाबासाहेब भीमराव अम्बेडकर केन्द्रीय विश्वविद्यालय, लखनऊ थे। सत्र की अध्यक्षता और अतिथियों का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने किया। उद्घाटन सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी के संयोजक डॉ गोविंद गौरव ने संगोष्ठी की संकल्पना प्रस्तुत की और संगोष्ठी के विषय और उसकी रूपरेखा पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथियों के द्वारा संगोष्ठी की स्मारिका का विमोचन किया गया जिसमें 97 चयनित सारांशिकाओं को प्रकाशित किया गया।

उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए प्रोफेसर पंकज कुमार ने लोकतंत्र के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता और भारत में लोकतंत्र के समृद्ध इतिहास का विश्लेषण प्रस्तुत किया। इसी चर्चा को आगे बढ़ाते प्रोफेसर अनिल कुमार वर्मा ने लोकतंत्र और चुनावी राजनीति के निहितार्थ को स्पष्ट किया और सेंटर फॉर थे स्टडी ऑफ डेवलपिंग सोसाइटी के फेलो के रूप में किए गए अपने कार्यों और अनुभव को भी साझा किया। मुख्य व्यक्ति प्रोफेसर संजय कुमार ने "मैपिंग इंडियन डिप्लोमेसी@75" विषय पर संगोष्ठी को संबोधित किया और बताया कि भारतीय कूटनीति की शुरुवात भारत के विदेश मंत्री ने नहीं बल्कि गृह मंत्री सरदार पटेल रियासतों के एकीकरण की सशक्त नीति और कार्यवाही से की थी। विशिष्ट व्यक्ति प्रोफेसर रिपुसूदन सिंह ने 5 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था का लक्ष्य, भारत में विकास और लोकतंत्र की चुनौतियां विषय पर प्रकाश डाला। इस सत्र में डॉ अनिल कुमार वर्मा की पुस्तक ए ग्रामर ऑफ पॉलिटिक्स और कॉलेज के रसायन विज्ञान विभाग की पुस्तक कोरोना: एक महामारी के अतिरिक्त डॉ गोविन्द गौरव और डॉ अरुण कुमार वर्मा के सम्पादन में आने वाली पुस्तक "इंडिया@75: डेमोक्रेसी, डिप्लोमेसी एण्ड डेवलपमेंट" के आवरण पृष्ठ का भी विमोचन हुआ।

इसके पश्चात तीन तकनीकी सत्रों में कुल 70 शोध पत्रों का प्रस्तुतीकरण किया गया। इन सत्रों की अध्यक्षता डॉ नीलिमा सिंह, डॉ शिव हर्ष सिंह और डॉ संघ सेन सिंह ने की। डॉ हिमांशु यादव, डॉ अतुल कुमार वर्मा और डॉ अखिलेश पाल क्रमशः इन तकनीकी सत्रों के सह-

अध्यक्ष रहे। सत्र के अंत में तीन सर्वश्रेष्ठ पत्रों को प्रस्तुत करने वाले शोधार्थियों को पुरस्कृत भी किया गया।

संगोष्ठी के समापन सत्र में मुख्य अतिथि जी बी पंत सोशल साइंस इंस्टिट्यूट के निदेशक प्रोफेसर बट्टी नारायण और विशिष्ट अतिथि लखनऊ विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के पूर्व अध्यक्ष प्रोफेसर आर के मिश्र थे। इस सत्र की मुख्य वक्ता प्रोफेसर अनुराधा अग्रवाल, निदेशक, महिला अध्ययन केंद्र, इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने भर में राजनीतिक विकास और लोकतान्त्रिक विमर्श को उठाया। वहीं विशिष्ट व्यक्ता जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय के डॉ अभिषेक श्रीवास्तव ने भारत की अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी और वैश्विक स्तर पर उसकी नेतृत्व कुशलता, विशेषकर कोविड काल का वृहद विश्लेषण प्रस्तुत किया।

सत्र के अंत में संयोजक डॉ गोविन्द गौरव ने संगोष्ठी की रिपोर्ट प्रस्तुत की और बताया कि इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में भारत के दस राज्यों और 24 विश्वविद्यालयों से लगभग 200 शिक्षकों और शोधार्थियों ने अपने शोध पत्र प्रेषित किए जिनमें से समीक्षा के पश्चात 97 का प्रकाशन और तकनीकी सत्र में 70 का प्रस्तुतीकरण हुआ। इस तरह यह राष्ट्रीय संगोष्ठी अपने उद्देश्य को सफलतापूर्वक प्राप्त करने में सफल रही।

कार्यक्रम के अंत में आयोजन सचिव डॉ अरुण कुमार वर्मा ने धन्यवाद ज्ञापन किया और इसका संचालन राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र भार्गव कुमार ने किया। इस राष्ट्रीय संगोष्ठी में बड़ी संख्या में शिक्षकों और छात्रों की उपस्थिति रही। राजनीति विज्ञान विभाग के शोधार्थियों और परास्नातक छात्र-छात्राओं ने इस संगोष्ठी को सफल बनाने में पूरी तन्मयता से अपना योगदान दिया।





सत्र की अध्यक्षता और अतिथियों का स्वागत कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे ने किया

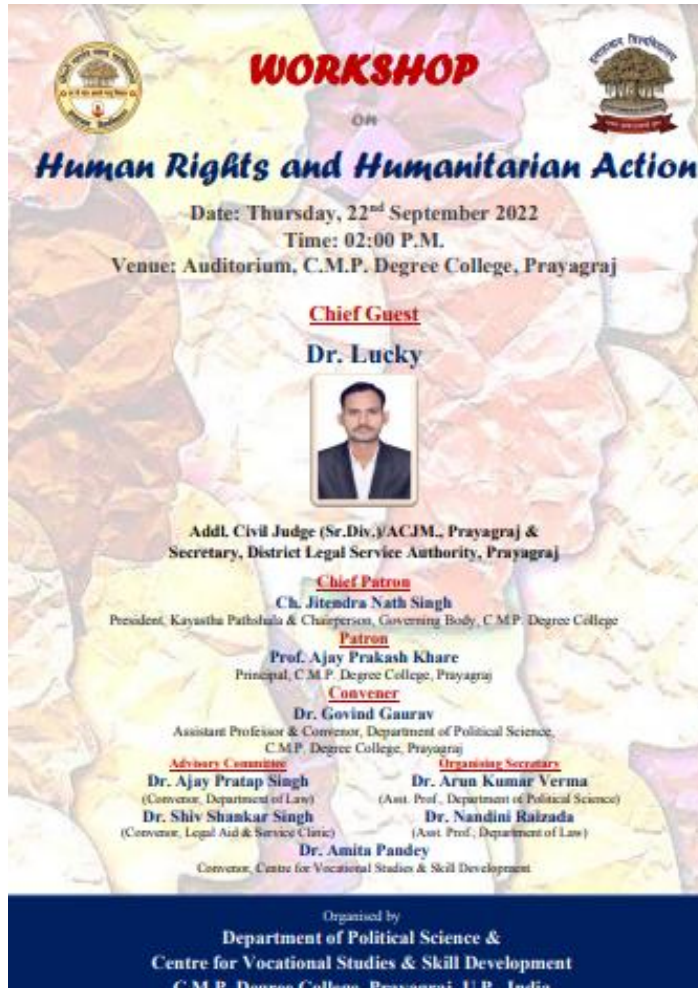






"रीविजिटिंग डेमोक्रेसी डिप्लोमेसी एंड डेवलपमेंट ऑफ इंडिया@75" विषय पर राष्ट्रीय संगोष्ठी का सफल आयोजन

**Report**  
**Workshop**  
**on**  
**Human Rights and Humanitarian Action**  
**22<sup>nd</sup> September 2022**



Department of Political Science, C.M.P. Degree College organized a workshop on “Human Rights and Human Action” on 22<sup>nd</sup> September 2022 in collaboration with the Centre for Vocational Studies and Skill Development. The chief guest of the program was ACJM and the Secretary of District Legal of the Services Authority, Lucky .Dr. The program was presided over by the Principal of the college Prof . Amita Pandey .welcomed by Dr

the coordinator of the program ,Govind Gaurav .he workshop was introduced by DrT. He also explored the discussion on human rights issues ,Shiv Shankar Singh .After this Dr . Convener of Legal Aid Service of the College described the dimensions of Human Right and .the constitutional provisions Lucky presented the context of Human .Chief Guest Dr ,In the next episode of the program .Rights in Judiciary and Legal Perspective an interactive session was held in which on the subject of the participants discussed various questions .human rights with experts Nandini Raizada discussed .Dr ,After this the issues of human dignity in Nandini Raizada and the vote of .The program was conducted by Dr .human rights thanks was given .Arun Kumar Verma .by Dr

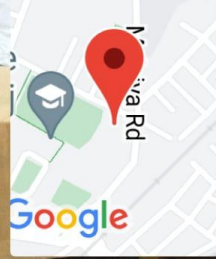
## मानवाधिकार और मानवीय क्रिया पर कार्यशाला का सफल आयोजन

प्रयागराज। सी एम पी महाविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग और सेंटर फॉर वोकेशनल स्टडीज के संयुक्त तत्वाधान में दिनांक 22 सितम्बर 2022 को "मानवाधिकार और मानवीय क्रिया" पर कार्यशाला का सफल आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसीजेएम और डिस्ट्रिक्ट लीगल सर्विसेज अथॉरिटी के सचिव डॉ लकी थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो अजय प्रकाश खरे ने और अतिथियों का स्वागत डॉ अमिता पाण्डेय ने किया। कार्यशाला का परिचय कार्यक्रम के संयोजक डॉ गोविन्द गौरव ने दिया और मानवाधिकार के विमर्श को प्रस्तुत किया। इसके पश्चात महाविद्यालय के लीगल ऐड एण्ड सर्विस के संयोजक डॉ शिव शंकर सिंह ने मानवाधिकार के विधिक आयाम और संवैधानिक प्रावधानों से परिचय कराया। मुख्य अतिथि डॉ लकी ने न्यायपालिका और विधिक परिप्रेक्ष्य में मानवाधिकार के संदर्भ को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम के अगली कड़ी में प्रतिभागियों ने मानवाधिकार विषय पर विभिन्न प्रश्नों पर विशेषज्ञों से चर्चा की। इसके पश्चात डॉ नंदिनी रायजादा ने मानवीय गरिमा और मानवाधिकार पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन डॉ नंदिनी रायजादा ने धन्यवाद ज्ञापन डॉ अरुण कुमार वर्मा ने किया।

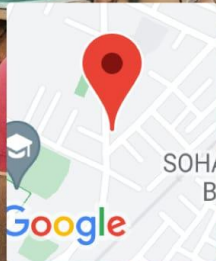








Prayagraj, Uttar Pradesh, India  
CVW6+F4F, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh 211002, India  
Lat 25.446136°  
Long 81.860302°  
22/09/22 04:19 PM GMT +05:30



Prayagraj, Uttar Pradesh, India  
33, George Town, Prayagraj, Uttar Pradesh 211001, India  
Lat 25.44686°  
Long 81.860853°  
22/09/22 03:59 PM GMT +05:30







Program Events Photographs

## Workshop



**Chaudhary Mahadeo Prasad Degree College** added 9 new photos from 2 February at 10:20.

Yesterday at 23:50 · 🌐

संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला (16 जनवरी से 15 फरवरी) के क्रम में संस्कृत विभाग में व्याख्यान का आयोजन

उत्तर प्रदेश संस्कृत संस्थान, लखनऊ एवं समन्वय रंगमण्डल, प्रयागराज के संयुक्त तत्वावधान में संस्कृत-विभाग, सी.एम.पी. महाविद्यालय में एकमासात्मक (16 जनवरी से 15 फरवरी) संस्कृत नाट्य प्रशिक्षण कार्यशाला की व्याख्यानमा के द्वितीय व्याख्यान के अन्तर्गत दिनांक- 02.02.2020 को इलाहाबाद संग्रहालय के डॉ. राजेश कुमार मिश्र जी ने "नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रेक्षागृह" विषय पर अत्यन्त गम्भीर एवं प्रभावशाली व्याख्यान दिया।

डॉ. मिश्र ने कहा कि वस्तुतः नाटक सौन्दर्य से शिव को प्राप्त करने की यात्रा है। यह शिवत्व ही नाटक का मुख्य लक्ष्य है। मिश्र जी ने नाट्यशास्त्र में वर्णित प्रेक्षागृहों को... [More](#)



Inaugural of Natya workshop

The Sanskrit Department of CMP College organizes various drama workshops from time to time, which result in a very beautiful Sanskrit drama. In this sequence, in the year **2020**, the Sanskrit Department organized Natya-workshop of one month in collaboration with the **Uttar Pradesh Sanskrit Sansthan** Lucknow, in which the participants gained knowledge of the nuances of Sanskrit-drama through lectures by many eminent scholars of Natyashastra. At the end of the workshop, **Mrichchhaktikam** composed by Shudrak was staged on the prestigious stage of North Central Zone Cultural Center [NCZCC] with the co-operation of departmental professors and students. Similarly, in October-November **2022**, one month Sanskrit drama workshop was again successfully organized by the Sanskrit Department, which culminated in the staging play **Pratimanatakam** of Mahakavi Bhasa on the occasion of International Seminar.



Certificate distribution of workshop to participant



Natya Practice on the occasion of International Seminar

# International Seminar



Pictures of International Seminar

Department of Sanskrit has organized two Days International Seminar on the topic **Anand Tattva In Sanskrit Vangamay** on 26-27 November, 2022. Prof. Srinivash Varkedi, Vice Chancellor, Central Sanskrit University, New Delhi, was chief guest, Prof. Suresh Chandra Pande, Ex. HOD, Department of Sanskrit, University of Allahabad, was the keynote speaker in the inaugural ceremony . The event was chaired by Dr. Philip Ruchinski, a great scholar from Poland and the guest of honour was Dr. D. Prabha from England. In the valedictory ceremony Prof Hare Ram Tripathi, Vice Chancellor, Sampurnanand Sanskrit University Varanasi, Prof Gopabandhu Mishra, Ex. Vice Chancellor, Shrisomnath Sanskrit University, Veraval, Gujrat, and Prof Umakant Yadav, HOD, Department of Sanskrit were honoured the occassion.

In this Seminar more than 350 participants were registered while more than 200 participants shared their valuable,innovative information by reading papers in 12 technical sessions at four different places. We had also organized a special online session in which scholars from the Netherlands, Nepal, Himachal Pradesh and Mirzapur district of Uttar Pradesh participated in this seminar and increased our knowledge with their scholarly thoughts.



Validictory Session of International Seminar









आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री के रूप में के. जे. रेड्डी को 2004 में हटाया गया था।

## आनंदमय जीवन को सत्वगुण प्रधान व्यक्तित्व का करें निर्माण : प्रो. हरेराम

**प्रयागराज (एसएमपी)।** सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि आनंदमय जीवन के लिए सत्वगुण प्रधान व्यक्तित्व का निर्माण करना जरूरी है। उनका कहना है कि वास्तविक आनंद तो ब्रह्मानन्द ही है। सीएमपी कॉलेज के संस्थापक प्रो. अजय प्रकाश खरे ने भी इस अवसर पर प्रो. हरेराम त्रिपाठी के विचारों का स्वागत किया।

### विभिन्न देशों के दो सौ प्रतिभागियों ने प्रस्तुत किये शोध पत्र

सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, वाराणसी के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि आनंदमय जीवन के लिए सत्वगुण प्रधान व्यक्तित्व का निर्माण करना जरूरी है। उनका कहना है कि वास्तविक आनंद तो ब्रह्मानन्द ही है। सीएमपी कॉलेज के संस्थापक प्रो. अजय प्रकाश खरे ने भी इस अवसर पर प्रो. हरेराम त्रिपाठी के विचारों का स्वागत किया।

### सीएमपी में शोध संगोष्ठी का समापन

प्रयागराज। सीएमपी के संस्कृत विभाग में शोध संगोष्ठी का समापन हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. हरेराम त्रिपाठी, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, सारस्वत अतिथि प्रो. गोपबन्धु मिश्र, पूर्व कुलपति, श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात, विशिष्ट अतिथि प्रो. उमाकांत यादव रहे।

### 200 से अधिक प्रतिभागियों ने किया पत्र वाचन

सफलता की बधाई दी। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने बताया कि संगोष्ठी में प्रकाश खरे ने बताया कि संगोष्ठी में प्रकाश खरे ने 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र का वाचन किया। डॉ. भानु प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि इसमें जम्मू, हिमाचल प्रदेश आदि प्रान्तों से तथा विदेशों के लगभग 340 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया था। संयोजक डॉ. सुरेंद्र पाल सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने धन्यवाद ज्ञापित किया। संचालन डॉ. मनोज कुमार ने किया।

### वास्तविक आनन्द तो 'ब्रह्मानन्द'

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के संस्कृत विभाग दो दिनी अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी का समापन सोमवार को हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने कहा कि वास्तविक आनन्द तो 'ब्रह्मानन्द' ही है, क्योंकि समाधिस्थ साधक में सत्व गुण का प्राधान्य होता है, जो आनन्द प्रदाता होता है। प्रो. गोपबन्धु मिश्र, प्रो. उमाकांत यादव, प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे और डॉ. भानु प्रकाश त्रिपाठी ने भी विचार रखे। इस अवसर पर डॉ. सुरेंद्र पाल सिंह, डॉ. मनोज कुमार आदि मौजूद रहे।

### अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी आयोजित



प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के संस्कृत विभाग में शोध संगोष्ठी का समापन हुआ। मुख्य अतिथि प्रो. हरेराम त्रिपाठी, संपूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय, सारस्वत अतिथि प्रो. गोपबन्धु मिश्र, पूर्व कुलपति, श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय, गुजरात, विशिष्ट अतिथि प्रो. उमाकांत यादव रहे।

### उपज महम

उपज महम का आयोजन सीएमपी डिग्री कॉलेज के संस्कृत विभाग में हुआ। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्रों का वाचन किया।

### वास्तविक आनंद तो ब्रह्मानंद ही है : त्रिपाठी

जयपुर। सीएमपी डिग्री कॉलेज के संस्कृत विभाग की अंतरराष्ट्रीय शोध संगोष्ठी के आखिरी दिन मुख्य अतिथि सम्पूर्णानन्द संस्कृत विश्वविद्यालय वाराणसी के कुलपति प्रो. हरेराम त्रिपाठी ने आनंद तत्त्व को व्याख्या की। उन्होंने कहा कि वास्तविक आनंद तो ब्रह्मानंद ही है, जो आनंद प्रदाता होता है। श्रीसोमनाथ संस्कृत विश्वविद्यालय गुजरात के पूर्व कुलपति प्रो. गोपबन्धु मिश्र, विशिष्ट अतिथि प्रो. उमाकांत यादव रहे। प्राचार्य प्रो. अजय प्रकाश खरे ने कहा कि 12 सत्रों में 200 से अधिक प्रतिभागियों ने अपने शोध पत्र का वाचन किया। डॉ. भानु प्रकाश त्रिपाठी ने बताया कि इस द्विदिवसीय संगोष्ठी में भारत के जम्मू, हिमाचल प्रदेश, बिहार, झारखण्ड, उड़ीसा, राजस्थान, गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश के अतिरिक्त इंग्लैंड, पोलैंड, नेपाल, नीडरलैंड के लगभग 200 प्रतिभागियों ने शोधपत्र का वाचन किया। संगोष्ठी-संयोजक डॉ. सुरेंद्र पाल सिंह मौजूद थे।

### अष्टम मास में लालत फलाज के जरिए मोक्ष की प्राप्ति

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज में संस्कृत वंगमस में आनंद तत्त्व विषयक अंतरराष्ट्रीय सेमिनार हुआ। मुख्य अतिथि केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. श्रीनिवास बरखेड़ी ने शिक्षा नीति को आनंद तत्त्व से जोड़ते हुए अपनी बात प्रस्तुत की। दिव्याभ्या तथा शिवानंद शास्त्री ने अष्टम मास के बारे में ललित कलाओं के जरिए मोक्ष प्राप्त करने के बारे में बताया। 100 से अधिक शोधपत्र प्रस्तुत किए। संचालन डॉ. दीपति मिश्र, डॉ. सत्य प्रकाश श्रीवास्तव ने किया। जयपुर।

News Coverage of International Seminar

## Cultural Evening : International Seminar Sanskrit-Kavi Sammelan

On the first day [26 November 2022] of the International Seminar, **Sanskrit-Kavi Samvaya** was organized in the afternoon, in which the learned participants from India and abroad showered the graceful and elegant stream of Sanskrit poetry. **Prof. Rahasbihari Dwivedi**, Former Head, Department of Sanskrit, Jabalpur University, **Prof. Janardan pandey Mani**, Central Sanskrit University, Ganganath Jha Campus, **Prof. Vijay Karna**, Motihari University, **Dr. Rajendra Tripathi 'Rasraj'**, Allahabad Degree College, **Dr. Suryakant**, Gorakhpur University etc. famous poets were there.



Cultural Event in International Seminar

विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर "सेव ओजोन लेयर सेव लाइफ़" विषय पर रसायन विज्ञान,जुलोजी,वनस्पति और फिजिक्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में डी.बी.टी.स्टार कालेज के तहत राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन



**C.M.P. Degree College**

(A constituent P.G. College, University of Allahabad)



**National Seminar**

**on**

**WORLD OZONE DAY**

**"Save Ozone Layer Save Life"**

Jointly Organized by

Department of Chemistry, Botany and Zoology

C.M.P. Degree College,

University of Allahabad, Prayagraj

आज दिनांक 16 सितंबर 2022 को विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर "सेव ओजोन लेयर सेव लाइफ़" विषय पर रसायन विज्ञान,जुलोजी,वनस्पति और फिजिक्स विभाग के संयुक्त तत्वावधान में डी.बी.टी.स्टार कालेज के तहत राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन सुबह 11 बजे से वनस्पति विज्ञान विभाग के आडिटोरियम में किया गया रसायन विज्ञान विभाग के द्वारा "जल साक्षरता " पर शुरू हुए सर्टिफिकेट कोर्स का शुभारंभ भी इस अवसर पर किया गया।कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में इलाहाबाद विश्वविद्यालय के डीन साइंस प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव ने कहा कि जल प्रबंधन से जल की चुनौतियों से निपट सकते हैं जल की उपलब्धता की कमी का मुद्दा जल की गुणवत्ता से जुड़ा है हमारे करीब 70 प्रतिशत जल स्रोत प्रदूषित हैं और हमारी प्रमुख नदियां प्रदूषण के कारण सूख रही हैं आज भूजल में flouride और आर्सेनिक की मात्रा बढ़ रही है।जिससे अनेक जल जनित रोग उत्पन्न हो रहे हैं। मुख्य वक्ता के रूप में कुलानुशासक प्रोफेसर राजेंद्र सिंह रज्जू भैया विश्वविद्यालय डॉ अविनाश श्रीवास्तव ने कहा कि वेदों उपनिषदों में जल को देवता माना गया है जल हमारी रक्षा करें ऐसी प्रार्थना है जल ही जीवन का आधार है लोकमानस के कवि गोस्वामी तुलसीदास ने लिखा है हित अनहित पशु पक्षिहं

जाना दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज मनुष्य अपने अविवेकपूर्ण निर्णयों और औपनिवेशिक सोच के कारण प्राकृतिक संसाधनों का लगातार दोहन कर रहा है। प्रकृति केन्द्रित विकास की अवधारणा ही इन चुनौतियों से निपटने में सक्षम है। अध्यक्षता करते हुए कालेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश ने कहा कि विकसित देशों ने तमाम जहरीले गैसों का उत्सर्जन किया और आज जो विकासशील देश हैं उन्हें भी रोक रहें यह जिम्मेदारी उनकी है जिन्होंने समस्या खड़ी की है। जल साक्षरता कोर्स के शुभारंभ पर उन्होंने कहा कि यह हमारी नैतिक जिम्मेदारी है कि जल संरक्षण के लिए अपनी भूमिका निभाएं।

कार्यक्रम की संयोजक रसायन विज्ञान विभाग की संयोजिका डॉ बबिता अग्रवाल ने विश्व ओजोन दिवस के बारे में विस्तृत जानकारी देते हुए आवाहन किया कि हमें छोटे छोटे प्रयासों से ही पर्यावरण को संरक्षित करना होगा। सौर ऊर्जा, इलेक्ट्रिक vehicle, ईको फ्रेंडली क्लीनिंग प्रोडक्ट के उपयोग से ओजोन क्षरण में कमी आएगी। डॉ अर्चना पांडेय ने भी छोटे छोटे उपायों पर ही जोर देने के लिए कहा। कार्यक्रम का संचालन डॉ प्रमोद शर्मा ने किया इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से डॉ अमिता पांडेय डॉ अनिल शुक्ला, डॉ सरिता श्रीवास्तव, डॉ विशाल श्रीवास्तव, डॉ दीपांजलि पांडेय सहित बड़ी संख्या में प्रोफेसरस और जल साक्षरता कोर्स के छात्र छात्राएं उपस्थित रहे।



Inaugural Session of World Ozone Day



विश्व ओजोन दिवस के अवसर पर "सेव ओजोन लेयर सेव लाइफ़" राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

## One Day National Workshop on “Psychological Wellbeing”



### One Day National Workshop On

### “Psychological Wellbeing”

In Collaboration with

CMP Degree College and DMHP Allahabad

Department of Chemistry  
CMP Degree College,  
University of Allahabad

**A one day National Seminar on “Psychological Wellbeing” was organized by Department of Chemistry in collaboration with DMHP, the National Psychological Health Program, Govt. of India, Allahabad on November 20<sup>th</sup>, 2018.** Dr. V.K. Mishra, Add. CMO and Nodal Officer, NCDC, Prayagraj was invited as the chief guest of the programme. Interesting lectures were delivered by Dr. Rakesh Paswan, psychologist, Dr. Ishanya Raj, clinical psychologist and Dr. Shailesh Maurya, District Counselor of Tobacco Control Cell.

The event commenced with the Chief Proctor Dr. Santosh Kumar Srivastava welcoming our Patron Ch. Raghvendra ji , President of K.P. Trust, by giving him a bouquet. Chief Guest Dr. V.K.Mishra , Guest of Honour Prof. Vijay Krishna and Dr. B.K.Singh. , Co-Patron- Dr. Brijesh Kumar, Principal, C.M.P.Degree College with all the honoured Guests, Full team of Doctors, were welcomed with bouquets offered by our faculty members.

The seminar began with the lightening of the lamp by our respected guests assisted by Dr. Deepanjali Pandey, Dr. Deepa Srivastava and Dr. Arjita Srivastava. It continued with “Saraswati Vandana” song praising goddess Saraswati by a group of P.G. students of Music Department. The welcome address to all the members on dice and invites was given by Dr. Mridula Tripathi (Convener).

The workshop was inaugurated by our Patron Ch. Raghvendra Nath Singh, President of K.P. Trust. He presided over the session emphasizing on the importance of this seminar and wishing it to attain all its success. He emphasized that such workshop should be attended by all the students and faculty members as this will certainly help them to mentally tackle all the problems they might come across in future.



The Keynote address was given by Dr. Rakesh Paswan, Nodal Officer, Prayagraj. He discussed common characteristics which are seen to affect the person's personality, thought process or social interaction. All these factors are found to be present in all human beings in some or the other way making this workshop beneficial to mankind. The Co-Patron- Dr. Brijesh Kumar, Principal, C.M.P. Degree College, happily introduced the achievements and developments of the College.

Guest of Honour Prof. Vijay Krishna, Ex. Head and Ex. Dean of Science Faculty, University of Allahabad, also shared his views about this seminar. He said there is a close relation between the chemical hormones generated during a condition responsible for the psychological behavior of any human being. Hence, chemistry is seen in every aspect of life.

The present seminar was conducted in the two sessions.

### **Session I was the Lecture Session.**

This session had Guest of Honour Prof. S.S.Narvi, Motilal Nehru National Institute of Technology.

This session was presided over by the Chief Guest Dr. V.K.Mishra, Additional C.M.O. of non-communicable disease cell, Prayagraj. The session had the lectures by some of the famous doctors of Prayagraj city. Lecture by Dr. Ishanya Raj was on clinical psychology including problems of autistic patients in detail.

Dr. Shailesh Maurya shared his vast research experience on how tobacco use is one of the leading causes of deteriorating psychological wellbeing. Dr. Sadik Ali tried to spread awareness on the issue of non-communicable disease and their magnitudes through his impressive lecture.

Lecture by Dr. V.K.Mishra was on psychological distress especially found in students and youngsters during examinations phobic anxiety disorder, schizophrenia, alcoholism etc., and also throwing light on its management. Mr. Jai Shankar also discussed on these issues, giving interesting facts to its understanding.

**Session II was the Interactive Session.** The chief guest of this session was Dr. B.K.Singh. Most of the questions arising in the mind of the students were resolved by the team of renowned doctors present on the dais. With many questions in mind, M.Sc. and B.Sc. Chemistry students showed their active participation in this session. Among teachers, Dr. Archana Pandey, Dr. Sunanda Das, Dr. A.k.Shukla, Dr. Babita Agarwal, Dr. Praveen Tripathi, Dr. D.K.Sahu, 'Dr. Ranjeet Kumar, and Dr. Pramod Kumar participated in this questionnaire session. There were many more faculty members from different institutes also showed their valuable presence. Teacher's valuable discussions with the speakers about natural antioxidants and its role in controlling hormonal imbalance during these cases proved very beneficial to the students.

The workshop was well anchored by our youngest faculty member Miss. Himani Chaurasia. The valedictory session has the certificate distribution. All the attendees were given participation certificate by Dr. Pravin Singh, Dr. Abhishek Srivastava, Dr. Vishal Srivastava, Dr. Ashok Kumar Ranjan and Dr. Akram Ali. Finally, a vote of thanks was given by Dr. Monika Singh, Organizing Secretary of the workshop, to the respected Ch. Raghvendra ji, for giving the venue facility, Dr. Brijesh Kumar for his guidance and District Mental Health Programme(DMHP) for the funding assistance. Finally, Dr. Monika Singh thanked all the members on the dice by giving them a plant as a mementous. And felt grateful to all the faculty members, participants and media persons for showing their great interest and making the workshop beneficial to all.



One day National Seminar on "Psychological Wellbeing"

**3 DAYS HANDS-ON-WORKSHOP ON "TECHNIQUES IN MOLECULAR BIOLOGY & BIOCHEMISTRY" (18-20 SEPTEMBER 2019)**



3 days National Workshop on "Techniques in Molecular Biology and Biochemistry" is being organized by the Botany Department of the College and Cytogene Research Laboratories, Lucknow.

The workshop was inaugurated today in the Botany Department by Dr. SN Srivastava (Former Head of the Department of Botany, CMP Degree College). Dr. Meena Rai, Convener of the Department extended a formal welcome to the invited guest and delegates. Dr. Neha Pandey, Organizing Secretary of the workshop convened the program and gave a brief outline about the three days workshop. Er. Sujeet Singh, Director of Cytogene Research and Development Laboratory, Lucknow gave a brief outline about the techniques to be included in 3 days sessions of the workshop.

On the occasion, a workshop manual was released by the Principal Dr. Brijesh Kumar along with other senior faculty members of the department.

All the faculty members of Botany, Zoology, and Chemistry departments were present during the inaugural session of the programme.



The workshop was inaugurated in the Botany Department by Dr. SN Srivastava (Former Head of the Department of Botany, CMP Degree College)



Cytogene Research and Development Laboratory, Lucknow gave a brief outline about the techniques to be included in 3 days sessions of the workshop

## An Online Seminar INTERNATIONAL HUMAN RIGHTS DAY CELEBRATION

**जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इलाहाबाद**  
&  
**लीगल एड एंड सर्विस क्लिनिक,  
सीएमपी डिग्री कॉलेज, प्रयागराज,  
(इलाहाबाद विश्वविद्यालय)**  
" अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस समारोह "

महोदय,  
जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, इलाहाबाद एवं लीगल एड एंड सर्विस क्लिनिक,  
विधि विभाग, सीएमपी डिग्री कॉलेज प्रयागराज द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार  
दिवस के अवसर पर गुरुवार, 10 दिसंबर, 2020 को अपराह्न 1:30 बजे जूम एप पर  
शैक्षणिक संगोष्ठी का आयोजन किया जा रहा है। इस संगोष्ठी में आप सादर आमंत्रित हैं।

**सम्मानित अतिथि**

  
**Madam Neesha Jha**  
Additional District Judge  
Nodal Officer,  
DLSA Prayagraj.

  
**Shri Chandra Mani Joshi,**  
Secretary, DLSA,  
Prayagraj.

  
**Shri. Utsav Gaurav Raj,**  
Railway Magistrate,  
Prayagraj

  
**Madam Nazia Nafees**  
Social Worker,  
Founder - Al Kausar  
Society

  
**Ch. Raghavendra Nath Singh,**  
Chief Patron  
Sr. Vice President, K.P. Trust.

  
**Dr. Brijesh Kumar,**  
Patron,  
Principal, CMP

  
**Dr. A.P. Singh**  
Head, Law Faculty,  
Cmp

  
**Dr. R.D. Kishor,**  
Organising Secretary,  
Co-ordinator, Legal Aid &  
Service Clinic

**Meeting ID: 84869747298 Password: 12345**  
संयोजन एवं संचालन: डॉ० रेनु सिंह, डॉ० पदमा अपराजिता पारिजा, डॉ० गोविंद गौरव,  
डॉ० रुचिका, डॉ० ऋतु रघुवंशी एवं लीगल एड एंड सर्विस क्लिनिक टीम।

C.M.P. Degree College cordially invites you to join an Online Seminar on Human Rights jointly organizing by District Legal Service Authority (DLSA) and Legal Aid Service Clinic, C.M.P. Degree College on International Human Rights Day, 10th December 2020 at 01:30 P.M.

Online platform: ZOOM Meeting App

Meeting Id.: 84869747298

Password: 12345

Hon'ble Guests of the Programme:

\* Madam Nisha Jha (Additional District Judge & Nodal Officer, DLSA, Prayagraj)

\* Mr. Chandra Mani Joshi (Secretary, DLSA, Prayagraj)

\* Mr. Utsav Gaurav Raj (Railway Magistrate, Prayagraj)

\* Madam Nazia Nafees (Social Worker & Founder, Al-Kausar Society)

Chief Patron:

Ch. Raghavendra Nath Singh (Sr. Vice-president, K. P. Trust)

Patron:

Dr. Brijesh Kumar (Principal, C.M.P. Degree College)

### Organizing Committee

\* Dr. A. P. Singh (Head, Department of Law, C.M.P. Degree College)

\* Dr. R. D. Kishor (Organizing Secretary & Coordinator, Legal Aid & Service Clinic, C.M.P. Degree College)

Compering of the Programme by:

Dr. Renu Singh, Dr. Padma Aparajita Parija, Dr. Govind Gaurav, Dr. Ruchika, Dr. Ritu Raghuvanshi & Legal Aid and Service Clinic Team

Note:

\*No Registration Fee.

\*E-Certificate will be provided to all the participants.

On the occasion of International Human Rights Day, an online seminar was organized under the joint aegis of District Legal Services Authority and Legal Aid and Service Clinic at CMP Degree College on 10 December 2020. On this occasion, District Legal Services Authority (DLSA) Prayagraj Nodal Officer and ADJ Madam Nisha Jha and Secretary, Chandramani ji along with Shri Utsav Gaurav Raj, Railway Magistrate, Prayagraj and Madam Nazia Nafees, founder and social worker of Al-Kausar Society, were the chief guests. On this occasion, District Legal Services Authority (DLSA) Prayagraj Nodal Officer and ADJ Madam Nisha Jha and Secretary, Chandramani ji along with Shri Utsav Gaurav Raj, Railway Magistrate, Prayagraj and Madam Nazia Nafees, founder and social worker of Al-Kausar Society, were the chief guests. College Principal Dr. Brijesh Kumar welcomed the guests and the program was presided over by Senior Vice President of Kayastha Pathshala, Ch. Raghavendra Nath Singh did it. On this occasion, ADJ Madam Nisha Jha highlighted the role of judiciary in the context of implementation of human rights laws. Railway Magistrate Shri Utsav Gaurav Raj took the discussion forward in the context of human rights development and Indian culture. Shri Chandramani ji discussed the issues of human rights violations. Madam Nazia Nafees mentioned the role of duties in the context of the implementation of human rights.

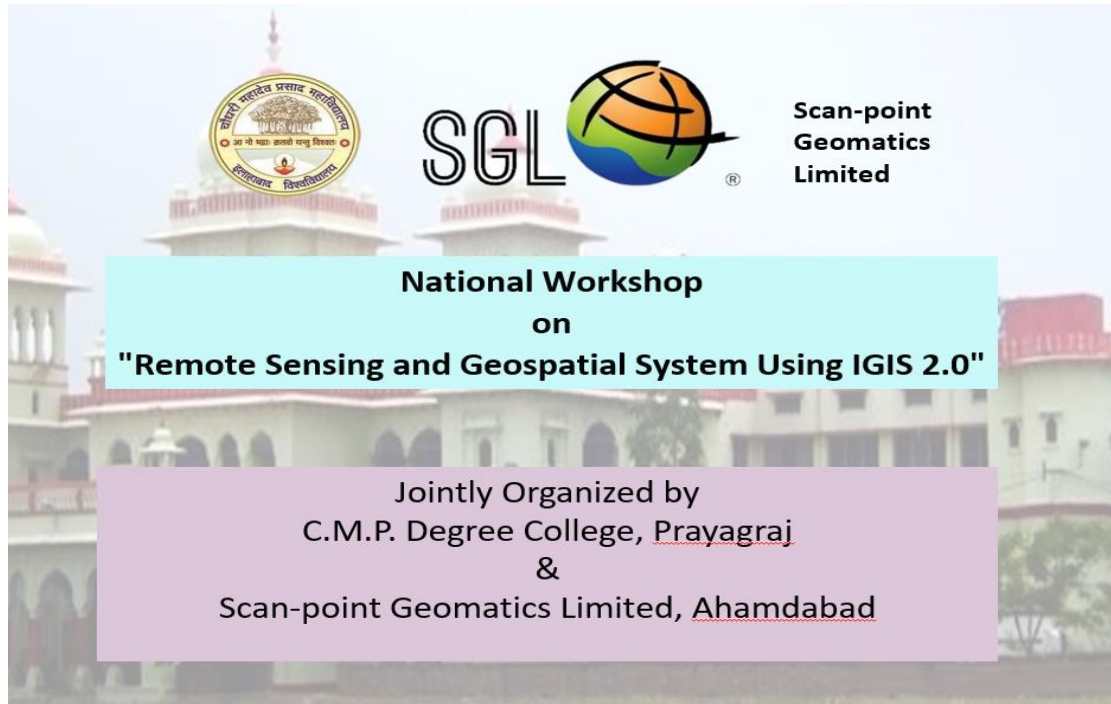
Dr. A.P. Singh, Convenor of the Law Department of the college, explained the role of the state in the implementation of human rights. While Dr. Ritu Raghuvanshi discussed the accountability of the judiciary as a protector of human rights, Dr. R.D. Kishore presented a discussion on human rights laws. Dr. Ruchika Verma of the Psychology Department emphasized on mental health and establishment of family values in the context of human rights. Dr. Govind Gaurav of the Department of Political Science gave a detailed discussion on the major issues going on in the context of universality, implementation, and inclusion of human rights at the global level. On this occasion Pragya, Shweta Rawat, Saman Rizwan, Mohd. Various students including Firoz, Abhishek Verma, Sonam, Ambaleshwar Pandey, Himanshu also expressed their views. In this seminar, more than 100 participants were also connected online through Zoom app. The program was conducted by Dr. Renu Singh and the vote of thanks was given by Organizing Secretary Dr. R.D. Kishore.



Online Seminar on Human Rights jointly organizing by District Legal Service Authority (DLSA) and Legal Aid Service Clinic, C.M.P. Degree College on International Human Rights Day, 10<sup>th</sup> December 2020



## Two Days National Workshop on "Remote Sensing and Geospatial System Using IGIS 2.0"



### Day 01

Today the Department of Geography has inaugurated a Two Days National Workshop on "Remote Sensing and Geospatial System Using IGIS 2.0" in collaboration with Scan-point Geomatics Limited, Ahmedabad.

The chief guest of the event was Prof. Piyush Ranjan Agrawal (Vice-Chancellor, Awadhesh Pratap Singh University, Rewa) and was presided over by the Chairperson of the Governing Body of the College, Ch. Jitendra Nath Singh. Prof. A. R. Siddiqui, Department of Geography, University of Allahabad was Guest of Honour of the Programme.

Prof. Piyush Ranjan Agrawal emphasized on the use of ICT and GPS technology in context of globalization and social changes.

Dr. Vinod Mishra, Vice-President of Scan-point Geomatics Limited described the use of Remote Sensing and Geospatial System Using IGIS 2.0.

Ch. Jitendra Nath Singh shared his experiences with GIS and Prof. Siddiqui discussed the future prospects of the researches in the field of GIS.

The Principal of the College, Dr. Brijesh Kumar opined the significance of GIS in daily life. The convener of the programme, Dr. Archana Tripathi introduced the framework of the Workshop and welcomed the guests. Dr. Pranay Kant Vishwas hosted the event and the vote of thanks was given by Dr. Archana Raje.

The presence of faculty members and the enthusiastic participation of students made the event a success.



National Workshop on "Remote Sensing and Geospatial System Using IGIS 2.0" in collaboration with Scan-point Geomatics Limited, Ahmedabad

#### Day-02

Today, the Two Days National Workshop on "Remote Sensing and Geospatial System Using IGIS 2.0" has been completed successfully. In the valedictory session of the workshop, the chief guest was Prof. H.N. Mishra, Emeritus Professor, Department of Geography, University of Allahabad. The session was chaired by Prof. B.N. Mishra, Former Head of the Department of Geography, University of Allahabad. Dr. Archana Pal (Head, Department of Geography, Jagat Taran Girls P.G. College) and Dr. Sunil Kumar Tripathi (Former Head, Geography, Allahabad Degree College) were the guests of honour of the event.

The chief guest Prof. H.N. Mishra described the changes in the ICT through the use of GIS. He highlighted the role of Geoinformatics in the development of Smart City Projects and the solution of urban problems.

Prof. B.n. Mishra opined that the GIS and Remote Sensing technique is important in the establishment of reliability of research and interpretation and analysis of data in science.

Dr. Pal and Dr. Tripathi discussed the use of Remote Sensing in the field of prediction of Climate change and disaster management. The principal of the College, Dr. Brijesh Kumar stated that GIS plays an important role in the analysis of environmental changes.

In addition to this, the first session of the day was ended with a detailed training session on the use of GIS by Dr. K.K. Singh, Mr. Kanishk and Mr. Nikhil.


The convener of the programmed, Dr. Archana Tripathi welcomed the guests. Dr. Pranay Kant Vishwas hosted the event and the vote of thanks was given by Dr. Archana Raje.

The presence of faculty members and the enthusiastic participation of students made the event a success.



Two Days National Workshop on "Remote Sensing and Geospatial System Using IGIS 2.0"

**Seven-days interdisciplinary workshop (25th November – 1st December 2020) on  
“Fundamentals of Biotechnological Techniques” jointly organized by the departments of  
Botany and Zoology under the aegis of DBT Star College Scheme**



**Seven-Days Interdisciplinary Workshop  
On  
“Fundamentals of Biotechnological Techniques”**

25<sup>th</sup> November – 1<sup>st</sup> December 2020

**Jointly Organized by  
Departments of Botany and Zoology  
Under the Aegis of DBT Star College Scheme**

**C.M.P. Degree College,  
University of Allahabad,  
Prayagraj**

Successful completion of the Seven-days interdisciplinary workshop (25th November – 1st December 2020) on “Fundamentals of Biotechnological Techniques” jointly organized by the departments of Botany and Zoology under the aegis of DBT Star College Scheme

The interdisciplinary e- workshop under the DBT star college scheme jointly organized by the departments of Botany and Zoology, CMP College on “Fundamentals of Biotechnological Techniques” marked its successful completion on 1st December, 2020. The workshop successfully realized its aim to improve the research skills and aptitude of the undergraduate students for enhancement of their practical knowledge on various techniques of Biotechnology by a series of lectures delivered by eminent academicians which essentially included practical demonstrations by experts. More than 320 UG and PG students had registered and successfully completed the workshop.

First day of the workshop was marked with the inaugural address by Dr Sangeeta Srivastava, Principal Scientist and Head, Division of crop improvement, ICAR-Indian Institute of Sugar cane research, Lucknow followed by keynote address by Prof Ajay Pratap Singh, Director of Research, Department of Pathology, College of Medicine, Programme Leader, Cancer Biology, University of South Alabama, US. Further demonstration of DNA isolation was given by Mr Vishal Maurya, Cytogene Research & Development, Lucknow.

Dr. Spoorthy N Babu VIT University Tamil Nadu delivered a lecture on PCR and its applications on the second day of the workshop. Practical demonstration of preparation of master mix and set up of PCR was given by Dr. Madhulika Singh, Director, Cytogene Research & Development, Lucknow.

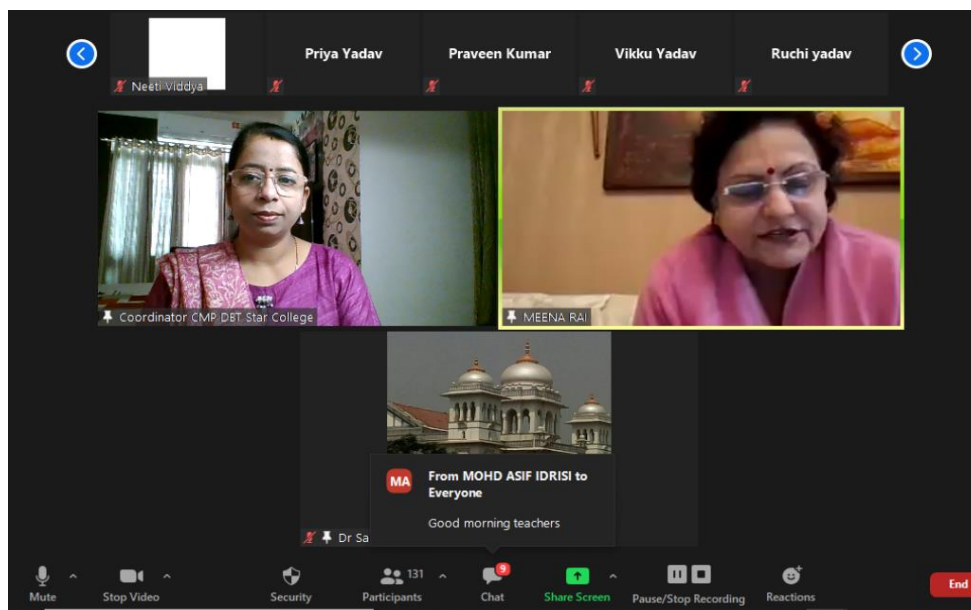
Third day of the workshop was marked by a fascinating lecture by Dr. Hemant Sharma, Department of Biotechnology, Banasthali Vidyapeeth, Jaipur on Microbiological Techniques.

Practical demonstration of microbiological Techniques was given by Ms Madhavi Singh under the guidance of Mr Sujit Kumar Singh, Director, Cytogene Research & Development, Lucknow. Dr. Saurabh Pandey, Albert-Ludwigs University of Freiburg Molecular Plant Physiology, Germany delivered an enchanting talk on the fourth day of the workshop on Integration of face recognition tools to plant biotechnology microcallus identification through machine learning and image processing.

Mr Vishal Maurya conducted the session on the sixth day wherein various microbiological techniques were demonstrated.

The last session included the lecture of Dr. Madhulika Singh, Director, Cytogene Research & Development, Lucknow on Bioinformatics and drug designing.

The valedictory session was chaired by the Dr Brijesh Kumar, Principal CMP College. The experiences of the workshop were shared by Mr Sujeet Kumar Singh, Director, Cytogene Research & Development, Lucknow. Departmental coordinators Dr Sanjay Singh and Dr Uma Rani Aggarwal shared their views on the workshop. The students actively participated in sharing their experience of the workshop and gave their feedbacks. The vote of thanks was proposed by Dr Sarita Srivastava, Associate Professor and Programme Coordinator, DBT star college Project. The session was compered by Dr Prateek Srivastava.



**WHAT IS BIOINFORMATICS ??**  
The field of science in which biology, computer science and information technology merge into a single discipline

Bioinformatics is the use of computers for the acquisition, management, and analysis of biological information. It incorporates elements of molecular biology, computational biology, databases, computing, and the Internet.

Dr. MADHULIKA SINGH

Source	CDS Region in Nucleotide	Protein	Name	Organism	Strain	Assembly
INSDC	M57671.1 (42-371 c)	AAA45569.1	Insulin	Octodon degus		
RefSeq	NY_004625584.1 (1654289b..18543677 c)	XP_004627141.1	Insulin	Octodon degus		GCF_000260255.1
RefSeq	NM_004627086.1 (36-365 c)	XP_004627141.1	Insulin	Octodon degus		
Swiss-Prot	N/A	P17715.2	Insulin	Octodon degus		
PAT	N/A	ACW02672.1	Sequence 36 from patent US 7547621	Unknown		
PAT	N/A	AGA37843.1	Sequence 137 from patent US 8316194	Unknown		
PAT	N/A	AJG33185.1	Sequence 137 from patent US 8566713	Unknown		
PAT	N/A	AME00049.1	Sequence 137 from patent US 9034323	Unknown		
PAT	N/A	AYE01915.1	Sequence 137 from patent US 9963529	Unknown		

Seven-days interdisciplinary workshop (25th November – 1st December 2020) on “Fundamentals of Biotechnological Techniques” jointly organized by the departments of Botany and Zoology under the aegis of DBT Star College Scheme

## Workshop on "Time Management and Aggression management"



**C.M.P. Degree College,**  
**(University of Allahabad)**

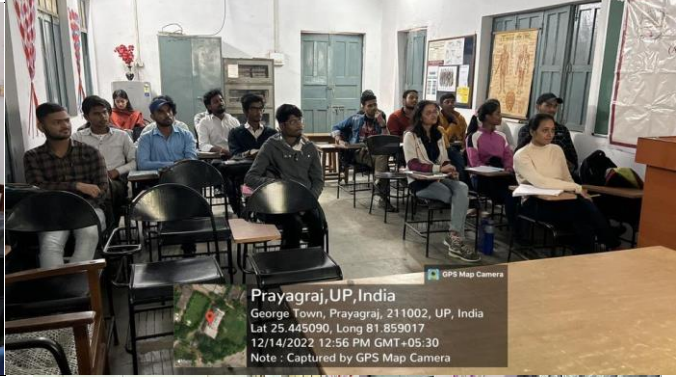


Workshop  
on  
"Time Management and Aggression management"  
13<sup>th</sup> – 14<sup>th</sup> December, 2022.  
Organized by  
Department of Psychology and Career Counselling and  
Placement Cell,  
CMP Degree College

A workshop on "Time Management and Aggression management" was organized by Department of Psychology and Career Counselling and Placement Cell, CMP Degree College on 13th and 14th December, 2022. The workshop was conducted in the three months certificate course on "Personality Development and Stress Management" run by Centre for Skill Development of CMP Degree College, University of Allahabad.

Dr Jyotsna Sinha from Department of Humanities and Social Sciences, Moti Lal Nehru National Institute of Technology emphasized on the need for time management in life. She gave students important tips to utilize time in most productive ways. These days youth is misusing social networking sites and it is important for them to understand the right use of technological developments.

Prof Ambalika Sinha, from Department of Humanities and Social Sciences, Moti Lal Nehru National Institute of Technology took two sessions on Anger management. She insisted on managing aggression for healthy living and practicing various techniques for reducing their anger so that they may live healthy life. These days in post covid scenarios people are losing their patience and as a result experiencing many medical conditions such as blood pressure and cardiovascular diseases. Students learnt about the causes of aggression, its impact and overcoming it. It was a very productive session for students and faculty members. The program was Conducted by Dr Ruchika Varma, Convenor, Department of Psychology. Dr Arti Gupta, Dr Amita Pandey, Dr Mahesh Kumar Maurya and Dr Ranjana Tiwari were present on the occasion.



Workshop on "Time Management and Aggression management"



विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला



**C.M.P. Degree College**  
(University of Allahabad)



**SCIENCE ACADEMIES LECTURE**

**WORKSHOP**

**on**

**Climate Change: Its Impact on Environment and Biodiversity**

**Organized by**

**Department of Botany,  
C.M.P. Degree College,  
University of Allahabad, Prayagraj**

विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला का शुभारम्भ सी.एम.पी. महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला 16 व 17 नवंबर 2022 को आयोजित किया जा रहा है। यह कार्यशाला जलवायु परिवर्तन का पर्यावरण और जैव विविधता पर प्रभाव विषय पर आयोजित है। कार्यशाला के प्रथम दिन इसकी संचालिका व समन्वयक डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव ने अपने शुरुआती उद्बोधन में कार्यशाला में आए हुए अतिथियों का स्वागत किया। तत्पश्चात दीप प्रज्वलन कर कार्यशाला का औपचारिक उद्घाटन डॉक्टर आर आर राव, प्रोफेसर आर एस वर्मा व प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा किया गया। इस कार्यशाला में देश भर से लगभग 170 से अधिक प्रतिभागी प्रतिभाग कर रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे द्वारा आए हुए अतिथियों का स्वागत किया गया व कार्यशाला से संबंधित संक्षिप्त चर्चा की गयी। इस अवसर पर प्राचार्य ने बताया कि यह हमारे कॉलेज के लिए बड़ा ही हर्ष का विषय है की देश की तीन विज्ञान अकादमी द्वारा यह कार्यशाला हमारे कॉलेज में आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर कॉलेज के प्रेसिडेंट चौधरी जितेंद्र नाथ सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए संक्षिप्त में विषय पर चर्चा की और बताया कि यह विषय मानव अस्तित्व से जुड़ा है। उन्होंने बताया की हाल ही में मौसम के बदलाव को महसूस करते हुए हम लोगों ने देखा कि जो बारिश अगस्त और सितंबर में होनी चाहिए थी वह इस वर्ष अक्टूबर में हुई इस तरह के सभी बदलाव क्लाइमेट चेंज की वजह से हो रहे हैं। एम.एन.आई.टी के निदेशक प्रोफेसर आर एस वर्मा द्वारा कार्यशाला के विषय एवं उद्देश्य पर विस्तार से चर्चा करते हुए विषय के नए आयामों एवं तकनीकी से परिचय कराया गया। उन्होंने बताया की कार्यशाला का विषय इस समय सबसे ज्यादा चर्चा होने वाला विषय है। जलवायु परिवर्तन का मुख्य कारण ओजोन डिप्लीशन, प्रदूषण व पेड़ों का कटाव है। जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ हमें यह भी जानना जरूरी है कि यह जलवायु परिवर्तन क्यों हो रहा है और इनके सतत विकास कैसे किए जा सकते हैं। इस कार्यशाला के मुख्य अतिथि व प्रवक्ता डॉक्टर आरआर राव, मानद वैज्ञानिक आई एन एस ए, बेंगलुरु ने देश के तीन विज्ञान अकादमी की भूमिका पर विस्तार से चर्चा किया व बतलाया की इस वर्कशॉप का मुख्य उद्देश्य छात्रों पर विज्ञान की छवि डालना है। साइंस एजुकेशन पैनल, समर रिसर्च फैलोशिप, रेजोनेंस जर्नल, लेक्चर वर्कशॉप फॉर

कॉलेजेस आदि का लाभ छात्रों, कॉलेज के अध्यापकों, वैज्ञानिकों को लेने की आवश्यकता है। उद्घाटन सत्र के समापन पर धन्यवाद ज्ञापन डॉ अमिता पांडे समन्वयक वनस्पति विज्ञान विभाग सीएमपी डिग्री कॉलेज द्वारा किया गया। इस अवसर पर सभी अतिथि गणों द्वारा सार पुस्तिका का अनावरण भी किया गया। तकनीकी सत्र के प्रथम चरण में सीमैप बेंगलुरु के भूतपूर्व वैज्ञानिक व मानद वैज्ञानिक डॉक्टर आर आर राव द्वारा हमारी विविधता हमारी विरासत पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। डॉ राव ने अपने व्याख्यान में सिनकोना प्लांट से मलेरिया की दवा व रबर प्लांट के खोज की चर्चा विस्तार से की और बतलाया की एक पौधा पूरे मानव सभ्यता को बदल सकता है। उन्होंने बतलाया कि इस तरह की खोज के लिए पारंपरिक ज्ञान का होना बहुत जरूरी है। अपने व्याख्यान में विस्तृत चर्चा करते हुए बायोडायवर्सिटी आफ इंडिया, बायोडायवर्सिटी आफ फैमिली, बायोडायवर्सिटी आफ जीनस, बायोडायवर्सिटी ऑफिस स्पीशीज, हॉटस्पॉट ऑफ इंडिया, इंपॉर्टेंस ऑफ बायोडायवर्सिटी, मेगा बायोडायवर्सिटी आदि पर विस्तृत चर्चा की। सत्र के द्वितीय चरण में डॉक्टर यूसी श्रीवास्तव एफ.एन.ए.सी, इलाहाबाद ने जलवायु परिवर्तन के कारण पर विस्तृत चर्चा की। सत्र के तीसरे चरण में प्रोफेसर शशि पांडे राय बी.एफ. एस, वनस्पति विज्ञान विभाग, बीएचयू ने पर्यावरण की स्थिति की संभावनाएं औषधीय पौधों में माध्यमिक उपापचय और इसके पारिस्थितिक परिणाम पर विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर प्रोफेसर डी के चौहान, प्रोफेसर गिरिजेश कुमार वनस्पति विज्ञान विभाग इलाहाबाद विश्वविद्यालय, डॉ आरती गर्ग डायरेक्टर बीएसआई इलाहाबाद, व विभाग के समस्त शिक्षक गण डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ मीना राय, डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉ नेहा पांडे, डॉक्टर दीपक कुमार गौड़, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत, डॉक्टर अर्चना पांडे, डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव आदि भी उपस्थित रहे।





### विज्ञान अकादमी द्वारा प्रायोजित सीएमपी महाविद्यालय में दो दिवसीय कार्यशाला

सी.एम.पी. महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग में विज्ञान अकादमी द्वारा आयोजित दूसरे दिन का शुभारंभ प्रोफेसर आर आर राव मानद वैज्ञानिक बेंगलुरु के व्याख्यान से प्रस्तुत हुआ। डॉ राव का व्याख्यान संकटग्रस्त पादपीय आवासों और संकटग्रस्त पौधों का संरक्षण: भारत की चिंताएँ और प्रतिक्रियाएँ पर था। अपने इस व्याख्यान में डॉ राव ने बताया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाला प्रत्येक पौधा एक विशेष गुण रखता है यदि इन पौधों को बचाया नहीं गया तो यह हमारे देश के लिए आने वाले समय में चिंता का विषय होगा। डॉ राव ने बताया कि जैव विविधता के क्षरण का मुख्य कारण देश में बढ़ती हुई जनसंख्या, शहरीकरण, सड़कों का बनना, तमाम मानव जनित क्रियाएँ जैसे औषधि पौधों, सजावटी पौधों आदि का अधिक उपयोग होना मुख्य कारण है इसके अलावा बाहरी खरपतवार का आना, जंगल में आग का लगना, स्थानांतरण खेती, खनन क्रियाएँ आदि भी जैवविविधता को कम करते हैं। जैव विविधता के क्षरण को रोकने के लिए आई यू सी एन एक रेड लिस्ट जारी किया है जिससे पता चलता है कि पूरे विश्व में और अपने देश में भी कौन-कौन सी प्रजातियाँ विलुप्त हो रही हैं। हमारा देश इसके प्रतिक्रिया में पादप संरक्षण के लिए बायोडायवर्सिटी बिल नेशनल पार्क, वाइल्ड लाइफ सेंचुरी, टाइगर रिजर्व, रामसर साइट जैसे जगहों पर पौधों का संरक्षण किया जा रहा है। प्रथम सत्र का दूसरा व्याख्यान डॉक्टर यू सी लवानिया भूतपूर्व वैज्ञानिक सी मैप लखनऊ द्वारा गुणसूत्र विविधता और जिनोमिक क्षेत्र पर प्रस्तुत किया गया। उन्होंने बताया कि गुणसूत्र और उनके ऑर्गनाइजेशन पर काम करना बहुत ही कठिन है पौधों और जंतुओं के गुणसूत्रों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि पौधों के गुणसूत्र के काम करना जंतुओं के गुणसूत्र की तुलना में कठिन होता है क्योंकि पौधों की कोशिकाएँ कोशिका भित्ति से घिरी होती हैं अपने व्याख्यान में रिपेटिटिव डीएनए, पैकिंग ऑफ डीएनए, क्रोमेटिक कंडेंसेशन, ओरियंटेशन एंड ऑर्गनाइजेशन आफ क्रोमोजोम, सोमेटिक वेरिएशन, पॉलिप्लॉयडी आदि पर चर्चा की। प्रथम सत्र का तीसरा व्याख्यान भूतपूर्व विभागाध्यक्ष वनस्पति विज्ञान विभाग प्रोफेसर डी के चौहान ने जैव विविधता संकट पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और बताया कि पृथ्वी पर पाए जाने वाले सभी प्रकार के जीव जंतु बैक्टीरिया आदि की विविधताएँ बहुत आवश्यक हैं क्योंकि यह एक दूसरे से संबंधित होते हैं। प्रोफेसर चौहान ने जेनेटिक डायवर्सिटी, स्पीशीज डायवर्सिटी, इकोलॉजिकल डायवर्सिटी आदि को बताते हुए जैवविविधता या बायोडायवर्सिटी की उपयोगिता पर विशेष प्रकाश डाला और

कहां कि पृथ्वी पर पाए जाने जाने वाला हर एक पौधा औषधि गुण रखता है और हम सबको इसका संरक्षण करना चाहिए अपने व्याख्यान में बायोडायवर्सिटी हॉटस्पॉट, इंडियन मेगा डायवर्सिटी, बायोडायवर्सिटी लॉस, बायोडायवर्सिटी क्राइसिस आदि पर प्रकाश डाला। सत्र का तीसरा व्याख्यान प्रोफेसर मधुलिका अग्रवाल वनस्पति विज्ञान विभाग बीएचयू ने जलवायु परिवर्तन और उसके परिणाम पर व्याख्यान प्रस्तुत किया और बतलाया की जलवायु परिवर्तन के कारण दिन का लंबा होना उसके तापमान में वृद्धि होना ,रात के तापमान में वृद्धि होना, मौसम में बदलाव आदि जलवायु परिवर्तन के मुख्य प्रभाव हैं परिवर्तन का एक बड़ा मुख्य कारण ग्रीन हाउस इफेक्ट भी है देश में बढ़ती जनसंख्या, शहरीकरण, फैक्ट्रियों का निर्माण, जंगलों का काटा जाना आदि के वजह से ग्रीनहाउस गैसेस का उत्सर्जन लगातार होता जा रहा है जिस के दुष्प्रभाव से पृथ्वी के तापमान में वृद्धि ,सागर के तापमान में वृद्धि ,साइक्लोन का आना, बाढ़ ,भू चरण, सूखा और इसके कई दुष्प्रभाव कृषि ,वाइल्ड लाइफ आदि पर पढ़ रहा है इसकी रोकथाम के लिए पूरे विश्व में इस तरह के गैसों के निकास पर रोक लगाना होगा। सत्र का आखिरी व्याख्यान मानद सदस्य आईएएस प्रोफेसर संजय कुमार सामंती प्रेजेडसिडेंट इंडियन क्लाइमेट चेंज कांग्रेस द्वारा दिया गया और अपना व्याख्यान जल संकट और जल प्रबंधन पर दिया और उन्होंने बतलाया कि किन-किन तरीकों से जल संरक्षण किया जा सकता है।सत्र के दूसरे सत्यापन सत्र में डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव 2 दिन की कार्यशाला का संक्षिप्त परिचय देते हुए कार्यक्रम का शुभारंभ किया। इस सत्र में प्रोफेसर लवानिया ने बताया कि इस तरह की कार्यशाला उत्तर भारत में संचालित नहीं किया गया है और इस तरह की आयोजन से छात्रों को इसका पूरा लाभ मिलता है। डॉक्टर राव ने भी इस सत्र में सबको बधाई दी और बताया कि इस के कार्यशाला को भविष्य में और बेहतर बनाने हेतु आप अपनी सुझाव हमें दे सकते हैं। सत्र के दौरान छात्रों ने भी अपना फीडबैक दिया और बतलाया कि हम सब ने इस वर्कशॉप से काफी कुछ सीखा। प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरें ने अपने उद्बोधन में बताया की क्लाइमेट चेंज में हम सब की भूमिका है और हमको इस तरह की भूमिका निभाना चाहिए जिससे कि सतत विकास हो सके। प्रोफेसर शेखर श्रीवास्तव इलाहाबाद विश्वविद्यालय ने सबको धन्यवाद देते हुए बतलाया की ग्लोबल वार्मिंग मुख्य कारण है क्लाइमेट चेंज का जिसे हमें रोकना चाहिए। सत्र के अंत में धन्यवाद ज्ञापन डॉक्टर सरिता श्रीवास्तव द्वारा दिया गया। आज के पूरे सत्र का संचालन विपुल मिश्रा ने सुचारू ढंग से संचालित किया।इस अवसर पर प्रोफेसर गिरिजेश कुमार, डॉक्टर प्रतीक श्रीवास्तव वनस्पति विज्ञान विभाग, इलाहाबाद विश्वविद्यालय डॉ आरती गर्ग डायरेक्टर बीएसआई इलाहाबाद, व विभाग के समस्त शिक्षक गण डॉ मंजू श्रीवास्तव, डॉ मीना राय, डॉक्टर संजय सिंह डॉक्टर अमिता पांडे डॉ अविनाश प्रताप सिंह, डॉक्टर आलोक कुमार सिंह डॉ नेहा पांडे, डॉक्टर दीपक कुमार गौड़, डॉक्टर कीर्ति राजे सिंह, डॉक्टर विजय प्रताप सिंह, डॉ यशवंत, डॉक्टर अर्चना पांडे, डॉक्टर संतोष कुमार श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।



उत्तर भारत का पहला विज्ञान अकादमी द्वारा संचालित दो दिवसीय कार्यशाला

